THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 14 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.13 2080 सोमवार, 3 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सांप्रदायिक आग में धधका बिहार

5 जिलों में हिंसा, 125 गिरफ्तार : नालंदा-सासाराम में दो दिन फायरिंग-बमबाजी में 1 की मौत, 38 घायल, पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पांच जिलों में रामनवमी की शोभायात्रा के बाद हिंसा जारी है। नालंदा के बिहार शरीफ और सासाराम में दो दिन से फायरिंग और बमबाजी हो रही है। नालंदा में गोली लगने से एक की मौत हुई है। दोनों जगहों पर 38 लोग घायल हैं।

भागलपुर और गया में भी विवाद हुआ है। मुंगेर में भी शनिवार की रात मूर्ति विसर्जन को लेकर दो गुटों में मारपीट और पथराव हुआ। अब तक 125 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पैरा मिलिट्री की 10 कंपनियां प्रभावित जिलों में भेजी गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंसा के बारे में राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से फोन पर बात की। बिहार में केंद्रीय अर्धसैनिक बल भेज दिए जाएंगे।

पुलिस बोली, डर से कोई अपना घर नहीं छोड़ रहा, ये महज अफवाह है

रोहतास पुलिस ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिसमें दावा किया जा रहा था कि सासाराम में मुसलमानों के डर से हिंदू अपना घर छोड़ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि किसी ने अपना मोहल्ला नहीं छोड़ा है।

सासाराम : बमबाजी, 25 लोग गिरफ्तार

रोहतास के जिला मुख्यालय सासाराम के सफ्फुलागंज इलाके में शनिवार शाम को एक बार फिर बम फेंके गए। पुलिस ने घरों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इसमें 8 और लोगों को हिरासत में लिया गया। यहां गुरुवार रात रामनवमी की शोभायात्रा के बाद से ही बवाल मचा हुआ है। सहजलाल इलाके में बाइक खड़ी करने और नारे लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। एक पक्ष ने गाड़ियों में तोड़फोड़ कर शोभायात्रा से लौट रहे लोगों के साथ मारपीट की थी।

विरोध में शुक्रवार को दूसरा पक्ष सड़क पर उतर गया था। सासाराम के बस्ती मोड़, चौखंडी, आदमखानी, सोना पट्टी आदि इलाके में पथराव हुआ। इस दौरान बम भी फेंके गए थे। कुछ घरों में आग लगा दी गई थी। उपद्रव और ब्लास्ट में 8 लोग घायल हैं। अब तक 32 को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार शरीफ : फायरिंग, 30 लोग घायल

नालंदा के बिहार शरीफ में शुक्रवार को जहां हिंसा हुई थी, उससे 1 किलोमीटर दूर शनिवार रात फिर फायरिंग हुई। फायरिंग में एक की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हो गए। पुलिस पर भी पथराव किया गया। यहां पर धारा-144 लगाई गई है। बिहार शरीफ में 77 की गिरफ्तारी हुई है। कुल 30 लोग घायल हैं।

बिहार शरीफ में शुक्रवार को रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान गगन दीवान के पास दो पक्ष आपस में भिड़ गए थे। दोनों पक्षों में जमकर पत्थर बाजी हुई। फिर आक्रोशित लोगों ने गाड़ियों और मकानों में आग लगा दिया। करीब 1 दर्जन गाड़ियों को आग के हवाले किया गया था। फायरिंग भी हुई थी, जिसमें 6 लोगों को गोली लगी थी।

गया के चाकंद थाना क्षेत्र में भी रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर दो पक्षों के बीच शुक्रवार शाम जमकर झड़प हुई है।

>14

नीतीश के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा बंद रहेंगे

शाह बोले- लोकसभा चुनाव के बाद बिहार सरकार गिर जाएगी, दंगाइयों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नवादा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी, बीजेपी की सरकार बनेगी। हमारी सरकार बनने पर दंगा करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। हम वोट बैंक की राजनीति नहीं करते। हमारी सरकार में दंगे नहीं होते हैं। नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा बंद रहेंगे।

अमित शाह ने रविवार को नवादा के हिसुआ में सम्राट अशोक जयंती कार्यक्रम को करीब 21 मिनट तक संबोधित किया। उन्होंने कहा, मुझे सासाराम जाना था, वहां सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम होना था, लेकिन दुर्भाग्य है कि वहां लोग मारे जा रहे हैं। गोलियां चल रही हैं। इसलिए वहां नहीं जा सका, मैं वहां की जनता से यहीं से क्षमा मांगता हूं। अगले दौरे में सासाराम में सभा जरूर करूंगा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि बिहार में जल्द ही शांति हो।

लालू जी भूल जाओ कि नीतीश आपके बेटे को सीएम बनाएंगे

नीतीश बाबू को पीएम बनना है, तेजस्वी को सीएम बनना है। इनके बीच बिहार की जनता पिस रही है, लेकिन देश की जनता ने तय किया है कि मोदी को तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाएंगे। इसलिए लालू जी आप ये भूल जाओ कि नीतीश कुमार आपके बेटे को मुख्यमंत्री बनाएंगे। अमित शाह ने कहा कि लालू के बेटे ने नीतीश को सांप, पलटूराम और यहां तक की गिरगिट भी कह डाला, लेकिन नीतीश बाबू प्रधानमंत्री बनने के लिए उनके साथ चले गए।

नीतीश-ललन बाबू के लिए दरवाजे बंद

अमित शाह ने कहा, मैं बिहार की जनता और ललन बाबू को स्पष्ट कहना चाहता हूं कि चुनाव परिणामों के बाद भी नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद रहेंगे।

>14

राहुल 2 साल सजा के खिलाफ आज सूरत कोर्ट जाएंगे

सांसदी जाने के 11 दिन बाद उठाएंगे कानूनी कदम, अदालत ने 30 दिन का वक्त दिया था

सूरत, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...' इस बयान से जुड़े मानहानि केस में सूरत कोर्ट ने 23 मार्च को राहुल गांधी को दोषी करार दिया था। ठीक दूसरे दिन यानी 24 मार्च को राहुल की लोकसभा सदस्यता भी रद्द कर दी गई थी। 11 दिन बाद राहुल फैसले के खिलाफ सूरत की सेशन कोर्ट में याचिका लगाने वाले हैं। न्यूज एजेंसी ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से कहा कि राहुल की लीगल टीम 3 अप्रैल (सोमवार) को कोर्ट जाएगी।

23 मार्च को कोर्ट ने राहुल की मौजूदगी में उन्हें दो साल जेल की सजा और 15 हजार जुर्माना लगाया था। कुछ देर बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी थी। साथ ही सजा को 30 दिन के लिए स्थगित कर दिया था। यानी इस दौरान राहुल की गिरफ्तारी नहीं होगी और वे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में फैसले के खिलाफ याचिका लगा सकते हैं।

जेल या अपील दो हिस्सों में बंटा था पार्टी नेताओं का फैसला

सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी की सजा के खिलाफ पार्टी भी दो हिस्सों में बंटी हुई थी। एक धड़ा चाहता था कि राहुल फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएं। वहीं, दूसरा धड़ा चाहता था कि राहुल जेल जाएंगे तो पार्टी को सहानुभूति मिलेगी और इसका फायदा आगामी लोकसभा चुनाव में मिलेगा।

पार्टी में राय बनी, सियासी और कानूनी लड़ाई लड़ी जाए

सूत्र बताते हैं कि आखिरी राय ये बनी कि लड़ाई सियासी व कानूनी दोनों मैदानों में लड़ी जाए। हालांकि, सजा के खिलाफ कोर्ट जाने को लेकर देरी का कारण पार्टी यही बताती रही कि फैसले का गुजराती से अंग्रेजी में अनुवाद करने में समय लगा।

राहुल अपनी लीगल टीम से नाराज

फैसले को चुनौती देने या जेल जाने के फैसले पर भी पार्टी नेतृत्व बंटा हुआ था। एक राय यह थी कि जेल जाने से सहानुभूति की लहर पैदा होगी। दूसरी यह थी कि चुनौती न देना गलती मान लेना समझा जाएगा। अंतिम फैसला सोनिया गांधी पर छोड़ा गया था। बताते हैं कि राहुल गांधी अपनी लीगल टीम से भी खफा हैं, जिसने चार साल से चल रहे इस केस को गंभीरता से नहीं लड़ा।

भाजपा ने बनाई कांग्रेस फाइल्स

पहले एपिसोड में 4.82 लाख करोड़ के घोटालों का जिक्र किया, कहा- पिक्चर अभी बाकी है

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस और भाजपा के बीच सोशल मीडिया पर अब वीडियो वॉर शुरू हो चुका है। कांग्रेस अडाणी मामले और राहुल की सदस्यता को लेकर भाजपा के खिलाफ सवालों की सीरीज के साथ डेमोक्रेसी डिस्क्वालिफाइड कैंपेन चला रही है।

वहीं भाजपा ने भी घोटालों-भ्रष्टाचार को लेकर सोशल मीडिया पर कांग्रेस फाइल्स टाइटल के नाम से वीडियो सीरीज शुरू कर दी है। भाजपा ने ट्विटर हैंडल पर शेयर किए इस वीडियो के साथ लिखा है, कांग्रेस फाइल्स के पहले एपिसोड में देखिए, कैसे कांग्रेस राज में एक के बाद एक भ्रष्टाचार और घोटाले हुए।

अब जानिए इस वीडियो में क्या है

तीन मिनट के इस वीडियो की शुरूआत होती है कांग्रेस का मतलब समझाने से। जिसमें लिखा है, कांग्रेस मतलब करप्शन। इस वीडियो में नैरेटर कांग्रेस के 70 साल के शासन के घोटालों का जिक्र किया है। इसमें कोयला घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम, कॉमनवेल्थ घोटाले का जिक्र है। आखिरी मिनट में नैरेटर कहता है, कांग्रेस के घोटालों की ये तो सिर्फ झांकी है, पिक्चर अभी बाकी है।

भाजपा ने बताया जितना घोटाला किया, उस पैसे से क्या-क्या हो सकता था

इसी वीडियो में बताया गया है कि कांग्रेस के 70 सालों के शासन के दौरान 4.82 लाख करोड़ के घोटाले हुए। अगर इस पैसे का सही इस्तेमाल होता तो इतने पैसों में 24 आईएनएस विक्रांत बनाए जा सकते थे, 300 राफेल जेट खरीदे जा सकते थे और 1000 मिशन मंगल पूरे हो सकते थे। भाजपा ने कांग्रेस के 2004 से 2014 के कार्यकाल को 'खोया हुआ दशक' करार दिया। क्योंकि उन दिनों अखबारों में भ्रष्टाचार की खबरें भरी रहती थीं, जिसे देखकर हर भारतीय का सिर शर्म से झुक जाता था।

कांग्रेस चला रही है डेमोक्रेसी डिस्क्वालिफाइड सीरीज

इससे पहले कांग्रेस ने भी अडानी मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला था और 'हम अदाणी के हैं कौन' अभियान के तहत सवालों के कई सेट रिलीज किए थे। जिसे डेमोक्रेसी डिस्क्वालिफाइड नाम दिया गया है। इसके तहत एएम सिंघवी, जितेंद्र सिंह, शक्ति सिंह गोहिल, अलका लांबा, राजीव शुक्ला वीडियो के जरिए मोदी सरकार पर सवाल उठाते नजर आ रहे थे।

बंगाल में बीजेपी नेता राजू झा की गोली मारकर हत्या

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले, राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की मिसाल हैं ममता बनर्जी

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में शनिवार रात कुछ बदमाशों ने भाजपा नेता राजू झा की गोली मारकर हत्या कर दी। राजू अपने कुछ साथियों के साथ कोलकाता जा रहे थे। वे शक्तिगढ़ में हाईवे के किनारे एक दुकान पर रुके थे। इसी दौरान एक गाड़ी में आए हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। हमले में उनका दोस्त ब्रातिन मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया है।

राजू की हत्या पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ममता बनर्जी पर पक्षपात करने और अपने भाषणों से हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ममता राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की मिसाल हैं।

हमलावरों ने 5 राउंड फायर किए थे

पूर्व बर्धमान के एसपी कामनाशीष सेन ने बताया कि राजू झा, दुकान के बाहर अपनी गाड़ी में ही बाकी लोगों का इंतजार कर रहे थे। इस बीच वहां हमलावर आए, उनमें से एक ने कार का शीशा रॉड मारकर तोड़ दिया। इसके बाद राजू पर 5 राउंड फायर कर दिए। इससे राजू वहीं बेसुध हो गए। हालांकि हॉस्पिटल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

एसपी सेन ने कहा कि हाईवे में टोल प्लाजा और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। साथ ही पुलिस ड्राइवर और चश्मदीदों के बयान भी दर्ज कर रही है। पुलिस का कहना है कि राजू की हत्या का कारण सामने नहीं आ सका है।

पेगासस जैसा नया स्पाईवेयर खरीदने की तैयारी

986 करोड़ रुपये का बजट, ग्रीस और इजराइल की स्पाईवेयर फर्म लगा सकती हैं बोली

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार पेगासस जैसा नया स्पाईवेयर तलाश रही है। पेगासस को अमेरिकी सरकार ब्लैकलिस्ट कर चुकी है और भारत में भी यह स्पाईवेयर विवादों में रह चुका है, ऐसे में सरकार पेगासस की प्रतिद्वंद्वी सॉफ्टवेयर कंपनियों से डील के बारे में बात रही है। ये सर्विलांस कंपनियां भारत सरकार के सामने बोली लगाने की तैयारी कर रही हैं।

रिपोट के मुताबिक, भारत के डिफेंस और इंटेलिजेंस अधिकारी पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ का ऐसा कोई कॉम्पटीटर खोज रहे हैं जो इतना चर्चा में न रहा हो। माना जा रहा है कि सरकार नए स्पाईवेयर के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 12 करोड़ डॉलर (986 करोड़ रुपये) तक खर्च करने को तैयार है। इसके लिए करीब 12 कंपनियां बोली लगा सकती हैं।

ग्रीस के स्पाईवेयर प्रेडेटर का नाम जासूसी कांड में आ चुका

इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि भारतीय अधिकारी ग्रीस की कंपनी इंटरेस्ट का स्पाईवेयर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं। इस कंपनी ने इजराइली मिलिट्री के पूर्व अधिकारियों की मदद लेकर प्रेडेटर नाम का स्पाईवेयर तैयार किया है।

इस स्पाईवेयर का पहले से ही एक जासूसी कांड में नाम आ रहा है, जिसमें ग्रीस के स्पाई चीफ और प्रधानमंत्री भी फंसे हुए हैं। सिजिटन लैब और फेसबुक के मुताबिक, प्रेडेटर कई ऐसे देशों में ऑपरेशनल है जहां मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इन देशों में मिस्र, सऊदी अरब, मैडागास्कर और ओमान शामिल हैं।

भारत को इजराइली कंपनियों के स्पाईवेयर में ज्यादा इंटरेस्ट

यह भी जानकारी सामने आई है कि भारतीय अधिकारी कई स्पाईवेयर में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं, जिसमें से अधिकतर को इजराइली कंपनियों ने बनाया है। इजराइल में सबसे एडवांस स्पाईवेयर कंपनियां मौजूद हैं, जो यहां की मिलिट्री के साथ मिलकर स्पाईवेयर बनाती हैं।

स्पाईवेयर के ऑप्शन में क्वॉड्रीम और कॉग्नाइट शामिल हैं। क्वॉड्रीम को लेकर इजराइली अधिकारियों का कहना है कि वॉशिंगटन पोस्ट के जर्नलिस्ट जमाल खशोगी की मौत के बाद इस स्पाईवेयर को सऊदी असर में बेचे जाने का अप्रूवल मिला था।

कॉग्नाइट को लेकर मेटा की इन्वेस्टिगेशन में बड़े स्तर पर स्पाईवेयर के दुरूपयोग की बात सामने आने पर नॉर्वे के सॉवरीन वेल्थ फंड ने इसका स्टॉक हटा दिया था और अमेरिकी की वेरिंट कंपनी ने इसे अपने स्टॉक से अलग कर दिया था।

इन दोनों कंपनियों के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इटली, फ्रांस, बेलारूस और साइप्रस की स्पाईवेयर फर्म भी इसमें बोली लगा सकती हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के पास ऐसे ही स्पाईवेयर हैं, जिन्हें प्राइवेट मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर्स ने नहीं बल्कि देश की ही इंटेलीजेंस एजेंसी ने डेवलप किया है।

अमृतपाल पंजाब से फिर हुआ फरार?

यूपी के मेरठ में मिली लोकेशन, उत्तराखंड भागने की आशंका, होशियारपुर में भी सर्च

अमृतसर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल सिंह की 16वें दिन भी तलाश जारी है। इस बीच अमृतपाल की लेटेस्ट लोकेशन उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास मिली है। अमृतपाल सिंह ने मेरठ के दौराला से ऑटो पकड़ा था। पुलिस ने ऑटो चालक अजय से घंटों पूछताछ की। अजय ने बताया कि कुछ दिन पहले अमृतपाल दौराला में बैठा था और बेगमपुल के पास उतारा था।

अमृतपाल के किसी धार्मिक डेरे में छुपे होने का शक है। अमृतपाल की दूसरी वीडियो के अंत में कीर्तन की आवाज आ रही थी। जिसके बाद पुलिस ने तमाम डेरों पर चौकसी बढ़ा दी है।

अमृतपाल के मददगार को काबू किया

पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल के एक मददगार को काबू किया गया है। इसी शख्स के मोबाइल से अमृतपाल ने वीडियो बनाए थे। जिन्हें 29 व 30 मार्च को जारी किया गया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि ये वीडियो कहां बनी? उसने यह वीडियो आगे किसे भेजी? किसने इन्हें इंटरनेट पर डाला?

संभाजीनगर के बाद अब जलगांव में हिंसा

दो गुटों में झड़प के बाद पथराव, 12 लोग गिरफ्तार, इलाका पुलिस छावनी में तब्दील

जलगांव, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के बाद अब जलगांव में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प होने की खबर है। इसके चलते इलाके में तनावपूर्ण के हालात बने हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार रात को कुछ आसामाजिक तत्वों ने मूर्ति क्षतिग्रस्त कर दी थी, जिसके बाद दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को हिरासत में लिया है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है।

तीन दिन पहले भी जलगांव में नमाज के समय मस्जिद के बाहर गाना बजाने को लेकर दो गुट आमने-सामने आ गये थे। इसके बाद दोनों गुटों में जमकर पत्थरबाजी हुई थी। पथराव में दोनों ओर से चार लोग घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने 2 एफआईआर दर्ज की थी, जबकि 45 लोगों को हिरासत में लिया था।

इसके बाद 30 मार्च को छत्रपति संभाजीनगर में रामनवमी पर जमकर बवाल हुआ था। शोभा यात्रा के दौरान दो पक्षों में पथराव और आगजनी हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर भी पथराव किया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस मामले में भी पुलिस ने करीब 15 लोगों को हिरासत में लिया है।

विवाह की उम्र 21 करने का कानून अटका

5 राज्यों में चुनाव से पहले जनजातियों की नाराजगी से बचना चाहता है केंद्र

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में युवक-युवतियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र एक समान 21 साल करने का कानून अटक गया है। इस क्रांतिकारी कदम की घोषणा 2020 में हुई थी, लेकिन इस संबंध में लाए गए विधेयक पर विचार कर रही संसद की स्थायी समिति ने अब इसे दो रिसर्च संस्थाओं को भेज दिया है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज इसके सामाजिक पहलू पर अध्ययन करेगा। वहीं, इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आणंद ग्रामीण पहलू पर विचार करेगा। स्थायी समिति के सूत्रों ने बताया कि यह कानून राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक रूप से उलझा हुआ है, जिनसे जातीय और जनजातीय समीकरण गड़बड़ा सकते हैं।

कुछ महीनों में एमपी छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। एमपी-छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति की आबादी खासा सियासी प्रभाव रखती है। इनमें कम उम्र में शादी आम बात है। ऐसे में केंद्र को लगता है कि इस फैसले से कहीं वह तबका नाराज न हो जाए।

समिति को इस विधेयक के लिए कई धर्मों के कम से कम 10 निजी कानून बदलने पड़ सकते हैं। यौन हिंसा कानून भी बदलना होगा, जिसमें 18 साल से कम उम्र में शारीरिक संबंधों को बलात्कार माना गया है। यह भी सोचना है कि क्या विवाह की उम्र और शारीरिक संबंध की उम्र अलग-अलग हो सकती है?

संसद की समिति ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों की जनजातीय प्रथाओं को बारीकी से समझने के लिए दौरा करेगी।

>14

'केजरीवाल का दिमाग खराब
शराब घोटाले में अगला नंबर इनका- सांसद प्रवेश वर्मा का सीएम पर वार

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने एक बार फिर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर विवादित बयान दिया है. उन्होंने कहा कि केजरीवाल का दिमाग खराब हो गया है. ये शराब घोटाले में फंसे हैं और अगला नंबर इन्हीं का आएगा इसलिए वह अब कुछ भी बातें करने लगे हैं. उन्होंने कहा कि पूरे देश और विदेश में मोदी का जलवा है. उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के मामले में आया है. प्रवेश वर्मा ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है लेकिन आप (आप) को ये नहीं पता कि पूरा देश पीएम मोदी के पीछे खड़ा है. इन्हें सिर्फ कुछ न कुछ मुद्दा बनाना है कि क्योंकि यह खुद शराब मामले में बुरी तरह से फंसे हुए हैं. भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए वह इस तरह की बातों को हवा दे रहे हैं जबकि आज पूरा देश तरक्की कर रहा है. बीजेपी सांसद इससे पहले भी केजरीवाल को लेकर इस तरह के बयान जारी कर चुके हैं. पिछले महीने केजरीवाल के खिलाफ उनका बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था. प्रवेश केजरीवाल को आतंकवादी भी कह चुके हैं. बीते महीने 10 मार्च को प्रवेश ने कहा था केजरीवाल अपनी औकात में रहो. मनीष सिसोदिया की तुलना श्री राम से कर रहे हो. दिल्ली वालों का खून क्यों नहीं खौलता है? दिल्ली का मुख्यमंत्री नीच आदमी है.

शरद पवार ने 'राहुल-सावरकर' विवाद पर कहा
आजादी के आंदोलन में सावरकर के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है लेकिन मुद्दे और भी हैं

नागपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी द्वारा सावरकर के संबंध में दिये बयान पर कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में विनायक दामोदर सावरकर के बलिदान और त्याग को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है, लेकिन उनसे जुड़ी असहमति को आज के दौर में राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाया जा सकता है। एनसीपी प्रमुख पवार ने शनिवार को नागपुर में प्रेस से बात करते हुए विदेशी धरती पर राहुल गांधी द्वारा भारतीय लोकतंत्र के संबंध में दिये बयान पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा निशाना बनाए जाने को लेकर कहा कि यह कोई नई बात नहीं है कि और ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि केवल राहुल गांधी द्वारा विदेशी धरती पर कोई बयान दिया गया है।

पवार पत्रकारों से बात करने से पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर पर भी गए थे। नागपुर प्रेस क्लब में शरद पवार ने पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने सावरकर के बारे में राहुल गांधी से बात की है। इसके जवाब में पवार ने कहा कि देश की प्रमुख 18-20 विपक्षी दलों के नेताओं ने हाल ही में देश के सामने कई महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। भाजपा द्वारा राहुल गांधी पर बार-बार सावरकर के अपमान का आरोप लगाने और सावरकर के सम्मान में गौरव यात्रा के आयोजन कर शरद पवार ने कहा, इसके कोई मायने नहीं हैं। हम सभी सवारकर के बलिदान और त्याग का सम्मान करते हैं लेकिन विपक्षी दलों की बैठक में मैंने सुझाव दिया कि हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि आज की तारीख में जो लोग सत्ता में बैठे हैं, वो देश को किस तरह चला रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज सावरकर कोई राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है, यह पुरानी बात है। हमने सावरकर के बारे में कुछ बातें कही थीं, लेकिन वह व्यक्तिगत नहीं थी। वह हिंदू महासभा के खिलाफ थी। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि हमें देश की आजादी में सावरकर द्वारा दिए गए बलिदान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पवार ने कहा कि करीब 32 साल पहले उन्होंने संसद में सावरकर के प्रगतिशील विचारों के बारे में बात की थी।

एनसीपी चीफ ने कहा कि सावरकर ने रत्नागिरी में एक घर बनवाया और उसके सामने एक छोटा मंदिर भी बनवाया और उसमें पूजा के लिए वाल्मीकि समुदाय के एक व्यक्ति को बतौर पुजारी नियुक्त किया था। मुझे लगता है कि उस दौर में यह बहुत ही प्रगतिशील चीज थी। एनसीपी नेता ने राहुल गांधी द्वारा की गई सावरकर की आलोचना को राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में धकेलने के मुद्दे पर कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि आज के दौर में आम जनता से संबंधित कई अन्य मुद्दे काफी प्रमुख हैं। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या किसी नेता के लिए विदेशी धरती पर भारत से संबंधित मुद्दों पर बोलना उचित है। शरद पवार ने कहा कि इस विषय को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए क्योंकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि राहुल गांधी ने देश के बाहर देश की बात की हो। इससे पहले भी कई नेताओं द्वारा ऐसा किया गया है। शरद पवार ने यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के साथ महाराष्ट्र में राज्य विधानसभा के भी चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों चुनाव एक साथ नहीं होंगे।

शरद पवार नागपुर यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पर भी पहुंचे और उनसे मुलाकात की। दोनों नेताओं की ओर से इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया। नितिन गडकरी के अनुरोध पर शरद पवार पुणे की वसंतदादा चीनी संस्थान का एक उप-केंद्र नागपुर में भी बन रहा है। शरद पवार वसंतदादा चीनी संस्थान के अध्यक्ष हैं।

आईबी के गुरनाम पोस्ट पर एएसआई की गोली लगने से मौत
बीएसएफ में तैनात थे एमपी निवासी

कठुआ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के गुरनाम पोस्ट पर बीएसएफ के एएसआई की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई है। सूत्रों के मुताबिक एएसआई की पहचान मध्य प्रदेश के रीवा जिले के निवासी के तौर पर हुई है। सुरक्षाबलों ने हीरा नगर उप जिला अस्पताल में शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया है।

पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले में फिलहाल कोई जानकारी देने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।एएसआई को किन परिस्थितियों में गोली लगी या उन्होंने आत्महत्या की इसके बारे अन्य से पता किया जा रहा है। इससे पहले सांबा अंतरराष्ट्रीय सीमा के अग्रिम मोर्चे बंद टिप पर रविवार को बीएसएफ के जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली था।

नारायण राणे को कोर्ट ने उद्धव ठाकरे को 'करारा तमाचा मारने वाले बयान पर दर्ज हुए केस से किया बरी

रायगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले की मजिस्ट्रेट अदालत ने साल 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ की गई बेहद अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में दर्ज किये गये केस से बरी कर दिया है। भाजपा नेता नारायण राणे ने 2021 में कहा था, यह बेहद शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री (तत्कालीन) उद्धव ठाकरे को आजादी का साल नहीं पता है।

वह अपने भाषण के दौरान आजादी के साल की गिनती पूछने के लिए पीछे झुक गए। अगर मैं वहां होता तो उन्हें (उद्धव ठाकरे) करारा तमाचा मारता। तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ राणे के दिये इस अभद्र बयान के खिलाफ रायगढ़ के महाड में भारतीय दंड संहिता

की धारा 189 (लोक सेवक को चोट पहुंचाने का खतरा), 504 (सार्वजनिक शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान) और 505 (सार्वजनिक शरारत के अनुकूल बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद नारायण राणे को रत्नागिरी जिले से गिरफ्तार भी किया गया था लेकिन बाद में उन्हें अदालत ने जमानत दे दी थी। इसी मामले में शनिवार को रायगढ़-अलीबाग के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एस डब्ल्यू उगाले ने भाजपा नेता नारायण राणे को बरी कर दिया है। राणे की ओर से कोर्ट में दलील पेश करते हुए उनके वकील सतीश मानशिंदे ने कहा, राणे ने कथित तौर पर (तत्कालीन) मुख्यमंत्री के आचरण पर बयान दिया था। उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया जो धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, निवास, भाषा, जाति या समुदाय या किसी भी आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा दे रहा हो। इसके अलावा मानशिंदे ने यह भी कहा कि नारायण राणे के कथित बयान का मामला केवल राजनीति से प्रेरित था। इसलिए कानून की दृष्टि से यह कहीं नहीं ठहरता है।

राणे द्वारा उद्धव के खिलाफ की गई उस विवादित टिप्पणी को लेकर पूरे महाराष्ट्र में कुल चार प्राथमिकी दर्ज की गई थी। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने दावा किया था कि साल 2021 में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे 15 अगस्त के संबोधन में आजादी का साल भूल गए थे। राणे ने तमाचा वाली टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा था कि उन्होंने ऐसा कहकर कोई अपराध नहीं किया है।

फरार गांजा तस्कर की सड़क हादसे में मौत

शहडोल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। शहडोल के जैतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया में बीती रात एक तेज रफ्तार एक्सयूवी कार पलटने से एक युवक की मौत हो गई। इस सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार बिना नम्बर की कार में सवार होकर बीती रात चार युवक ग्राम कदौड़ी से जैतपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ग्राम पिपरिया के समीप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। जिसकी पहचान दीपू उर्फ दीपक बर्मन निवासी टिकुरी टोला बुढ़ार के रूप में की गई है।जबकि कार में सवार तीन अन्य युवक घायल हो गए। जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं, मृतक के शव का पोस्ट मार्टम कराने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार लाया गया है।

इसरो ने फिर से प्रयोज्य प्रक्षेपण यान स्वायत्त लैंडिंग मिशन के तहत सफल परीक्षण किया

बेंगलुरु, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान स्वायत्त लैंडिंग मिशन (आरएलवी एलएएक्स) के तहत रविवार को सफलतापूर्वक परीक्षण किया. राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में किया गया. एक बयान में कहा गया है, ''इसी के साथ इसरो ने प्रक्षेपण यान की स्वायत्त लैंडिंग के क्षेत्र में सफलता हासिल कर ली.''इसरो ने कहा, ''एलईएक्स के साथ ही पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण के क्षेत्र में भारत अपने लक्ष्य के एक और कदम करीब पहुंच गया.'' दुनिया में पहली बार, एक 'विंग बॉडी' को एक हेलीकॉप्टर की मदद से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाया जाएगा और रनवे पर स्वायत्त लैंडिंग के लिए छोड़ा गया. भारतीय वायुसेना के चिनुक हेलीकॉप्टर के जरिये आरएलवी ने भारतीय समयानुसार सुबह सात बजकर 10 मिनट पर (औसत समुद्र तल से) 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरी. तय मापदंडों तक पहुंचने के बाद मिशन प्रबंधन कंप्यूटर की कमान के आधार पर आरएलवी को बीच हवा में 4.6 किलोमीटर की क्षैतिज दूरी से छोड़ा गया. स्थिति, वेग, ऊंचाई आदि समेत 10 मापदंडों पर नजर रखी गई और इनके पूरा होने पर आरएलवी को छोड़ा गया. आरएलवी को छोड़े जाने की प्रक्रिया स्वायत्त थी. आरएलवी ने एकीकृत नेविगेशन, मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणाली का उपयोग करते हुए नीचे उतरना शुरू किया और उसने भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न सात बजकर 40 मिनट पर स्वायत्त तरीके से लैंडिंग की. स्वायत्त लैंडिंग की प्रक्रिया अंतरिक्ष पुनः प्रवेश यान की लैंडिंग संबंधी सटीक शर्तों के तहत की गई. बयान में कहा गया है, ''आरएलवी एलईएक्स के लिए विकसित समकालीन प्रौद्योगिकियों के अनुकूल ढलना इसरो के अन्य प्रक्षेपण यानों को भी अधिक किफायती बनाता है.'

अपनी पार्टी के लिए घातक साबित होंगे राहुल
साक्षी महाराज ने कांग्रेस को दी सलाह

उन्नाव, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में सांसद साक्षी महाराज ने आज एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बीजेपी के लिए कोई घातक नहीं हो सकता. उल्टा राहुल गांधी कांग्रेस के लिए घातक साबित होंगे. उन्होंने कहा कि राहुल की अभ्रद टिप्पणी से पूरा देश नाराज है. साक्षी महाराज ने आगे कहा कि ओबीसी समाज के डेढ़ सौसे ज्यादा सांसद राहुल से नाराज है. उन्हे देश से क्षमा मांगनी चाहिए. सांसद ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता ने केवल मोदी और ओबीसी समाज का अपमान नहीं किया है. बल्कि पूरे देश का अपमान किया है. उन्होंने कहा अगर समय रहते राहुल माफी नहीं मांगगे तो कांग्रेस को इसके भयंकर परिणाम भुगतने पड़ सकते है. कांग्रेस को जड़ समाप्त करने के लिए ये बयान काफी है. अपनी संसदीय क्षेत्र के 6 विधायकों का जिक्र करते हुए साक्षी ने कहा कि ये सभी विधायक मेरे दिल के करीबी हैं, राजनीति में भले मतभेद हो, लेकिन राजनीति में मजा तब आता है. जब विपक्ष की पार्टी मजबूती से लड़े. भाजपा सांसद ने कहा कि बीजेपी को मानने वाले बड़ी संख्या में लोग है. जनता का मोदी और योगी पर अटूट विश्वास है. मुझे एक इंसान नहीं दिखाई देता जो पीएम और सीएम से नाराज हो. उन्होंने कहा कि हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है. हम वसुदेव कुटुंबकम की राह पर चलने वालों में से है. भारत के अलावा पूरी दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है जो विश्व के कल्याण की बात करें. कोरोना की वैक्सीन का जिक्र करते हुए सांसद ने कहा कि सबसे पहले हमने वैक्सीन बनाई है,

धर्म परिवर्तन: जब तक तू धर्म नहीं बदलेगी हम तेरा रेप करेंगे
हिंदू युवती पर मुस्लिम पति और जेठ के अत्याचार

इंदौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के देपालपुर में एक हिंदू युवती द्वारा मुस्लिम धर्म अपनाने से मना करने पर पति और जेठ दोनों ने उसका रेप किया। युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे प्रेम जाल में फंसाकर शादी की गई और शादी के बाद से ही परिजन जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। पीड़िता ने पित और जेठ पर रेप का केस भी दर्ज कराया है। पीड़िता ने पति पर यह भी आरोप लगाया है कि बिना बताए ही पित ने उसके आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर दी और नाम बदल दिया।

पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने पुलिस से कहा कि इरशाद ने सात साल पहले शक्तिसिंह बताकर मुझे अपने जाल में फंसाया था। हम दोनों ने जब लव मैरिज कल ली तब उसने अपना असली नाम इरशाद बताया। वह पेशे से ड्राइवर है। नवंबर 2016 में जब वह 17 साल की थी तो उसने

इरशाद से शादी कर ली थी। शादी के बाद उसे एक बेटा ओर बेटी है। दो महीने पहले फरवरी से वह मुझे हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए जबरदस्ती कर रहा है। जब मैं बहुत अधिक परेशान हो गई तो मैंने यह बात अपने जेठ मुकीम को बताई तो उसने भी पति इरशाद का ही साथ दिया। वह कहने लगे की तू तो नीच जाति की है, मुस्लिम धर्म अपना ले। इसके बाद जेठ मुझ पर बुरी नजर भी रखने लगे। जब मैंने मना किया तो मेरे साथ रेप किया। इसके बाद पित और जेठ दोनों ने कई बार मिलकर मेरा रेप किया। इसके बाद मैंने परिवार के अन्य सदस्यों को भी इस मामले की जानकारी दी लेकिन किसी ने मेरी मदद नहीं की। दोनों भाई इरशाद और मुकीम मुझे जान से मारने की धमकी देने लगे और बोले कि तू जब तक मुसलमान नहीं बनेगी तब तक हम दोनों भाई तेरे साथ ऐसे ही रेप करेंगे। इसके बाद मैं उन दोनों से परेशान होकर महू से अपने बच्चों को लेकर देपालपुर अपने मायके आ गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह खंडवा में रहती है लेकिन शादी के बाद से महू में रह रही थी। गौतमपुरा थाना प्रभारी संगीता सोलंकी ने बताया कि 24 साल की युवती की शिकायत पर उसके पति इरशाद ओर जेठ मुकीम के खिलाफ 376, 376 (2) (एन), 506, 34 भादवि 3(2) (5) एससीएसटी एक्ट एवं 3/5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत केस दर्ज किया गया है।

पीड़िता ने जब पूरी बात अपने परिवार को बताई तब उसके परिजन ने हिंदूवादी संगठन के रमेश जाट को मामले की जानकारी दी। उन्होंने युवती के दस्तावेज देखे तो पता चला कि दोनों भाइयों ने जन्म तारीख से जुड़े दस्तावेजों में भी हेरफेर कर दिया था। युवती का नाम बदलकर मुस्लिम कर दिया गया था। पीड़िता ने जाली दस्तावेजों को लेकर भी शिकायत दर्ज करवाई है।

भारत में अवैध रूप से रह रहे थे विदेशी नागरिक
दिल्ली के द्वारका से पकड़े गए 28 लोग; अब तक 82 डिपोर्ट

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में अवैध रूप से रह रहे 82 विदेशियों को इस साल डिपोर्ट किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे कुल 28 विदेशियों को मार्च महीने में नई दिल्ली के द्वारका क्षेत्र से डिपोर्ट किया गया है। इस साल ऐसे मामलों की कुल संख्या 82 हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022 में कुल 437 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि ये लोग वैध वीजा के बिना भारत में अधिक समय तक रुके हुए थे। उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारियों (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उन्हें डिपोर्ट करने का आदेश दिया। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें हिरासत केंद्र भेजा गया है। एक अधिकारी ने कहा कि टीमें 28 विदेशी नागरिकों को पकड़ने में सफल रही हैं। अधिकारी ने कहा इस साल अब तक कुल 82 विदेशी नागरिकों को देश से डिपोर्ट किया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि मार्च महीने में द्वारका जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर कार्रवाई जारी रखते हुए अपराधियों को पकड़ने के लिए डीसीपी द्वारका की निगरानी में एएटीएस, एंटी-नारकोटिक्स सेल और मोहन गार्डन पुलिस टीमों का गठन किया गया था। अधिकारी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान टीमों ने द्वारका क्षेत्र से वैध वीजा के बिना भारत में अधिक समय तक रहने वाले विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए कार्रवाई की है और उन्हें हिरासत केंद्र भेजा गया है।

आदमखोर हुए वनराज
उमरिया में रिश्तेदारी में आए युवक की टाइगर के हमले से मौत, अब तक कई जाने ले चुके हैं बाघ

उमरिया, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अपने बाघों के लिए देशभर में प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व इन दिनों बाघों के आदमखोर होने के चलते सुर्खियों में है। हाल ही में फिर एक युवक को बाघ ने अपना शिकार बनाया और उसे मौत के घाट उतार दिया। दरअसल युवक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मानपुर रेंज में रिश्तेदारी में आया था। सुबह के वक्त युवक शौच के लिए मानपुर बफर जोन के मझखेता बीट के कुंभई पीएफ 333 में गया हुआ था। तभी बाघ ने अचानक झाड़ियों से निकलकर झपट्टा मारा और युवक को मौत के घाट उतार दिया। बाघ के हमले में बिजौरी गांव निवासी युवक अनुज की सुबह पांच बजे मौत हो गई। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर वन परिक्षेत्र अधिकारी मानपुर मुकेश अहिरवार और वनरक्षक के साथ उनकी पूरी टीम मौके पर पहुंची।

एमके स्टालिन की डीएमके के नेतृत्व में विपक्ष के शीर्ष नेताओं की आज दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कई पार्टियां विपक्ष को एकजुट करने में लगी है. कुछ ऐसी ही कवायद एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके की अगुआई में भी होने जा रही है. विपक्षी एकता के प्रदर्शन के लिए सोमवार को दिल्ली में सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कई गैर-बीजेपी नेता शामिल होंगे. सम्मेलन में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव शामिल होने जा रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि तीन अन्य प्रधान मंत्री उम्मीदवार अपने राज्यों के बाहर अपनी पार्टी का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भी अपने प्रतिनिधियों को हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑनलाइन) में भाग लेने के लिए भेजने की योजना बनाई है. वहीं ऑफलाइन बैठक में डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अध्यक्षीय भाषण देंगे. तृणमूल कांग्रेस ने अपने सांसद डेरेक ओ ब्रायन को, आप ने सांसद संजय सिंह को और बीआरएस ने अपने सांसद डॉ. केशव राव को भेजा है. लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता की दिशा में डीएमके का यह दूसरा ऐसा प्रयास है. हाल ही में, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, और कुछ अन्य लोग स्टालिन के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक रैली में शामिल हुए. हालांकि इसे बीजेपी के खिलाफ एक मजबूत गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय भूमिका निभाने के स्टालिन के कदम के रूप में देखा जा रहा है, महासंघ के संयोजक डीएमके सांसद पी विल्सन इसके लिए किसी भी राजनीतिक मकसद से इनकार करते हैं. उन्होंने एनडीटीवी से कहा, यह पूरे भारत में सामाजिक न्याय आंदोलन को आगे ले जाने और हर किसी के लिए हर चीज के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए है.

गैंगरेप और हत्या के सभी 26 आरोपी बरी

सूरत, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात की एक कोर्ट ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान गैंगरेप और हत्या के सभी 26 आरोपियों को बरी कर दिया है. सभी आरोपी कलोल में अलग-अलग घटनाओं अल्पसंख्यक समुदाय के 13 से ज्यादा लोगों की हत्या और गैंगरेप में शामिल थे. कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि 20 साल पुराने मामले में सबूत के अभाव में इन लोगों को बरी किया जा रहा है. इस मामले में कुल 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया था. मामले के लंबित रहने के दौरान इनमें से 13 लोगों की मौत हो गई थी और उनके खिलाफ मुकदमा समाप्त कर दिया गया. वहीं, बचे हुए 26 लोगों को भी अब बरी कर दिया गया है. पंचमहल जिले के हलोल के एडिशनल सेशन जज लीलाभाई चुडासमा की कोर्ट ने शुक्रवार (31 मार्च) को सबूतों के अभाव में हत्या, गैंगरेप और दंगा करने के अपराध में इन लोगों को बरी किया.

एलजीबीटीक्यू: समलैंगिक विवाह का जमीयत ने किया विरोध
एससी में कहा- 'यह पारिवारिक व्यवस्था पर हमला है'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। एलजीबीटीक्यू समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के अनुरोध संबंधी याचिकाओं का विरोध करते हुए मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. संगठन ने कहा है कि यह पारिवारिक व्यवस्था पर हमला है और सभी पर्सनल लॉ का पूरी तरह से उल्लंघन है. शीर्ष अदालत के सामने पेंडिंग याचिकाओं में हस्तक्षेप का अनुरोध करते हुए संगठन ने हिंदू परंपराओं का भी हवाला देते हुए कहा कि हिंदुओं में विवाह का उद्देश्य केवल भौतिक सुख या संतानोत्पत्ति नहीं बल्कि आध्यात्मिक उन्नति है. जमीयत ने कहा कि यह हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक है. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने के अनुरोध वाली याचिकाओं को 13 मार्च को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था और कहा था कि यह मुद्दा बुनियादी महत्व का है. प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि यह मुद्दा एक ओर संवैधानिक अधिकारों और दूसरी ओर विशेष विवाह अधिनियम सहित विशेष विधायी अधिनियमों से संबंधित है. इसका एक-दूसरे पर प्रभाव है. वहीं जमीयत ने आगे कहा कि, समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के अनुरोध संबंधी याचिकाओं के जरिए समलैंगिक विवाह की अवधारणा पेश की है, जिससे विवाह की मूल अवधारणा कमजोर हो सकती है. समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के अनुरोध वाली याचिकाओं का केंद्र ने भी सुप्रीम कोर्ट के सामने विरोध किया है.

2018 में एससी ने सुनाया था बड़ा फैसला

याचिकाकर्ताओं ने कहना है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाली आईपीसी की धारा 377 के एक हिस्से को रद्द कर दिया था. इसके चलते दो वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बने समलैंगिक संबंध को अब अपराध नहीं माना जाता. ऐसे में साथ रहने की इच्छा रखने वाले समलैंगिक जोड़ों को कानूनन शादी की भी अनुमति मिलनी चाहिए.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 3 अप्रैल, 2023 3

सुविचार

गुस्से में कभी गलत मत बोलो, मूड तो ठीक हो ही जाता है, पर बोली हुई बातें वापस नही आती!

राज्य में बढी गर्मी, रविवार को पारा 44.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अप्रैल में सिर्फ दो दिन, हैदराबाद और तेलंगानामें कहीं और पारा अत्यधिक स्तर तक बढ़ गया है। रविवार को, तेलंगानास्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी (टीएसडीपीएस)के मौसम स्टेशनों ने बहादुरपुराहैदराबाद में इस गर्मी के मौसम का शायद इस दिन का उच्चतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

तेलंगाना के कई जिलों में भी पारा 44 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर गया है। बंटवारम मंडल के विकाराबाद में, आज दिन का अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि निजामाबाद के कई स्थानों पर तापमान 43 और 44.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। बहादुरपुरा के अलावा, रविवार को अधिकांश जीएचएमसी क्षेत्रों में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहा। हैदराबाद में जिन क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया उनमें खैरताबाद, सैदाबाद और राजेंद्रनगरशामिल हैं, जबकिउप्पलऔरबोराबंदसहित अन्य क्षेत्रों में 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिलों में, विकाराबाद में रविवार को अधिकतम 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद निज़ामाबादके कई हिस्सों में दिन का तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस और 44.7 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वानापार्थी, नलगोंडा, नागरकुर्नूलऔरजोगुलम्बागडवाल जिलों में दिन के समय तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया।

आने वाले दिनों में तेलंगाना में राहत की संभावना

हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में लोग शुष्क और गर्म मौसम की स्थिति से कुछ राहत की उम्मीद कर सकते हैं, जो पिछले कुछ दिनों से बनी हुई है। रविवार को,भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद ने 7 अप्रैल तक न केवल हैदराबाद में बल्कि पूरे तेलंगाना में गरज और बिजली चमकने का संकेत देने वाला एक पीला अलर्ट जारी किया।

जू पार्क में जानवरों को गर्मी से बचाने हेतु किये गये उपाय

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों के आगमन और शहर में तापमान बढ़ने के साथ, नेहरू प्राणी उद्यानके अधिकारियों ने गर्मी के मौसम में जानवरों में तनाव और स्ट्रोक से बचने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है। रात के घरों की छत को कवर करने से लेकर एवियरी और मैकॉ पशु घरों सहित, कम से कम 6 इंच चौड़ाई की 1000 किलोग्राम से अधिक तुंगा घास के साथ, सभी शाकाहारी बाड़ों के लिए अस्थायी छाया आश्रयों की व्यवस्था करने के लिए, अधिकारी जानवरों को ठंडा रखने के लिए कई एहतियाती उपाय कर रहे हैं।

बाड़े और इसके आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा और ठंडा रखने के लिए चिड़ियाघर के लॉन और बगीचों में लगातार पानी डाला जा रहा है। 200 से अधिक स्प्रिंकलर और छोटे रेन गन सभी बाड़ों में लगाए गए थे, विशेष रूप से शाकाहारियों के बाड़ों में।

स्प्रिंकलर के अलावा, रेप्टाइल हाउस, न्यू मैकॉ, और सभी तीतर और एवियरी क्षेत्रों में 1000 से अधिक फॉगर्स की व्यवस्था की गई है। ये बंदरों, मांसाहारियों और सर्वाहारी जीवों के बाड़ों में स्थापित 80 एयर-कूलरों के अतिरिक्त हैं। साथ ही निशाचर पशुशाला और शावक पालन केंद्र में एयरकंडीशनर और एग्जॉस्ट पंखे लगाए गए हैं। निर्जलीकरण से बचने और पशुओं में गर्मी के तनाव से बचने के लिए, पर्याप्त मात्रा में ठंडे पानी के साथ-साथ ग्लूकोन-डी, विटामिन-सी और बी-कांप्लेक्स सप्लीमेंट्स, स्ट्रेस वेल और थर्मो केयर तरल पदार्थ समय-समय पर दिए जा रहे हैं।

जानवरों को शीतलता प्रदान करने के अन्य कदमों में बत्तख तालाब और सारस तालाब क्षेत्र में छाया जाल प्रदान करना, सभी बाड़ों को 'कश्कश थाती' प्रदान करना, और मौसमी फलों जैसे तरबूज, कस्तूरी, और खट्टे किस्म के फलों को बंदरों, बंदरों, वानरों को आपूर्ति करना शामिल है। पक्षी, और भालू।

क्यूरेटर प्रशांत बाजीराव पाटिल ने ग्रीष्मकालीन मौसमी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और फील्ड स्टाफ को चिड़ियाघर के सभी जानवरों पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया।

गजवेल में 25 को बेरोजगार युवाओं के साथ विशाल जनसभा करेगी कांग्रेस

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने सनसनीखेज टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले के खिलाफ अपने आंदोलन को तेज करने का फैसला किया है। इस महीने की 25 अप्रैल को सीएम केसीआर के गजवेल विधानसभा क्षेत्र में राज्य के बेरोजगार युवाओं के साथ एक विशाल जनसभा करने का फैसला किया है। पार्टी के राज्य प्रभारी माणिक राव ठाकरे की अध्यक्षता में एक विस्तारित टीपीसीसी बैठक के दौरान पार्टी ने विरोध जनसभा आयोजित करने का फैसला किया है। बैठक में राज्य के लोगों को परेशान करने वाले कई मुद्दों पर कार्रवाई के अपने भविष्य के बारे में चर्चा की गई है।

बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि बैठक में पेपर लीक के मुद्दे पर अपने आंदोलन कार्यक्रमों को तेज करने का फैसला किया गया था और कहा कि बेरोजगार जनसभा उसी के हिस्से के रूप में आयोजित की जाएगी। रेड्डी ने स्पष्ट किया कि वे पेपर लीक मामले को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे और उन्होंने अपनी मांग दोहराई कि राज्य के मंत्री केटीआर को प्रश्नपत्र लीक मामले के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हें राज्य कैबिनेट से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ताजा घटनाक्रम में सीएम केसीआर के कैंप कार्यालय में पेपर लीक मामले का एक लिंक सामने आया है। उन्होंने अपनी मांग दोहराई कि या तो यह मामला सीबीआई को सौंप दिया जाए या राज्य के उच्च न्यायालय के एक सिटिंग जज द्वारा जांच की जाए। पेपर लीक मामले में ईडी के अधिकारियों द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईडी ने पार्टी की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया था। आगे बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि वे पेपर लीक मामले और लोकसभा से पार्टी नेता राहुल गांधी की अयोग्यता के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे लोकसभा सचिवालय के फैसले के विरोध में सोमवार को पूरे राज्य में पोस्ट कार्ड आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि मनचेरियल में आठ अप्रैल को सत्याग्रह दीक्षा होगी। रेड्डी ने कहा कि वे इस महीने 8 अप्रैल से 25 अप्रैल तक हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा करेंगे और कहा कि पदयात्रा राज्य के जुक्कल विधानसभा क्षेत्र तक आयोजित की जाएगी।

इस बीच बैठक में कुछ महासचिवों को हटाने का फैसला किया गया है, जो पार्टी की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वे उन सभी महासचिवों को हटा देंगे, जिन्होंने पार्टी की पांच बैठकों को लगातार छोड़ दिया है और कहा कि वे उन्हें हटाने से पहले नोटिस देंगे। उन्होंने सोचा कि पार्टी में महासचिव क्यों हों, जो इसके लिए काम नहीं कर रहे हैं?

जनहितैषी योजनाओं को महत्व दिया जाए : वेंकैया नायुडू

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू ने आज कहा कि आकर्षक योजनाओं के बजाय जनहितैषी योजनाओं का महत्व बढ़ाने की जरूरत है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने शहर के यशोदा अस्पतालों के साथ स्वर्ण भारत ट्रस्ट द्वारा शहर में आयोजित एक मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणी की। प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म अभिनेता ब्रह्मानंदम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, वेंकैया नायडू ने कहा कि देश के लोगों के इस रवैये को बदलने की जरूरत है कि उन्हें सब कुछ मुफ्त मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी धन का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रावधान को बढ़ाने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच के अंतर को मिटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान और कौशल हासिल करने से ही देश से गरीबी दूर होगी। पर्यावरण की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए नायडू ने कहा कि देश और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की समस्या के कारण मौसम की चरम स्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में बदलाव का असर देश के कृषि क्षेत्र पर भी पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए भारतीय खान-पान का पालन करने का आह्वान किया।

एसएससी परीक्षा आज से

छात्रों को केंद्र में प्रवेश के लिए मिलेगा 5 मिनट का अधिक समय

फाइल फोटो

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार से शुरू हो रही एसएससी पब्लिक परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को केंद्र में प्रवेश करने के लिए पांच मिनट का समय दिया जाएगा। सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाली परीक्षा के लिए, छात्रों को सुबह 8.30 बजे से केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा, जिसमें अंतिम प्रवेश सुबह 9.35 बजे होगा। सभी उम्मीदवारों को परीक्षा समाप्त होने तक यानी दोपहर 12.30 बजे तक हॉल में रहना होगा। जिन उम्मीदवारों ने पहली भाषा (समग्र पाठ्यक्रम) का विकल्प चुना है और विज्ञान विषय के लिए उपस्थित होने वालों का परीक्षा समय सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.50 बजे तक होगा। 2,49,747 लड़कों और 2,44,873 लड़कियों सहित सभी 4,94,620 छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया, जो 11 के बजाय छह पेपर के लिए आयोजित किए जाएंगे। राज्य भर में कुल 2,652 केंद्र स्थापित किए गए हैं और 144 उड़न दस्ते होंगे। परीक्षा पर नजर रखने की जिम्मेदारी स्कूल शिक्षा विभाग ने केंद्रों में सीसीटीवी निगरानी कैमरे लगाए हैं।

सभी विषयों के ऑब्जेक्टिव पेपर (पार्ट-बी) का उत्तर अंतिम आधे घंटे में ही देना होता है। तृतीय भाषा का बिट पेपर (पार्ट-बी) पार्ट-ए के साथ जारी किया जाएगा और छात्रों को प्रश्नपत्र पर ही प्रश्नों का उत्तर देना होगा और उसे पार्ट-ए की उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न करना होगा। परीक्षाएं 13 अप्रैल को समाप्त होंगी।

श्री सरस्वती विद्या पीठम के स्वर्ण जयंती समारोह का भव्य आयोजन

गौलीपुरा स्थित मित्र कल्ब में श्री सरस्वती विद्या पीठम के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी, अखिल भारतीय वैश्य फेडरेशन अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. गिरीश संघी तथा दक्षिण अंचल डीसीपी साई चैतन्य का सम्मान किये जाने का दृश्य।

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के पुराने शहर गौलीपुरा स्थित मित्र कल्ब में श्री सरस्वती विद्या पीठम के स्वर्ण जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी, अखिल भारतीय वैश्य फेडरेशन अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. गिरीश संघी तथा दक्षिण अंचल डीसीपी साई चैतन्य उपस्थित रहे। इस दौरान पाठशाला कमेटी की ओर से उनका शाल ओढाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पाठशाला छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

इस शुभावसर पर जिन गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई उनमें पेडीलर्स साइकल कंपनी डाइरेक्टर प्रदीप शाह, तेलंगाना पूर्व विद्यार्थी संगठन अध्यक्ष हरिस्मरण रेड्डी, अमृता चिट इंडिया लिमिटेड प्रतिनिधि विशाल जैन, गौलीपूरा डिवीजन पार्षद आले भाग्यलक्ष्मी, पाठशाला अध्यक्ष विजय विठ्ठल दास, पाठशाला सचिव सी. रूपराज, पाठशाला प्राचार्या सरिता सहित अन्य अधिकारीगण शामिल हैं।

आवारा कुत्तों के हमले में 35 भेड़ों की मौत

राजन्ना-सिरसिला, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्तबाद मंडल के गुडूर गांव में आवारा कुत्तों के हमले में 35 भेड़ें मारी गईं। नामापुर निवासी चरवाहा चित्तवेनी नरसैय्या अपनी भेड़ों को शनिवार की रात गुदुर के बाहरी इलाके में स्थित पशुशाला में छोड़ गया था. रविवार सुबह जब वह पशुशाला गए तो 35 भेड़ें मृत अवस्था में मिलीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक रात में आवारा कुत्तों के झुंड ने भेड़ों के झुंड पर हमला कर भेड़ों को मार डाला. मालिक नरसैय्या ने सरकार से सहयोग मांगा है।

तत्कालीन आदिलाबाद में 37,041 छात्र एसएससी परीक्षा में शामिल होंगे

एसएससी परीक्षा केंद्र का जायजा लेते हुए जिलाधीश व अन्य अधिकारी।

आदिलाबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 3 से 13 अप्रैल तक तत्कालीन आदिलाबाद जिले में वार्षिक एसएससी परीक्षा आयोजित करने के लिए चरण निर्धारित किया गया है। आदिलाबाद, मनचेरियल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद के चार जिलों में व्यवस्थित 196 केंद्रों पर कुल 37,041 छात्र परीक्षाओं में शामिल होंगे।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आदिलाबाद जिले में 10,697 छात्र परीक्षा देंगे, जबकि मंचेरियल जिले के 10,125 छात्र और निर्मल जिले में 9,078 छात्र परीक्षा देंगे। कुमराम भीम आसिफाबाद में 7,141 छात्र परीक्षा देंगे। परीक्षा कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चारों जिलों में भीषण लू की स्थिति को देखते हुए पीने के पानी की सुविधा, पंखे और ओरल रिहाइड्रेशन नमक पाउच की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा आपात स्थिति को संभालने के लिए केंद्रों पर या तो सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) या आशा कार्यकर्ता तैनात की जाएंगी।

देश अघोषित आपातकाल देख रहा है : कुनमनेनी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आज कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार के शासन में देश अघोषित आपातकाल का सामना कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में भाजपा विरोधी लहरें चल रही हैं। यह कहते हुए कि आने वाले दिनों में भाजपा विधायक सीटों की संख्या में कमी आएगी, उन्होंने कहा कि आगामी कर्नाटक राज्य चुनावों में सीटों में और कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनावों के बाद नई सरकार द्वारा की जाने वाली जांच के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी का भ्रष्टाचार, मोदी और अडानी का जुड़ाव, लेन-देन के मुद्दे सामने आएंगे और भविष्यवाणी की गई थी कि मोदी इसके बाद जेल जाएंगे। जांच। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों से पार्टी की भाजपा को हटाओ बनाने का आह्वान किया; देश को बचाओ राष्ट्रव्यापी घर-घर अभियान 14 अप्रैल से 14 मई तक आयोजित होने वाला है। राव ने कहा कि उनकी यात्रा केंद्र में भाजपा के शासन को समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनी यात्रा के दौरान तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी द्वारा की गई गलतियों का भी पर्दाफाश करेंगे। राज्य पार्टी मुख्यालय में उनकी यात्रा के वॉल पोस्टर का अनावरण करने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने ये टिप्पणियां कीं।

इस अवसर पर बोलते हुए, राव ने कहा कि देश भर में कुल 4128 विधायक सीटों में से भाजपा के पास केवल 664 विधायक हैं और कहा कि भाजपा विधायकों की कुल संख्या कुल विधायकों का 15 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि देश के 16 राज्यों में सहयोगी दलों के समर्थन से भाजपा सत्ता में है, वहीं देश के 14 राज्यों में गैर-भाजपा दल सत्ता में हैं। उन्होंने पीएम से विदेशों में भारतीयों द्वारा जमा किए गए सभी काले धन पर एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने पीएम से देश के बैंकों से धोखाधड़ी करने वाले सभी लोगों की संपत्ति कुर्क करने की भी मांग की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PRIYANKA DILIP SHAH, R/o, 3-6-128/1,Hyderguda,Himayath Nagar, Hyd Changed My Name As PRIYANKA SUGANDHI W/o. AKASH SUGANDHI.

I, Chandra Kala Pal, Spouse of 14683101X NK Subhash Pal, R/o:Saraiya, Saidupur, Chandauli, Uttar Pradesh-232103 – have changed my name from Chandra Kala Pal to CHANDRAKALA DEVI Vide Affidavit dt.01/04/23, duly signed by P.Raveendranath, Adv & Notary.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रेवंत ने ट्विटर पर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज अपने ट्विटर हैंडल पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना की। उन्होंने मजाक उड़ाया कि तेलंगाना में कोई नेता नहीं है, जो लोगों को झूठ को सच मान सके।

तेलंगाना में किसानों की मौत नहीं होने के मुख्यमंत्री के दावों के मद्देनजर राज्य में किसानों की आत्महत्या के मुद्दे को उठाते हुए, उन्होंने केसीआर को रायथु स्वराज्य के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस मुद्दे पर बहस के लिए आने की चुनौती दी। वेदिका एनजीओ ने अपने दावों को साबित करने के लिए कि तेलंगाना राज्य में किसानों की कोई मौत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकांश किसान केसीआर सिद्दीपेट के पैतृक जिले में मारे गए और कहा कि एनसीआरबी के पास इसके बारे में पूरा डेटा है। उन्होंने सीएम के दावों पर कड़ी आपत्ति जताई और उनसे कहा कि उन्हें ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर झूठ नहीं बोलना चाहिए।

महाराष्ट्र किसान संघ के नेताओं ने सिंचाई परियोजनाओं का दौरा किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र किसान संघ के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सिद्दीपेट जिले के गजवेल विधानसभा क्षेत्र में कोंडापोचम्मा और मल्लन्ना सागर परियोजनाओं और अन्य स्थानों का दौरा किया। किसान संघ के नेताओं ने अपने दौरे के दौरान मिशन भागीरथ कार्यक्रम और कार्यक्रम के तहत विस्तारित पेयजल आपूर्ति कनेक्शनों का निरीक्षण किया. उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का प्रतिनिधित्व करने वाले गजवेल विधानसभा क्षेत्र में रायथू वैदिक और एकीकृत सब्जी और मांस बाजारों का भी निरीक्षण किया।

इस बीच, किसान यूनियन के नेताओं ने लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के गर्मियों में भी लबालब होने पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बातचीत की और कृषि के लिए राज्य सरकार की सुविधाओं के बारे में पूछताछ की, जिसमें रायथु बंधु रायथु बीमा और मुफ्त बिजली आपूर्ति शामिल है।

जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बीते लंबे वक्त से कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी कर रहे है। लेकिन पार्टी के सांसदों की तस्वीरें कुछ अलग ही सियासी संकेत दे रही हैं। जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? जया बच्चन, राम गोपाल यादव समेत कुछ और सपा सांसद की तस्वीरें अलग संदेश दे रही हैं। इन्हें कई मौकों पर कांग्रेस सांसदों के साथ देखा जा रहा है। जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? दरअसल, अखिलेश यादव ने कांग्रेस का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने अमेठी से प्रत्याशी उतारने का भी संकेत दिया है। लेकिन सपा सांसदों की तस्वीरें कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही हैं। जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? बीते दिनों में कांग्रेस ने संसद में अडाणी के मामले को लेकर जेपीसी बनाने की मांग हो रही है। कांग्रेस की इस मांग पर सपा सांसद हर वक्त साथ दिखाई दे रहे हैं। जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? जबकि इधर अखिलेश यादव कांग्रेस पर निशाना जरूर साध रहे हैं लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व में हो रही विपक्ष की हर बैठक में सपा सांसद भी शामिल हो रहे हैं।

जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? एक ओर अखिलेश यादव कई मौकों पर कह चुके हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले सपा अब किसी और दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी, जो दल साथ हैं उनके साथ पार्टी काम चुनाव लड़ेगी। जया बच्चन और राम गोपाल यादव की ये तस्वीरें सपा में दे रही बड़ा संकेत, क्या हैं इसके सियासी मायने? एक ओर अखिलेश यादव कई मौकों पर कह चुके हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले सपा अब किसी और दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी, जो दल साथ हैं उनके साथ पार्टी काम चुनाव लड़ेगी।

'गधी के दूध का साबुन औरत को रखता है सुंदर'

सांसद मेनका गांधी ने कहा- दिल्ली में 500 रुपए में मिलता है

सुलतानपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। चौपाल को संबोधित करते हुए सांसद कह रही हैं कि, गधी के दूध का साबुन औरत के शरीर को हमेशा सुंदर रखता है। एक बहुत मशहूर विदेशी रानी होती थी, 'क्लियोपैट्रा' वो गधी के दूध में नहाती थी। दिल्ली में गधी के दूध का साबुन 500 रुपए में एक बिक रहे हैं। क्यों नहीं हम लोग बकरे के दूध का साबुन बनाए। गधी के दूध का साबुन बनाए। बल्दीराय में शनिवार को 4 बजे एक कार्यक्रम का आयोजन था। जहां सांसद मेनका गांधी राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत स्थापित उद्यमिता प्रेरणा महिला लघु उद्योग में पोषाहार बनाने की यूनिट का शुभारंभ करने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि लद्दाख में एक समूह है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कितने दिन हो गए आप लोगों को गधे देखे हुए। कम हो गए हैं, ख़त्म हो गए हैं। धोबी का काम भी खत्म हो गया है।

लेकिन लद्दाख में लोगों ने गधों से दूध निकालना शुरू किया और गधे के दूध से साबुन बनाया। मेनका गांधी ने कहा कि गधे के दूध का साबुन औरत के शरीर को हमेशा सुंदर रखता है।

मरते वक्त भी आदमी पूरे परिवार को करता है कंगाल

सांसद मेनका गांधी ने कहा कि पेड़ गायब हो रहे हैं। लकड़ी इतनी महंगी हो गई है कि आदमी मरते वक्त भी अपने पूरे परिवार को कंगाल करता है। लकड़ी के लिए 15-20 हजार लगता है, इससे अच्छा है हम गोबर के लंबे कंडे बनाए। उसमें सामग्री खुशबूदार लगा दें। एक ऑर्डर लगा दें कि जो भी मरता है, उसको गोबर के कंडो से हम लोग जला दें। इसमें 1500 से 2000 के रस्म रिवाज आएंगे। आप लोग कंडे बेचोगे तो लाखों लाख के कंडे बिक जाएंगे।

'बकरा पालन-गाय पालन के मैं हूं सख्त खिलाफ'

मेनका गांधी यही नहीं रुकी। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहती आप जानवरों के ऊपर कुछ भी पैसा कमाए। इससे आज तक कोई अमीर नहीं हुआ है, बकरी पाल करके, गाय पाल करके। हमारे पास इतने डॉक्टर नहीं हैं। उसके बाद मेनका गांधी ने कहा, पूरे सुल्तानपुर में 25 लाख लोगों के बीच मुश्किल से 3 पशु डॉक्टर होंगे। कभी-कभी वो भी नहीं। गाय बीमार हो गई, भैंस बीमार हो गया, बकरा बीमार हो गया तो वहीं आपके लाखों रुपए चले जाते हैं।

'जानवर पालन के मैं सख्त खिलाफ'

सांसद ने कहा कि आप लड़कियों को पशु सहायक बनाते हैं। पशु सहायक कितना कर सकते हैं। डॉक्टर को डॉक्टर बनने में 6 साल लगता है। क्या हम दो हफ्ते में पशु सहायक बना सकते हैं। सवाल ही नहीं उठता है। इसीलिए मैं इसके सख्त खिलाफ हूं कि कोई बकरे पालन या गाय पालन में जाय। अब दस साल में कमाओगे और जानवर एक रात में मर जाएगा, और सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे पास एक बहुत गरीब परिवार आया था। वह चार भैंसो पर निर्भर था। रोते-रोत पति और उसकी बीवी आए। कहा कि मेरे चार भैंस किसी ने चोरी कर ली है। अब हम लोग क्या करेंगे। अब उनकी भैंसे कहां से मिलेगी। इसलिए मैं कहती हूं कि स्वयं सहायता समूह बनाए। उसमें ज्यादा फायदा है।

पति नहीं हैवान कहिए हसुआ-बेलन से मारा, फिर खींचते हुए छत पर ले जाकर प्राइवेट पार्ट में डाल दिया रॉड

समस्तीपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। समस्तीपुर में एक पति ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। पहले अपनी पत्नी की जमकर पिटाई की और जब उससे भी उसका मन नहीं भरा तब छत पर ले जाकर उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड डाल दिया। उसकी चीख पुकार सुनकर घर के लोग दौड़ कर जब वहां पहुंचे तब आरोपी पति वहां से फरार हो गया। घटना चकमहेसी थाना क्षेत्र के बेलसंडी डढ़िया गांव की है। पीड़िता का आरोपी पति संतोष दास है। घटना के संबंध में पीड़िता ने बताया कि सुबह में वह खाना बना रही थी। तभी उसका पति संतोष दास उसके पास आया और किसी बात को लेकर उसके साथ मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान संतोष दास ने सब्जी काटने वाला हसुआ से उस पर वार किया। फिल बेलना से उसे पीटने लगा। संतोस दास अपनी पत्नी को पीटते पीटते उसे खींचते हुए घर के छत पर ले गया। जहां पिटाई के बाद महिला के प्राइवेट पार्ट में उसने रॉड डाल दिया।

लखनऊ की बीबीडी यूनिवर्सिटी की 30 से ज्यादा छात्राएं फूड प्वाइजनिंग की शिकार, अस्पताल में भर्ती

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बाबू बनारसी दास यानी बीबीडी यूनिवर्सिटी की 30 से ज्यादा छात्राएं फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गईं। छात्राओं की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया गया। बताया जा रहा है कि हॉस्टल में खाना खाने के बाद छात्राओं की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक, राजधानी लखनऊ की बीबीडी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रहने वाली छात्राएं अचानक देर रात बीमार पड़ गईं। छात्राओं को बीबीडी यूनिवर्सिटी की बस से लोहिया इमरजेंसी अस्पताल ले जाया गया,

बिहार में हिंसा पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सरकार पर लगाए आरोप

कहा- बंगाल के रास्ते पर जा रहा राज्य

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में लगातार हिंसा को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को नीतीश सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब बिहार भी बंगाल के रास्ते पर जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर सीधे निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश के गृह जिला नालंदा और सासाराम की घटना की जानकारी सीएम को नहीं है, उनको इस्तीफा देनी चाहिए।

'हिन्दुओं पर हो रहा है अत्याचार'

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हिंदू अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को चैलेंज करते हुए कहा कि वे बोलते क्यों नहीं, वह केवल मुस्लिमों के सीएम हैं।हिंदू भी उनको वोट करते हैं।उन्होंने कहा कि सासाराम में बम ब्लास्ट हुआ है और अधिकारी तक झूठ बोल रहे हैं।मीडिया

ने भी इसको बेनकाब किया है।

'अधिकारी भी हैं पलटू राम'

गिरिराज सिंह ने रोहतास जिले के अधिकारियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यहां के अधिकारी भी पलटू राम है। उन्होंने आरोप लगाया कि नालंदा में सोची समझी साजिश के तहत हमला कराया गया है। इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नालंदा में दो लोग की मौत हुई है। इससे साबित हो गया है कि सीएम नीतीश कुमार जनता को सुरक्षा देने में विफल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'नीतीश कुमार की प्रशासन पर पकड़ नहीं है इसलिए अगर वे नालंदा को नहीं बचा पाए, वहां के हिंदूओं को नहीं बचा पाए तो क्या नालंदा के हिंदू सब छोड़कर भाग जाए? अगर रामनवमी नालंदा में न मने तो क्या पाकिस्तान, बांग्लादेश मलेशिया में मने।'

बिहार के कुछ जिलों में तनाव

गौरतलब है कि रामनवमी के अवसर पर पहले रोहतास जिले के सासाराम और फिर नालंदा के बिहार शरीफ में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं सामने आई थी। इन दोनों ही स्थानों में दर्जनों लोगों के जख्मी होने के साथ ही, बिहार शरीफ में एक व्यक्ति की मौत की भी खबर है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने वक्त रहते हिंसा पर काबू पाने के साथ ही उपद्रवियों की धरपकड़ भी तेज कर दी है। अब तक बिहार शरीफ से 80 और सासाराम से 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि, बम विस्फोट के बारे में पुलिस ने बताया कि बम विस्फोट में जो लोग घायल हुए हैं वे खुद बम बना रहे थे, तभी दुर्घटना के शिकार हो गए। इस संबंध में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है

बगहा में वज्रपात से किशोरी की मौत, 2 दिन पहले ही मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से हुई थी पास

सोनगढ़वा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बगहा के सोनगढ़वा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक 16 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। किशोरी की पहचान बैद्यनाथ महतो की पुत्री राजनंदिनी के रूप में हुई है। राजनंदिनी अपने खेत से काम करके शनिवार की शाम घर लौट रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गई। आनन-फानन में ग्रामीण और परिजनों द्वारा उसे हरनाटांड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है। बता दें कि शुक्रवार को ही राजनंदनी का मैट्रिक का रिजल्ट आया था। जिसमें वह प्रथम श्रेणी से पास हुई थी।राजनंदनी के पिता बैधनाथ महतो जीविका के लिए बाहर प्रदेश में रहते हैं। राजनंदनी दो भाई बहनों में बड़ी बेटी हीं थी। लिहाजा इकलौते भाई का रो रोकर बुरा हाल है।

सीएम योगी का दांव फिर फेल करेगा विपक्ष की सभी चाल

सपा-बीएसपी और कांग्रेस का एक झटके में खत्म होगा खेल

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता हर दिन बढ़ती जा रही है। इसक गवाही बीते सालों में हुए चुनावों के रिजल्ट में दिखाई देती रही है। अब राज्य में दो सीटों पर उपचुनाव का एलान हो चुका है। जल्द ही राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव का भी एलान होगा। जबकि करीब एक साल बाद लोकसभा चुनाव भी होने वाला है। इन चुनाव को देखते हुए बीजेपी के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ यूपी में बड़ा फैक्टर साबित हो सकते हैं। हालांकि ऐसा पहले भी देखने को मिला है, जब राज्य में बीजेपी के खिलाफ बने तमाम बड़े गठबंधन लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान फेल रहे थे। सबसे पहले 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा का गठबंधन फेल हुआ था। इसके बाद 2019 के

लोकसभा चुनाव में बीएसपी और सपा का गठबंधन फेल हुआ।

क्या है सर्वे के आंकड़ें?

इन दोनों बार सीएम योगी के सामने विपक्ष के हर दांव फेल रहे। सर्वे के आधार पर यूपी फैक्टर के तहत देश का मूड जानने की कोशिश की गई। सर्वे में पूछ गया कि 2022 में बीजेपी की वापसी की वजह क्या है? इसका जवाब देते हुए 41 फीसदी लोगों ने सीएम योगी को बीजेपी के वापसी की वजह बताया। इसके अलावा डबल इंजन सरकार को 14 फीसदी और विकास को 11 फीसदी मत मिले। जब सर्वे में सवाल किया गया कि सीएम के तौर पर किसका कार्यकाल बेहतर है? तब सबसे ज्यादा लोगों ने सीएम योगी को बेहतर माना। सीएम योगी को इस सर्वे में 42 फीसदी वोट मिले। इसके बाद दिवंगत नेता कल्याण सिंह को 17 फीसदी वोट मिले। जबकि मायावती को 15 फीसदी, मुलायम सिंह यादव को 12 फीसदी और अखिलेश यादव को आठ फीसदी वोट मिले। अगर ऐसे देखें तो विपक्षी दल सपा, बीएसपी और कांग्रेस की हर चाल एक झटके में खत्म होती नजर आ रही है।

30 साल बाद मिला न्याय! फर्जी मुकदमे में फंसाने वाले 5 पुलिसकर्मियों को पांच साल की कैद, 59 हजार का अर्थदंड

मीरजापुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अपर सत्र न्यायाधीश वायु नंदन मिश्रा ने फर्जी मुकदमे में निर्दोष व्यक्तियों को मिथ्या आरोप लगाकर फंसाने वाले पांच पुलिसकर्मियों को दोषी पाते हुए उन्हें पांच वर्ष की सजा सुनाई। साथ ही 59 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित भी किया। कहा कि अर्थदंड न जमा करने पर छह-छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदंड की 50 प्रतिशत राशि पीड़ित के परिवार को देने का आदेश दिया। आरोपितों में तत्कालीन निरीक्षक अमरेंद्र कांत सिंह, तत्कालीन आरक्षी राम सिंहासन सिंह, दीनानाथ सिंह, रामअचल ओझा व तत्कालीन आरक्षी चालक दिनेश बहादुर सिंह शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पुलिस ने भोला तिवारी की मां रामपति के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया,

अखिलेश यादव का ये दावा हुआ सच तो खत्म हो जाएगा बीजेपी का सपना, 2024 में आएंगे चौंकाने वाले परिणाम

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ बीजेपी पर अत्याचार और अन्याय करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी उत्तर प्रदेश में हारेगी। वहीं, पलटवार करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि अखिलेश यादव की आत्मा सत्ता पाने के लिए भटक रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने सपा को यूपी से साफ कर दिया है और 2024 के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार आएगी। कानपुर में अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में बीजेपी की सरकार पर जमकर प्रहार किया। यहां जारी एक बयान में यादव ने कहा, ''जनता दुःखी है, लोकसभा में बड़ा परिवर्तन दिखाई देगा और बीजेपी उत्तर प्रदेश में हार जाएगी।''उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार अन्याय कर रही है

और बुलडोजर से कानपुर देहात में मां-बेटी की जान चली गई। सपा नेता ने आरोप लगाया कि कानपुर में ही पुलिस ने बलवंत सिंह की हत्या कर दी और इस परिवार को न्याय नहीं मिला है। बयान के अनुसार, कानपुर देहात में एक अन्य कार्यक्रम में सपा के नेता दिवंगत सुखदेव पाल (मुन्ना पाल) की प्रतिमा के अनावरण के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में स्थायी डीजीपी नहीं है, इसीलिए पुलिस खुलेआम ''अन्याय और भ्रष्टाचार'' कर रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डी.एस। चौहान के सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने 1988 बैच के आईपीएस राजकुमार विश्वकर्मा को कार्यवाहक डीजीपी तैनात किया है जिनकी सेवा अवधि 31 मई, 2023 तक ही बची है। सपा प्रमुख ने कहा, "प्रदेश में जब बदलाव होगा, बीजेपी के भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। सब रिकॉर्ड में है। समय बदलेगा तो भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होगी।" उधर, हरदोई के संडीला में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम की शुरुआत करने पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, ''अखिलेश यादव की आत्मा सत्ता पाने के लिए भटक रही है लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने सपा को यूपी से साफ कर दिया है और 2024 के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार आएगी।''

एक्स बॉयफ्रेंड करता था ब्लैकमेल, युवती ने प्रेमी संग मिलकर उतार दिया मौत के घाट

बस्ती, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में 4 दिन पहले नहर किनारे मिली एक युवक की लाश के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल, युवक की पूर्व प्रेमिका ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ जारी है। मामला दुबौलिया थाना क्षेत्र के कनघूसरा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, 29 मार्च को कनघूसरा गांव में सूखी नहर के पास एक युवक की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिली थी। गांव वालों ने जब लाश को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने बताया कि किसी ने युवक की बेहरहमी से हत्या करके उसे नहर किनारे फेंका था।

मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। फिर पुलिस ने युवक की कॉल डिटेल खंगाली। उसमें पता चला कि युवक की अंतिम बार बात उसकी पूर्व प्रेमिका से हुई थी। पुलिस ने उसकी पूर्व प्रेमिका से पूछताछ की तो वह गोलमोल जवाब देने लगी। इससे उन्हें शक हुआ। सख्ती से पूछताछ में युवक की पूर्व प्रेमिका ने हत्या की बात कबूल कर ली। युवती ने बताया कि मृतक विकास उसका एक्स बॉयफ्रेंड था। विकास के साथ उसके कई बार शारीरिक संबंध भी बने थे। लेकिन उसे नहीं पता था कि विकास उन लम्हों को चुपके से कैमरे में भी कैद करता था। जैसे ही उसे इसकी भनक लगी तो उसने विकास से ब्रेकअप कर लिया।

फिर थोड़े दिन बाद उसका अफेयर गांव में ही रहने वाले कुलविंदर के साथ शुरू हो गया। पूर्व प्रेमिका ने बताया कि जैसे ही इस बात की भनक विकास को लगी तो वह उसे ब्लैकमेल करके दोबारा शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने लगा। विकास कहता था कि अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो तुम्हारे वीडियो और अश्लील कॉल रिकॉर्डिंग वायरल कर दूंगा। तुम्हारे घर वालों को भी वीडियो और कॉल रिकॉर्डिंग भेज दूंगा। इसी बात से परेशान होकर आरोपी प्रेमिका ने प्रेमी कुलविंदर को पूरी बात बताई। फिर दोनों ने विकास को मारने का प्लान बनाया। उन्होंने किसी बहाने से विकास को सूखी नहर के पास मिलने के लिए बुलाया। फिर वहां दोनों ने विकास की गला घोंटकर हत्या कर डाली।

नए क्षेत्रीय अध्यक्ष ने टिकट को लेकर साफ की स्थिति

बोले- कार्यकर्ता आधारित पार्टी है बीजेपी

गोरखपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नए क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने निकाय चुनाव में टिकट को लेकर पार्टी की ओर से बनाई गई रणनीति को साझा किया है। उन्होंने कहा है कि जमीन पर काम करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिया जाएगा, क्योंकि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ताओं की मां और पत्नी को टिकट देने को लेकर भी उन्होंने पार्टी का रुख साफ किया है। कहा है कि चूंकि पार्टी के लिए कार्यकर्ताओं के संघर्ष में मां व पत्नी अप्रत्यक्ष रूप से बराबर की भागीदार होती हैं, ऐसे में पार्टी उन्हें भी कार्यकर्ता की तरह ही सम्मान देती है। ऐसे में जरूरत पड़ी तो पार्टी कार्यकर्ताओं की मां व पत्नी को भी टिकट देने से परहेज नहीं करेगी। टिकट देने पहले उनकी सक्रियता पर एक बार विचार जरूर किया जाएगा।

किसी नेता के बेटे, पत्नी या मां को टिकट मिलना परिवारवाद नहीं

सहजानंद राय स्टेशन रोड स्थित मानस होटल में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी नेता के बेटे, पत्नी या मां को टिकट मिलना परिवारवाद नहीं है। यदि बेटा, मां या पत्नी पार्टी में सक्रिय है तो उनका भी पार्टी पर नेता के बराबर ही हक है। बतौर क्षेत्रीय अध्यक्ष आगे की रणनीति की चर्चा करने पर सहजानंद ने कहा कि पद की कोई रणनीति नहीं होती, रणनीति पार्टी की होती है। मैं पार्टी द्वारा तय की गई हर रणनीति को पूरी क्षमता से धरातल पर उतारने की कोशिश करुंगा।

रिकॉर्ड मत से जीत हासिल करने की जताई उम्मीद

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि निकाय चुनाव में पार्टी रिकार्ड मत से जीत हासिल करेंगी। इसका आधार सुरक्षा व विकास को लेकर सरकार द्वारा किया गया कार्य होगा, जिसे लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव के बाद लोकसभा में भी हम विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर जनता के बीच जाएंगे।

जमीन पर काम कर रहे संगठन के लोग

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संगठन से जुड़े लोग जमीन पर काम कर रहे हैं। हम मोदी और योगी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मार्गदर्शक बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन में पार्टी की रणनीति को धरातल पर लाने के लिए कार्य किया जाएगा। इस दौरान भाजपा नेता रमेश सिंह, डॉ। सत्येंद्र सिन्हा, विश्वजीताशु सिंह आशु, राहुल श्रीवास्तव, नीरज शाही, डॉ। बच्चा पांडेय नवीन आदि मौजूद रहे।

आकांक्षा दुबे केस का एक और सीसी फुटेज आया

उस दिन इस तरह से खुला कमरा नंबर 105 का दरवाजा

वाराणसी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे मामले में एक और वीडियो सामने आया है। ये वीडियो आकांक्षा की मौत के बाद का है जब अभिनेत्री के कमरे का दरवाजा नहीं खुल रहा था तब फिल्म यूनिट के लोगों के कहने पर होटल मैनेजर ने मास्टर की से कमरे का दरवाजा खोला था। बता दें कि शनिवार को भी केस से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फुटेज बीते शनिवार की रात का महमूरगंज स्थित उस क्लब का था जहां वह एक दंपती के साथ पार्टी के लिए गई थी। वीडियो में आकांक्षा झूमते हुए दिखाई दे रही थीं। इसी पार्टी के अगले दिन उनका शव सारनाथ क्षेत्र स्थित होटल के कमरे में मिला था। इससे पहले सारनाथ क्षेत्र स्थित जिस होटल में आकांक्षा ठहरी थीं, उससे संबंधित सीसी फुटेज शुक्रवार को सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत को एक हफ्ता गुजर चुका है और अब तक वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस के हाथ कुछ नहीं लग सका है।

मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस आरोपी भोजपुरी गायक समर सिंह और संजय सिंह की तलाश में जुटी है। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत के मामले में वादा करने के बाद भी सारनाथ थाने की पुलिस नामजद आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार नहीं कर सकी। इससे दुखी आकांक्षा की मां मधु दुबे ने रोते-बिलखते हुए पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन से उनके ऑफिस में कार्रवाई की गुहार लगाई।

पीठ में घुसा चाकू लेकर मोटर साइकिल से अस्पताल पहुंचा शख्स

यवतमाल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के यवतमाल से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यवतमाल से झगड़े का एक वीडियो सामने आया जिसमें एक शख्स की पीठ में चाकू घुंसा हुआ दिख रहा है। बताया जा रहा है कि यहां झगड़े में अचानक से एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया, तभी परिवार के अन्य सदस्य दौड़ते हुए आए और फौरन घायल व्यक्ति को सीधे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। वीडियो में दिख रहा है कि घायल शख्स को चाकू लगी हुई स्थिति में ही परिजन बाइक पर बिठाकर अस्पताल ले गए। जानकारी है कि ये घटना यवतमाल के शिवाजी नगर के लहरा में हुई। चाकू के हमले में घायल युवक का नाम दीक्षित विजय हिरणवड़े है जो रामनगर लहेहरा का रहने वाला है। चाकू लगने के बाद घायल दीक्षित को दोपहिया वाहन से सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि शख्स की पीठ के निचले हिस्से में चाकू फंसा है। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने तुरंत चाकू निकालने के लिए सर्जरी शुरू कर दी और अब घायल दीक्षित खतरे से बाहर है। फिलहाल वीडियो के आधार पर पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है। वहीं इससे पहले भी महाराष्ट्र से चाकू से हमले की एक और घटना सामने आई थी। महाराष्ट्र के जालना जिले में रामनवमी के जुलूस में शामिल दो लोगों ने कथित तौर पर एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि विष्णु सुपारकर का उन दो लोगों से झगड़ा हो गया, जो गुरुवार की रात बड़ी सड़क इलाके से गुजर रहे रामनवमी के जुलूस का हिस्सा थे।

5 अप्रैल तक आंधी-तूफान और तेज बारिश के आसार

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बीती रात तेज बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है. दक्षिण भारत के कई इलाकों में भी जमकर बारिश देखने को मिली. मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक बारिश और आंधी-तूफान का सिलसिला इसी तरह से जारी रहने वाला है. 5 अप्रैल तक तमिलनाडु, केरल, आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक में बारिश के साथ तूफान की संभावना है. वहीं, उत्तर भारत के कई राज्यों में भी इस हफ्ते बारिश से मौसम सुहाना रहने की उम्मीद है. द वेदर चैनल की मेट टीम के अनुसार, एक नया ट्रफ दक्षिण भारत के आंतरिक हिस्सों में है. आने वाले दिनों में इसका असर पूरे क्षेत्र में देखने को मिलेगा. इसी को देखते हुए मौसम विभाग (आईएमडी) ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश की भविष्यवाणी की है. अगले चार दिन तक बारिश का सिलसिला जारी रहने वाला है. चेन्नई में आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने 2 अप्रैल के लिए रानीपेट्टई, वेल्लोर, थिरुवन्नामलाई, तिरुपत्तर, कृष्णागिरि, धर्मपुरी, सलेम, इरोड, नीलगिरी, कोयम्बटूर, थिरुपुर, नामक्कल, करूर, डिंडीगुल और थेनी के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. निवासियों से स्थानीय मौसम की स्थिति को लेकर अलर्ट रहने के लिए कहा गया है. देश की राजधानी दिल्ली में बीते कुछ दिनों से बारिश के कारण मौसम अच्छा बना हुआ है. लोगों को गर्मी से राहत मिली है. दिल्ली के कई इलाकों में पानी भर गया. आईएमडी के नए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में आज (2 अप्रैल) हल्की बारिश या बूंदाबांदी के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है. पूर्वानुमान में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहने की बात कही गई है.

इन राज्यों में भी बारिश के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी हल्की बारिश होने की संभावना है. वहीं, 2 अप्रैल तक असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से भारी बारिश होने का अनुमान है.

आईआईटी मद्रास में पीएचडी छात्र पंखे से लटका मिला

सालभर में सुसाइड का तीसरा केस

चेन्नई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक आईआईटी मद्रास में एक और आत्महत्या का मामला सामने आया है। एक पीएचडी छात्र ने तमिलनाडु के वेलाचेरी में अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मृतक छात्र पश्चिम बंगाल का रहने वाला था और उसकी उम्र 32 साल थी। तमिलनाडु पुलिस ने एक बयान में कहा, 31 मार्च को, मृत छात्र ने एक व्हाट्सएप स्टेटस 'आई एम सॉरी नॉट गुड एनफ' पोस्ट किया। स्थिति को देखकर, उसके दोस्त उसके घर पहुंचे और सचिन को अपने कमरे में लटका पाया। एक एम्बुलेंस को बुलाया गया और लेकिन तब तक वो दम तोड़ चुका था। मामले में आगे की जांच चल रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रायापेट सरकारी अस्पताल भेज दिया है। आईआईटी मद्रास ने एक बयान जारी कर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। मामले में आईआईटी की तरफ से बयान में कहा गया, 31 मार्च 2023 की दोपहर वेलाचेरी, चेन्नई में उनके आवास पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एक पीएचडी रिसर्च स्कॉलर के असामयिक निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। एक अनुकरणीय अकादमिक और शोध रिकॉर्ड वाले छात्र के लिए एक बड़ी क्षति है। इससे पहले 14 मार्च को मद्रास आईआईटी कैंपस में बीटेक तृतीय वर्ष के एक छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश के रहने वाले वैपु पुष्पक श्री साई (20) के रूप में हुई है। कोट्टुरपुरम पुलिस ने मामले पर मामला दर्ज कर लिया है।

भारत में कोविड-19 के 24 घंटे में 3,824 नए मामले

पिछले छह महीने में सबसे ज्यादा, एक्टिव केस 18 हजार के पार

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 3,824 नए मामले सामने आए, जो बीते छह महीने में एक दिन में दर्ज सर्वाधिक नए मामले हैं।

वहीं, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 18,389 पर पहुंच गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के 3,824 नए मरीज मिलने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,22,605 हो गई। वहीं, संक्रमण से पांच और मरीजों के दम तोड़ने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5,30,881 पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान दिल्ली, हरियाणा, केरल और राजस्थान में एक-एक संक्रमित की मौत हुई। इसके अलावा, केरल ने कोविड-19 से जान गंवाने वाले मरीजों के आंकड़ों का पुनर्मिलान करने के बाद मृतकों की सूची में एक और मामला जोड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 18,389 है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.77 प्रतिशत दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण की दैनिक दर 2.87 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 2.24 फीसदी दर्ज की गई है। वहीं, कोविड-19 से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 4,41,73,335 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

जबलपुर, पचमढ़ी, उमरिया में हिली धरती, रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई भूकंप की तीव्रता

जबलपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के तीन जिलों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रविवार को जबलपुर, उमरिया और पचमढ़ी में भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप के झटके सुबह 11 बजे महसूस किए गए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 पूर्व-उत्तर पूर्व में था। यह केंद्र जमीन के अंदर 23 किमी की गहराई पर था। जबलपुर के कुंडम, पनागर, चंदिया, शाहपुरा और उमरिया में भी भूकंप महसूस किया गया। हालांकि फिलहाल भूकंप से जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं है। बता दें, इससे पहले ग्वालियर में भूकंप का झटका दर्ज किया गया था, वहीं,

तीव्रता मापी गई। भूकंप का केंद्र पचमढ़ी से 218 किमी कुछ वक्त पहले इंदौर में भी भूकंप महसूस किया गया था।

विधानसभा चुनाव से पहले भगवामय हुआ कांग्रेस का दफ्तर

पीसीसी में आयोजित धर्म संवाद में शामिल होंगे कमलनाथ

भोपाल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस भी हिंदुत्व के मुद्दे पर पीछे नहीं रहना चाहती। इसी क्रम में कांग्रेस ने हिंदुत्व कार्यक्रम करना शुरू कर दिए है। आज राजधानी भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर धर्म संवाद कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें पीसीसी चीफ कमलनाथ भी शामिल होंगे। पूर्व सीएम कमलनाथ कई बार कह चुके हैं कि कांग्रेस का मुकाबला बीजेपी से नहीं बल्कि उसके संगठन से है। धर्म संवाद कार्यक्रम में प्रदेशभर के मठ, मंदिरों के पुजारी धर्माचार्य शामिल होंगे। भोपाल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में होने वाले धर्म संवाद में मध्य प्रदेश की मठ मंदिरों के सरकारीकरण को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही मंदिरों पर सरकारी अफसरों द्वारा लगाए जा रही बंदिशों को रोकने के लिए भी रणनीति बनाने को लेकर चर्चा होगी। पिछले कई सालों से साधु, संत, पुजारी मंदिर और धार्मिक क्षेत्र के सरकारीकरण का विरोध कर रहे हैं। बता दे एमपी कांग्रेस पुजारी प्रकोष्ठ की ओर से पीसीसी में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रदेशभर के पुजारी मशहूर के महान संत बुलाए गए। राजधानी भोपाल में मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में धर्म संवाद कार्यक्रम को लेकर विशेष तैयारियां की गई है। कार्यालय को भगवा रंग की पट्टी से सजाया गया है। कार्यालय पर भगवा लगाने के सवाल पर मंदिर प्रकोष्ठ की युवा इकाई के अध्यक्ष सुधीर भारती कहते हैं कि पीसीसी पर भगवा क्यों नहीं लगाया जा सकता। हम भी हिंदू हैं। हमारा भी धर्म अधिकार है। धर्म पर किसी ने कॉपीराइट नहीं कर रखा है। मंदिरों पर कब्जा किया जा रहा है मंदिरों से लगी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। हमारी सरकार बनने के बाद इस ओर ध्यान दिया जाएगा। बता दे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ भी कई बार कह चुके हैं कि भगवा रंग किसी पार्टी की बपौती नहीं है और इस पर कांग्रेस और पूरे देश का समान अधिकार है।

सांसद लालवानी बोले- 35 साल पहले बावड़ी पर स्लैब डाली, तब तो मैं राजनीति में भी नहीं था

इंदौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बेलेश्वर मंदिर बावड़ी हादसे के मामले में सांसद लालवानी ने चुप्पी तोड़कर खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने मीडिया से कहा कि मंदिर की बावड़ी पर स्लैब 35 साल पहले डाली गई है, तब तो मैं राजनीति मैं भी नहीं आया था। फिर मैं कैसे राजनीतिक सरंक्षण दे सकता हुं। कांग्रेसी यह सिद्ध कर दें कि मैने राजनीतिक सरंक्षण देते हुए अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाया है तो मैं दोषी हुं। कांग्रेस ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीति कर रही है। यह राजनीति करने का समय नहीं है। हमें पीड़ित परिवारों के साथ खड़े रहना चाहिए। घटना के दूसरे दिन भोपाल के कार्यक्रम में शामिल होने पर सांसद लालवानी ने कहा कि जिस दिन घटना हुई, मैं वहां था। दूसरे दिन जब मुख्यमंत्री घटनास्थल पहुंचे तब भी मैं उनके साथ था। उसके बाद भोपाल के कार्यक्रम में शामिल होने गया। वहां भी कार्यक्रम शुरू होने से पहले हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। मैं तो घटनास्थल पर 12 घंटे था, कांग्रेसी 12 मिनट के लिए भी नहीं आए। मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े सवाल पर लालवानी ने कहा कि ट्रस्ट के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रहे है। इसी नाते से मेरा उसने परिचय है। मैने कभी उनके कहने पर राजनीतिक दबाव अफसरों पर नहीं बनाया। आपको बता दे कि कांग्रेस ने अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं होने देने का आरोप सांसद लालवानी पर लगाया था। शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ता उनके निवास पर कफन भेंट करने भी पहुंचे थे। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया था।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर बोले

जब दूसरे अल्पसंख्यक 40-40 बच्चे पैदा कर रहे हैं, तो हिंदू 5-6 बच्चे पैदा क्यों नहीं कर सकते

भोपाल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बेबाक तरीके से अपनी बात कहने के लिए मशहूर कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून जब तक नहीं आता, तब तक हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए। वे बोले-अल्पसंख्यक 4 पत्नियों से 40 बच्चे पैदा कर सकते हैं तो हिंदुओं को भी जागना होगा।

हम दो हमारे दो और 40 बच्चों का अंतर नहीं चलेगा। जब उनसे पूछा गया कि वे महिलाओं को बच्चा पैदा करने वाले मशीन समझते हैं तो उनका कहना था कि जब हिंदू महिलाएं एक या दो बच्चे पैदा कर सकती हैं तो 5-6 में क्या बुराई है। ठाकुर रविवार से टीटी नगर दशहरा मैदान में भागवत कथा सुनाएंगे।

भारत हिंदू राष्ट्र नहीं रहा तो धर्मनिरपेक्ष देश भी नहीं रहेगा

देश के 9 राज्य हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। उनके लिए कोई सामने नहीं आ रहा। हिंदू बहन-बेटियों की स्थिति पर सब मौन है। राजनेता, मीडिया और सरकारें चुप हैं। इसलिए कहा कि हिंदू राष्ट्र ही नहीं रहेगा तो धर्मनिरपेक्षता कहां होगी। लव जिहाद सुनियोजित तरीके से देश के अंदर चल रहा है। युवती की फ्रिज में रखी लाश को लव कहेंगे क्या? ये तो सोची समझी रणनीति है। दूसरा अंतर-धर्म विवाह यानी कि सनातनी बच्चियों की शादी दूसरे धर्म में नहीं होना चाहिए। इस पर एक कानून बने। ताकि हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित रहे। समान नागरिक संहिता आखिरकार मुसलमान पर क्यों नहीं लागू होती। हम जिस देश में रहते हैं तो हमें वहां के कानून का पालन करना पड़ेगा।

जैसे वक्फ बोर्ड की स्थापना हुई है, वैसे ही सनातनी बोर्ड की स्थापना होनी चाहिए। धर्माचार्य ही वहां पर पदाधिकारी हों। मुझे कोई ये बताएं कि सरकार ने आजादी के बाद कोई मस्जिद, चर्च को अपने कब्जे में क्यों नहीं लिया? देश में रामायण जलाई जा रही है, कोई राम के ऊपर संदेह कर रहा है। शिवलिंग पर अभद्र टिप्पणी की जा रही है। यदि ईशनिंदा पर कानून बनेगा तो कोई भी व्यक्ति हमारे देवी-देवताओं और धार्मिक ग्रंथों पर ऊंगली नहीं उठा सकेगा। विश्व के 600 इस्कॉन मंदिरों में भगवान कृष्ण को मानने वाले भी तो दूसरी संस्कृति के हैं। जो युवतियां छोटे कपड़े को स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति मानती हैं वहीं अपनी शादी में सात फेरे क्यों लेती हैं?

क्यों दुल्हन का जोड़ा पहनती है? इससे समझा जा सकता है कि कहीं न कही संस्कृति का बीज अभी भी जीवित है जो पल्लवित होगा। मैं अपनी कथा के माध्यम से युवतियों से कहता हूं कि दूसरे धर्म में शादी न करें, नहीं तो उनके 35 टुकड़े कर दिए जाएंगे। लैंड जिहाद पहले समझ में नहीं आता था। सोशल मीडिया में अब इस मुद्दे को उठाया जा रहा है। मैं केवल मुद्दा उठा सकता हूं। जो में कर रहा हूं।

कोतवाली इलाके में बसों ने ली सबसे ज्यादा लोगों की जान

इस क्षेत्र में साइकिल सवारों की अधिक मौत

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी के कोतवाली इलाके में पिछले चार सालों में बसों ने सबसे ज्यादा 20 लोगों की जान ली। इस इलाके में सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं हुईं। इसके बाद लाजपत नगर, पहाड़गंज व संसद मार्ग थाना इलाका आता है। वर्ष 2021 के मुकाबले वर्ष 2022 में बसों से हुई सड़क दुर्घटनाओं में 41 फीसदी की वृद्धि हुई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। अब ट्रैफिक पुलिस इस बात का अध्ययन करवा रही है कि कोतवाली इलाके में ही सबसे ज्यादा बस दुर्घटनाएं क्यों रही हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं, ताकि इनसे निजात के उपाय किए जा सकें। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2020 में बसों से हुई दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या में 37 फीसदी और घातक दुर्घटनाओं में 38.5 फीसदी की कमी आई थी। वर्ष 2019 में हुई सड़क दुर्घटनाओं में बसों ने 98 लोगों की जान ली थी और 347 लोग घायल हुए थे।

फोन के नशे में चूर बेंगलुरु

सर्वे में खुलासा- 91 प्रतिशत लोगों को लगी बुरी लत

बेंगलुरु, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आज के समय में इंसान की मूलभूत जरूरत वाले मुहावरे - 'रोटी, कपड़ा और मकान' की जगह- 'फोन, चार्जर और इंटरनेट' वाले मुहावरे ने ले ली है। हाल ही में हुए एक सर्वे में सामने आया है कि अधिकतर बेंगलुरुवासी अपने मोबाइल फोन से चिपके रहते हैं। इस सर्वेक्षण में 91% लोगों ने ये माना कि सोने से पहले बिस्तर में वह फोन का इस्तेमाल करते हैं। जबकि 38% लोग लेटते समय सोशल मीडिया ब्राउज़ करते हैं, वहीं 29% लोगों को काम से निकाले जाने की चिंता रहती और वे इस कारण रातों में सो तक नहीं पाते। ये आंकड़े गद्दा निर्माता वेकफिट द्वारा फरवरी 2022 से मार्च 2023 तक बेंगलुरु और देश के बाकी हिस्सों में किए गए 'ग्रेट इंडियन स्लीप स्कोरकार्ड' नाम से नींद पर किए गए एक सर्वेक्षण में सामने आए हैं। इस सर्वे में 10,000 से अधिक लोग शामिल थे। ये व्यापक सर्वेक्षण के छठे संस्करण में, बेंगलुरु में अलग-अलग उम्र के लोगों और अलग-अलग जनसांख्यिकी के 4,000 लोगों के बीच किया गया, जिसमें भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरू में लोगों के सोने के पैटर्न को दिखाया गया। 13 महीने तक चले इस सर्वेक्षण से सामने आया कि 61% लोग रात 11 बजे के बाद बिस्तर पर जाते हैं, जबकि सोने का आइडियल समय रात 10 बजे माना जाता है। सर्वे में पता चला कि देर से सोने के बावजूद, बेंगलुरु के 29% लोग सुबह 7 से 8 बजे के बीच उठ जाते हैं और 60% ने माना की उन्हें काम पर नींद आती है। लगभग 34% ने सुबह तरोताजा महसूस न करने की भी शिकायत की। इस सर्वे में एक और दिलचस्प बात ये सामने आई कि 32% लोग बिस्तर के अलावा दूसरी जगहों पर सोते हैं। वहीं, 40% उत्तरदाताओं ने कहा कि बेडरूम के वातावरण ने उनकी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित किया है, जबकि 20% का मानना है कि एक बेहतर गद्दे से उनकी नींद में सुधार हो सकता है। बेंगलुरु में कई लोगों को नींद ना आने के कारण, 26% को लगता है कि वे अनिद्रा (इनसोमेनिया) से पीड़ित हैं। हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि एक वयस्क को दिन में 6-7 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। डिवाइस और गैजेट से दूर रहना भी नींद की गुणवत्ता को बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

खाई में गिरी 35 से ज्यादा सवारियों को लेकर जा रही रोडवेज बस, दो की मौत, कई घायल

मसूरी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मसूरी देहरादून मार्ग पर रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया है। एक रोडवेज बस खाई में गिर गई, जिसमें 35 से अधिक लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और आईटीबीपी के जवान सहित स्थानीय लोग खाई से घायलों को बाहर निकालने में जुटे हैं। तीन लोग गंभीर घायल है। जबकि 19 घायलों को देहरादून भेजा गया है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक बस हादसा मसूरी से पांच किमी पहले मसूरी देहरादून हाईवे पर शेर घड़ी के पास हुआ है। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस- प्रशासन की टीम मौके पर राहत-बचाव कार्य में लगी है। बस मसूरी से देहरादून लौट रहीं थी, तभी रास्ते में शेर घड़ी के पास 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे के कारण यहां दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

पाकिस्तान चले जाओ. तस्करी के आरोप में गौ रक्षकों ने कर दी युवक की हत्या

बेंगलूरू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में गौ रक्षकों ने एक मुस्लिम शख्स की गौ तस्करी के आरोप में कथित रूप से हत्या कर दी. मामला बेंगलुरू से 20 किलोमीटर दूर रामनगर जिले का है. मुस्लिम युवक की पहचान राज्य के मांड्या जिले के इदरीस पाशा के रूप में हुई है. गौ रक्षकों ने तस्करी के आरोप में उसपर हमला किया था. युवक की इतनी बुरी तरह पिटाई की गई, कि बाद में उसने दम तोड़ दिया. पुलिस ने इस केस में पुनीत केरेलहल्ली और चार अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. घटना का पता तब चला जब पुलिस ने कंटेनर के ड्राइवर सैयद जहीर को गिरफ्तार किया. उसके खिलाफ केरेलहल्ली ने पुलिस में शिकायत की थी, और तस्करी का आरोप लगाया था. रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने शुक्रवार रात एक कंटेनर का पीछा किया था, जिसमें कथित रूप से गायोंकी तस्करी की जा रही थी. पीएम मोदी करेंगे 20 रैलियां, सत्ता में लौटने के लिए बनाई खास रणनीति पुलिस स्टेशन के पास रोका कंटेनर मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि केरेलहल्ली और उसके साथियों ने कंटेनर को सतनूर पुलिस स्टेशन के पास रोका. कंटेनर रुकने के बाद इरफान और पाशा ने वहां से भागने की कोशिश की, जहां कुछ लोगों ने उनका पीछा किया. वहीं जहीर कंटेनर के पास ही खड़ा था, जिसे गौ रक्षकों में दो लोगों ने उनकी पिटाई कर दी. इस बीच वहां एक पुलिस कॉन्स्टेबल पहुंचे जो जहीर और केरेलहल्ली को पुलिस स्टेशन ले गए. पाकिस्तान चले जाने को कहा पूलिस सूत्रों के मुताबिक, इदरीस पाशा ने हालांकि मवेशियों की खरीदारी का बिल भी दिखाया, लेकिन केरेलहल्ली और उसके गैंग ने मानने से इनकार कर दिया. रिपोर्ट में बताया गया है कि उसने गायें स्थानीय मार्केट से ही खरीदे थे. गौ रक्षकों ने इदरीस को कथित रूप से पाकिस्तान चले जाने को कहा. गौ रक्षकों ने उनकी खूब पिटाई की. घायल इदरीस वहीं जमीन पर गिर पड़ा और खून से लथपथ था. बीजेपी के सामने क्यों है वोट शेयर बढ़ाने की चुनौती, **जानिए क्या कहते हैं समीकरण।** बाद में केरेलहल्ली ने पुलिस में गौ तस्करी का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ शिकायत की और मामला दर्ज कराया. पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि इदरीस पाशा की मौत हो गई. बाद में जहीर ने भी गौ रक्षक गैंग के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया. वहीं पाशा के परिवार वाले केरेलहल्ली को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं.

भिवानी के स्पेस हार्ट अस्पताल के निदेशक पर केस दर्ज, पंचायत मंत्री के आदेश पर कार्रवाई

भिवानी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भिवानी जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली द्वारा दिए गए आदेशों के बाद सिविल लाइन पुलिस ने पुराना बस स्टैंड क्षेत्र स्थित स्पेस हार्ट अस्पताल के निदेशक के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक मरीज के परिजनों ने चिकित्सक व अस्पताल की लापरवाही से दाखिल मरीज की मौत होने का आरोप लगाया है। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग की जांच में जिला मेडिकल नैक्लीजेंसी बोर्ड के समक्ष भी निजी अस्पताल ने न मूल रिकार्ड प्रस्तुत किया और न ही जांच में खुद शामिल हुए। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है। भिवानी निवासी पियुष गुप्ता ने सिविल लाइन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पिता हनुमान प्रसाद गुप्ता रिटायर्ड बैंक कर्मचारी थे। उनके पिता को अचानक तबियत बिगड़ने पर पुराना बस स्टैंड स्थित स्पेस हार्ट होस्पिटल में दाखिल कराया था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 अप्रैल- 2023

भ्रष्टाचार पर पैनी नजर

भ्रष्टाचार की जड़ें अफसरशाही में कितनी गहरी हैं, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। यह भी ज्ञात तथ्य है कि सरकारी महकमें के अफसरों की आय और संपत्ति आदि का नियमित मूल्यांकन करने की व्यवस्था सरकार द्वारा ही की गई है। इसके लिए कानून बनाने के साथ ही दंड का प्रावधान रखा गया हैं। व्यवस्था यह की गई है कि सरकारी अधिकारियों को हर साल अपनी आय और संपत्ति का ब्योरा देना ही होगा। इसके बाद भी बहुत सारे मगरूर अधिकारी इन नियम-कायदों की धज्जियां उडाने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस मामले से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने बताया है कि आईएएस बने करीब चौदह सौ अधिकारियों ने पिछले ग्यारह सालों से अपनी आय और संपत्ति से संबंधित कोई ब्योरा पेश नहीं किया है। अब सरकार ने अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से शेयर बाजार में निवेश और उससे होने वाली आय का विवरण भी जमा करने का आदेश दिया है। अगर किसी अधिकारी की शेयर बाजार में निवेश से आय उसके छह माह के मूल वेतन से अधिक है, तो उसके लिए उसका विवरण जमा कराना अनिवार्य होगा। यह नया फरमान भी उन्हीं पुराने नियमों में जुड़ गया है, जो ब्रिटिश जमाने से चले आ रहे आय और संपत्ति से जुड़े कानून हैं। इसलिए भ्रष्ट अधिकारियों पर इस नए नियम का कितना मानसिक दबाव बन पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। प्रशासनिक अधिकारियों का भ्रष्टाचार कैसे होता है उसके भी तरीके किसी से छिपे नहीं हैं। जो भी सरकार सत्ता में रहती है वहीं भ्रष्टाचार समाप्त करने का दम तो भरती है, लेकिन सुरक्षित नौकरी की आड में पल रहे अधिकारियों के आचरण पर उसका कोई असर नहीं पड़ता। वे धन और संपत्ति जमा करने के तरह-तरह के रास्ते निकाल ही लेते हैं, यहां तक कि उन्हें कहां लगाया जाए कि कोई पकड न पाए ऐसी जगह भी तलाश लेते हैं। तबादले आदि करने का डर तो लगता है उन्हें बिल्कुल ही नहीं पडता। ऐसे में संसद की स्थायी समिति ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सुझाव दिया है कि एक ऐसे तंत्र का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकारियों द्वारा पेश किए गए आय और संपत्ति के ब्योरों की जांच करे और उनकी वास्तविक कमाई का खुलासा कर सके। देखा जाए तो सुझाव में कोई कमी नहीं है। अगर ऐसा कोई तंत्र बनता है, तो शायद प्रशासनिक अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण पर कुछ लगाम लग सके। लेकिन उस नियामक तंत्र में भी जो अधिकारी-कर्मचारी होंगे, उनका आचरण कितना पारदर्शी होगा, कैसे दावा किया जा सकता है। अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण पर नजर रखने के लिए पहले से तंत्र उपलब्ध है, लेकिन वह कितनी कार्रवाई कर पा रहा है यह भी देखना होगा। आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग आदि उनके भ्रष्ट आचरण पर नजर रखने के लिए ही बनाए गए हैं। कुछ जगहों पर खुद प्रशासनिक अधिकारियों ने भी भ्रष्ट अफसरों पर नजर रखने के लिए अलग से तंत्र तैयार कर रखा है, जैसे उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों का संघ हर साल भ्रष्ट अफसरों की सूची जारी करता है। मगर इन सबके बावजूद उनके आचरण में कोई बदलाव आया है ऐसा दूर-दूर तक नजर नहीं आता। यह तथ्य भी किसी से छिपा नहीं है कि प्रशासनिक अधिकारियों को भ्रष्टाचार की शह राजनीतिक दलों से ही मिलती है। जब भी आय से अधिक संपत्ति जमा करने के किसी मामले में जांच होती है, तो उसके तार सत्तापक्ष के लोगों से भी जुड़े नजर आते हैं। मौजूदा केंद्र सरकार पिछली सरकारों के समय हुए भ्रष्टाचारों की पोल खोलने के इरादे से जांचों का सिलसिला चला रही है। उससे जाहिर है कि किस तरह नौकरशाही और राजनेताओं की मिलीभगत से भ्रष्टाचार अपनी जडें जमाता है। इसलिए अगर सचमुच भ्रष्टाचार खत्म करना है, जिससे संबंधित संयुक्त राष्ट्र संधि पर भारत ने हस्ताक्षर भी किए हैं, तो एक ऐसे तंत्र का गठन करने पर विचार करना चाहिए, जो भ्रष्टाचार के पूरे संजाल को आसानी से भेद सके।

बॉयोमेडिकल वेस्ट का निपटान है जरूरी

सुनील कुमार महला

आज धरती का वातावरण विभिन्न अपशिष्टों के कारण बहुत ही प्रदूषित हो गया है। इन अपशिष्टों से धरती पर प्रदूषण की मात्रा लगातार बढ़ी है और प्रदूषण ने इस धरती पर अनेक प्रकार की बीमारियों व रोगों को जन्म दिया है। जैव-चिकित्सीय अपशिष्टों की प्रदूषण और बीमारियों व रोगों को जन्म देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। मेडिकल कचरे का निस्तारण आज जैसा कि आज पहले की तुलना में बीमारियों की भरमार है,अपने आप में एक बहुत बड़ी व विकट समस्या है। आज विभिन्न अस्पतालों से निकलने वाले कचरे को खुले में फेंकने से अनेक प्रकार की बीमारियों के फैलने का खतरा हमेशा बना रहता है और आए दिन हम अखबारों, मीडिया के हवाले से यह खबरें देखते,पढ़ते व सुनते हैं कि मेडिकल अपशिष्ट के निस्तारण के बिना ही बहुत से अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों आदि को आज संचालित किया जा रहा है। आज विभिन्न अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों से देश में कई टन मेडिकल कचरा पैदा होता है। इसमें क्रमशः संक्रामक, पैथोलोजिकल, शॉर्प, रासायनिक, फॉर्मास्युटिकल, साइटोटॉक्सिक, रेडियोधर्मी व सामान्य कचरा शामिल है। इस मेडिकल कचरे का निस्तारण, प्रबंधन ऐसे दौर में अति आवश्यक हो जाता है जब संपूर्ण विश्व महामारी व वायरसों के बीच जी रहा हो। एक रिपोर्ट बताती है कि कोविड महामारी की पहली लहर के दौरान भारत में हर रोज 710 टन मेडिकल कचरा पैदा हो रहा था, जिसका करीबन 17(सत्रह) फीसदी हिस्सा कोविड-19(कोविड महामारी) से जुड़ा कचरा था। यह तो आंकड़ा मात्र है, वस्तुस्थिति इससे और भी ज्यादा हो सकती है। यह बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है कि आज दुनिया में करीब एक तिहाई अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और स्वास्थ्य सुविधाएं देने वाले विभिन्न संस्थान अपने मेडिकल वेस्ट का सुरक्षित तरीके से प्रबंधन/निस्तारण नहीं कर पा रहे हैं। वहीं पिछड़े देशों में करीब 60 फीसदी स्वास्थ्य सुविधाएं अपने मेडिकल कचरे का उचित प्रबंधन करने में असमर्थ हैं। यह कचरा न केवल स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है।आज संपूर्ण दुनिया कोरोना वायरस का वार झेल चुकी है और वर्तमान में भी यह दुनिया संक्रामक वायरसों, बीमारियों का वार लगातार झेल रही है। वायरस का सामना कर रही इस दुनिया में मेडिकल कचरा प्रबंधन आज की नितांत आवश्यकता है। आज वातावरण में विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों की मात्रा लगातार बढ़ती चली जा रही है और यही कारण है इसी प्रदूषण से मानव अनेक बीमारियों, रोगों महामारियों की चपेट में आ रहा है। प्रदूषण के कारण मानव की इम्यूनिटी पर भी प्रभाव पड़े हैं। समय के साथ आज लोगों की इम्यूनिटी में आमूल चूल परिवर्तन आ गये हैं।दरअसल, महामारी(कोविड-19) के दौर में फेस मास्क, दस्ताने, पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई), इंजेक्शन और विभिन्न दवाओं की मांग काफी बढ़ गई है।वास्तव में इन दवाओं, इंजेक्शन आदि बढ़ते इस्तेमाल से जो कचरा पैदा हो रहा है उसका उचित प्रबंधन न करने से नई समस्याएं पैदा हो गई हैं। विभिन्न परीक्षण किटों के इस्तेमाल से हजारों टन मेडिकल कचरा पैदा होता है।

छोटे कदमों से बड़ी जमीन नहीं नापी जा सकती

रघु ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार को आगामी 2024 में 10 वर्ष पूरे हो जायेंगे। आगामी चुनाव में क्या होगा? श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे या नहीं रहेंगे? यह कयास जारी हैं। बहस नरेन्द्र मोदी व्यक्ति केन्द्रित हो रही है कि मोदी रहेंगे या जायेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी अपने कठोर और स्वकेन्द्रित कार्यप्रणाली के चलते एक ऐसी लाईन खींच ली है कि जिसमें एक तरफ अंधा प्रेम और दूसरी तरफ अंधा विरोध हो गया है। हालाकि यह स्थिति स्वस्थ लोकतंत्र के लिये दोनों ओर से उचित नहीं है।

वैसे तो स्वतः श्री मोदी ने 2014 में चुने जाने के बाद कहा था कि वे 10 वर्ष प्रधानमंत्री रहेंगे और इस आधार पर उन्हें स्वेच्छा से हट जाना चाहिये परन्तु यह शायद ही हो। मैं भा.ज.पा. के शासन को हटाने का पक्षधर हूँ, एक इसलिये कि किसी दल या व्यक्ति की सरकारें अगर स्थायी हो जाती हैं तो वे लोकतंत्र को कमजोर करती हैं। नौकरशाही स्थाई सरकार से भयभीत होकर बिल्कुल ही गुलाम बन जाती है। अपने संवैधानिक के पालन के दायित्व को भूल जाती है, और व्यक्ति तथा सत्ता का आदेश ही उसके लिये कानून व अंतिम बन जाता है फिर नौकरशाही को सेवानिवृत्ति के बाद अफसर या सेवा काल में मलाईदार पद का लोभ भी कर्तव्यच्युक्त करता है तथा सरकारें उसे कुर्सी दिखाकर ललचाती हैं। सरकारें भी सत्ता के मद में निरंकुश हो जाती हैं और लोकतंत्र का क्षय हो जाता है। स्थायी सरकारें विपक्ष जनता और मीडिया की आवाज को सुनना तो दूर उन्हें इतना दबा देती हैं कि उनका गला ही घुट जाये। इसलिये डॉ. लोहिया कहते थे कि को रोटी की तरह उलटते पलटते रहना चाहिये अगर रोटी एक ही तरफ पड़ी रहेगी तो जल जायेगी। इस आधार पर भी मैं चाहता हूँ कि वर्तमान सरकार बदले ताकि लोकतंत्र की रोटी बेस्वाद न हो सके।

पिछले वर्षों में भाजपा सरकार ने जो वायदे किये थे उन्हें पूरा नहीं किया बल्कि उनसे इतर अनेक ऐसे कदम उठये हैं जो देश के लिये हितकर साबित नहीं हुये। इन आठ वर्षों में निजीकरण और वैश्वीकरण के कदमों में जो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा शुरू किये गये थे, उनमें कई गुना तेजी से वृद्धि हुई है। और योजनाबद्ध ढंग से सार्वजनिक क्षेत्र को नष्ट कर निजी पूंजी के महल खड़े किये जा रहे हैं। लाखों करोड़ों रूपये की पब्लिक सेक्टर की सम्पत्तियां जो जनता के टैक्स से बनाई गयीं थी को मामूली दामों में बेचकर कारपोरेट को दिया जा रहा है। टैक्स के जाल में बड़े मगरमच्छ तो छूट रहे हैं परन्तु छोटी-छोटी मछलियां फंसकर खत्म हो रही हैं।

एक तरफ सरकार कारपोरेट टैक्स को 5 प्रतिशत कम करती है और दूसरी तरफ गरीब के खाने आटे, रोटी, पानी और सब्जी तक पर टैक्स लगाती है। लगभग 8 करोड़ लोग देश में मुफ्त पाँच किलो राशन के लिये मोहताज हैं उसी पर जिंदा हैं। 20 करोड़ से अधिक मध्यवर्गीय लोग महंगाई के शिकार हैं, इनके लिये सस्ता राशन, आयुष्मान कार्ड नहीं है जबकि इनकी आय भी बमुश्किल से पेट भरने लायक ही होती है।

यद्यपि सीधी प्रेस सेंसरशिप लागू नहीं है और लोकतांत्रिक अधिकार भी समाप्त नहीं किये गये हैं, परन्तु एक अज्ञात भय रोजी, रोटी, पुलिस, जेल आदि के नाम का आमजन में व्याप्त है, तथा देश मुर्दे के समान मौन हो गया है। यद्यपि मैं इसके लिये अकेले सरकार को जिम्मेदार नहीं मानता बल्कि ज्यादा जिम्मेदार समाज, मीडिया और राजनैतिक दलों की कमजोरी को मानता हूँ। न्यायपालिका सत्ता समर्पित हो रही है और मानव अधिकारों की उपेक्षा कर रही है। न्यायपालिका के अधिकार सरकार ने निलंबित नहीं किये हैं परन्तु पद लोलुप न्यायधीश खुद बिकने को तैयार है।

बाजार अनियंत्रित है और उपभोक्ताओं की लूट का अड्डा बन गये है। परन्तु सरकार मौन है क्योंकि चुनाव प्रणाली इतनी खर्चीली महंगी और भ्रष्ट हो चुकी है कि संविधान की कल्पना की बराबरी कहीं नज़र नहीं आती। विषमता की खाई बढ़ती जा रही है। देश के 21 सबसे अमीर लोगों के पास देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा संपत्ति है। इक्कीस अमीरों को पैदा करने वाली देश की सरकारों और व्यवस्था को बदलना राष्ट्रीय आवश्यकता है। पर भारतीय राजनीति में अभी तक कोई ऐसा दल नज़र नहीं आता है जो अकेले राजनैतिक बदलाव कर सके व्यवस्था परिवर्तन की तो बात ही अलग है। देश के लगभग 9-10 प्रदेशों में क्षेत्रीय दल है। जो अपनी क्षेत्रीय भावनाओं के आधार पर सूबे में सरकार बनाते हैं और केन्द्र में किसी ऐसी सरकार का समर्थन करते हैं जो उनके अस्तित्व को नुकसान न पहुंचाये तथा उनकी क्षेत्रीय राजनैतिक जरूरतों को पूरा करती रहे। वैसे भी अधिकांश क्षेत्रीय दल जाति-धर्म-भाषा के दायरों में सिकुड़े रहते हैं। कुछ ऐसे भी दल हैं जिनकी विचारधारा तो वैश्विक है परन्तु संसदीय या मतों की ताकत के आधार पर वे कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। कुछ हमारे पार्टी जैसे भी दल हैं जो वैचारिक शुद्ध तो है परन्तु संसदीय ताकत से रहित हैं।

कांग्रेस पार्टी फिलहाल देश के तीन राज्यों में ही सत्ता में है, यद्यपि 5-6 अन्य राज्यों में नं. 2 की पार्टी है, जिसके कम ज्यादा कार्यकर्ता अभी भी देश में यत्र तत्र सर्वत्र मिल जाते हैं। परन्तु कांग्रेस अब देश में जन विश्वास की पार्टी नहीं रही है। केन्द्र व राज्यों में आज जितने आर्थिक अपराध भाजपा सरकार के खाते में हैं उन सभी की शुरूआत करने वाली कांग्रेस ही रही है। यानि केवल इतना फर्क आया है कि गुड़ हो गया है और चेला शक्कर कांग्रेस अब जनमत की पसंद की नहीं वरन लाचारी की पार्टी है। अविश्वसनीय सत्ता और अपरिपक्व विपक्ष, कोई विकल्प नहीं दे सकते।

कांग्रेस के नेता श्री राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा भारी भरकम साधनों और प्रचार के बावजूद भी अभी तक देश के मानस में कोई हलचल पैदा नहीं कर सकी। वैसे भी कांग्रेस पार्टी ने सदैव राजनैतिक और अमूमन सिद्धांतहीन समझौते केवल अपनी सत्ता को बचाने, बनाने या टिकाने के लिये ही किये हैं।

वह किसी सिद्धांत या विचार के आधार पर समझौते नहीं करती बल्कि सत्ता हथियाने के लिये कोई भी अनैतिक समझौता करने को तैयार रहती है। फिर दूसरी तरफ उसकी दृष्टि केवल सत्ता दिला सकने वाले दलों से तालमेल की रहती है चाहे वह कितने ही बदनाम क्यों न हो? और जो छोटे वैचारिक दल हैं उन्हें वह हजम या समाप्त करना चाहती है। भा.ज.पा. ने भी घोर अनैतिक समझौते सत्ता के लिये किये हैं, पर सत्ता के लिये कई छोटे दलों को भी साथ लिया है। निसंदेह लंबे समय में भाजपा इन छोटे दलों को चूसकर फेकेगी, परन्तु तत्काल नहीं जबकि कांग्रेस इन छोटे दलों को या वैचारिक दलों को तत्काल हजम करना चाहती है। कोई दूर दृष्टि, बड़ी दृष्टि बदलाव की दृष्टि कांग्रेस की नहीं है। श्री राहुल जी ने यात्रा के लिये आरंभ में कुछ एन.जी.ओ. को दावत दी, विशेषतः जो पिछले चार दशकों में उनकी सरकारों के कृपा पात्र रहे हैं। तथा यह कहा कि हम किसी राजनैतिक दल को नहीं बुला रहे। हालाकि बाद में उन्हें कुछ ऐहसास हुआ और उन्होंने कुछ राजनैतिक दलों को कांग्रेस की भावी सत्ता की जरूरतों के आधार पर निमंत्रित किया। परन्तु इनमें से किसी भी दल ने उन्हें अभी तक कृतार्थ नहीं किया है। गैर राजनैतिक और गैर सत्ता प्राप्ति की घोषणा से शुरू हुई यात्रा दिल्ली पहुंचते-पहुंचते राजनैतिक और सत्ता यात्रा बन गयी। राजनैतिक मोर्चे के संबंध में सबसे बेहतर मॉडल स्व. ज्योति बसु का था।

उन्होंने छोटे वैचारिक दलों को साथ लिया परन्तु उन्हें हजम करने का या उनके अस्तित्व को मिटाने का कभी प्रयास नहीं किया। इसीलिये वे लगातार 23 वर्षों तक निर्बाध सरकार चला सके। अभी देश में विरोधी दलों के कई गठजोड़ उभरे हैं, एक राजद, सपा, एन.सी.पी., व टी.एम.सी. का है। दूसरा तेलंगाना के श्री राव की भा.रा.स. पार्टी है जो समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, वाई.एस.आर.-कांग्रेस, डी.एम.के व कई अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ बातचीत कर रही हैं। बी.जे.डी. उड़ीसा में सीमित व शांत है और अपनी सीमाओं को पहचानती है। बसपा ने लाचारी में अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। शिवसेना, कांग्रेस, एन.सी.पी., का गठबंधन महाराष्ट्र तक सीमित व विभाजित है यानि देश में कई सत्ता उन्मुख मोर्चे उभर रहें हैं। इन परिस्थितियों में भी कोई एक बड़ा देशव्यापी, विपक्षी भले ही सत्ता लोलुप मोर्चा भी बनता नहीं दिख रहा। आप, दिल्ली व पंजाब में सत्ता में आई है।

ममता की भी नज़र है दिल्ली की कुर्सी पर

अशोक भाटिया

इस सप्ताह खबरों के आकाश में राहुल गांधी छाये रहे । गुजरात के कोर्ट ने मानहानि मामले में दोषी करार देकर उन्हें दो साल की सजा सुनाई और तुरंत लोक सभा से उनकी सदस्यता रद्द हो गई तो कुछ दलों के लिए ' बिल्ली के भागों छींका टूटना 'वाली कहावत चरितार्थ हो गई और रातों रात विपक्षी एकता के मायने ही बदल गए । कई दलों ने आगामी चुनाओं के लिए अपनी रणनीति में बदलाव करना शुरू कर दिए । अब तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ही देख लीजिए उनको 29 मार्च को दिल्ली आना था। वे 29 और 30 मार्च को दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली थीं। लेकिन वे दिल्ली नहीं गई । दिल्ली की बजाय उन्होंने कोलकाता में दो दिन का प्रदर्शन किया। ममता का प्रदर्शन उनके ट्रेडमार्क तरीके से बेहद नाटकीय था। वे मंच पर एक वाशिंग मशीन लेकर बैठी थीं, जिसमें उन्होंने काला कपड़ा डाला और सफेद कपड़ा निकाल कर दिखाया कि इसी तरह से भाजपा काम करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में जाते ही सारे अपराधी और आरोपी धुल कर सफेद हो जाते हैं। सवाल है कि ममता बनर्जी का दिल्ली का कार्यक्रम क्यों रद्द हुआ? तृणमूल कांग्रेस के नेता आधिकारिक रूप से इसका जवाब नहीं दे रहे हैं लेकिन अनौपचारिक बातचीत में वे मान रहे है कि मानहानि के मामले में राहुल गांधी को सूरत की अदालत से दो साल की सजा होने और उसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त होने से सारी कहानी बदल गई। ममता को लगा कि अभी दिल्ली में प्रदर्शन करना और गैर कांग्रेस मोर्चा बनाने की बात करना उपयुक्त नहीं होगा। क्योंकि इस समय पूरा फोकस कांग्रेस और राहुल गांधी पर है। तभी उनकी पार्टी के नेता भी संसद में विपक्ष की बैठकों में शामिल होने लगे। राहुल गांधी को सजा होने और राजनीति की दिशा बदलने से पहले ममता बनर्जी बहुत आक्रामक तरीके से विपक्षी एकता के प्रयास कर रही थीं। उन्होंने गैर भाजपा और गैर कांग्रेस मोर्चा बनाने की घोषणा कर रखी थी। अपनी इस योजना के तहत वे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिली थीं। उसके बाद वे ओड़िशा के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक से मिलने भुवनेश्वर गईं। उस बीच वे जेडीएस के नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी से मिली थीं। दिल्ली आकर वे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिलने वाली थीं।

लेकिन जब वे भुवनेश्वर में थीं उसी समय खेल बदल गया। वे 23 मार्च को नवीन पटनायक से मिलीं और उसी दिन राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त की गई। बताया जा रहा है कि तभी ममता बनर्जी ने दिल्ली आकर प्रदर्शन करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया। उनकी पार्टी ने रणनीति बदल दी। उन्होंने कोलकाता में पार्टी के प्रदर्शन के दौरान विपक्षी एकता की बात कही तो उसमें से कांग्रेस को अलग नहीं किया। कांग्रेस को लेकर भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की बात कही। उनके बाद उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी सभी विपक्षी पार्टियों से अपील करते हुए कहा कि सबको मिल कर चुनाव लड़ना चाहिए। सो, राहुल गांधी मामले का असर यह हुआ कि ममता ने दिल्ली का कार्यक्रम रद्द किया और भाजपा की तरह ही कांग्रेस से भी दूरी रखने की रणनीति भी छोड़ दी। इसके पूर्व जब पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में हाल ही विधानसभा चुनाव हुए थे। ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस ने त्रिपुरा और मेघालय की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और इन राज्यों में पार्टी की सक्रियता भी बढ़ा दी गई थी। लेकिन चुनाव परिणाम से लगे झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी ने अपनी रणनीति बदल ली है। ममता की पार्टी अब भाजपा और कांग्रेस से दूरी बनाए रखते हुए दोनों खेमों के विरोधी क्षेत्रीय दलों का एक समूह बनाने की कोशिश में है। पार्टी ने अप्रैल के अंत तक होने वाले पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव और लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए 25 मार्च को 20 राष्ट्रीय प्रवक्ता और 40 राज्य प्रवक्ताओं की लिस्ट जारी की है। राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की लिस्ट में बिहार-उत्तरप्रदेश के कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले टीएमसी के 12 राष्ट्रीय प्रवक्ता बंगाली मूल के थे लेकिन अब नई लिस्ट के बाद इनकी संख्या 20 हो गई है जिसमें यूपी-बिहार के भी नेता शामिल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि ममता ने बिहार-उत्तरप्रदेश के नेताओं को राष्ट्रीय प्रवक्ता क्यों बनाया है? क्या उनकी निगाहें अब दिल्ली पर है? राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची में वरिष्ठ नेता में सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव, डेरेक ओ'ब्रायन, महुआ मोइत्रा और साकेत गोखले का नाम शामिल हैं। इनके अलावा अमित मित्रा, बाबुल सुप्रीयो, चंद्रीमा भट्टाचार्या, जवाहर सरकार, काकोली घोष दस्तीदार, कीर्ती आजाद, ललितेश त्रिपाठी, मुकुल संगमा, नदीमुल हक, रिपुन बोरा, सौगत रॉय, शशि पांजा, सुगात बोस, ताराजानो डी मेलो और विवके गुप्ता का नाम भी शामिल है। बंगाल के अलावा इन राज्यों के नेताओं को बनाया गया राष्ट्रीय प्रवक्ता -साकेत गोखले- महाराष्ट्र,रिपुन बोरा- असम।सुष्मिता देव- असम,मुकुल संगमा- मेघालय ,कीर्ति आजाद- बिहार,ललितेश पति त्रिपाठी- यूपी

इस लिस्ट के जारी किए जाने के बाद टीएमसी के एक नेता कहा कि हमें इन प्रवक्ताओं की जरूरत इसलिए है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी हमारे खिलाफ एसएससी स्कैम और पशुओं की तस्करी को लेकर प्रोपेगंडा चला रही है। ये प्रोपेगेंडा एकजुट विपक्ष यानी बीजेपी, सीपीआई(एम) और कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी कहते हैं कि ममता बनर्जी को केंद्र और राज्य दोनों जगहों की राजनीति का अनुभव है। ममता बनर्जी देश में एक मात्र महिला मुख्यमंत्री भी हैं।

महावीर बनो, मोहवीर नहीं

मुनि-चैतन्य कुमार,अमन

जैन परम्परा में सर्वोत्कृष्ट पद है - तीर्थकर । वैसे इस लोक में सभी आत्माएं समान हैं। उन आत्मा में शाश्वत ज्ञान व शाश्वत दर्शन है किन्तु विकास की दृष्टि से जो आत्माएं सर्व कर्म रजों से मुक्त हो जाती है। वे परमात्मपद्को प्राप्त कर शुद्ध-बुद्ध और मुक्त हो जाती हैं। उनका संसार परिभ्रमण का क्रम समाप्त होकर शाश्वत सुखों का अनुभव करता है। उनमें से भी जो आत्माएं पूर्व में दान आदि विशेष गुण के कारण तीर्थंकर गोत्र का बंधन करती है वे अपनी भावी यात्रा में केवल ज्ञान को प्राप्त कर साधु-साध्वी - श्रावक-श्राविका इन चार तीर्थों की स्थापना करके तीर्थंकर पद प्राप्त कर भवी जीवो के कल्याण हेतु प्रवचन करते हैं। तीर्थंकर महावीर की आत्मा भी अनंतकाल तक संसार भ्रमण करने के बाद अपने चरम शरीर में विशिष्ट तप-मौन व ध्यान साधना करते हुए घोर कष्टों को समता के द्वारा सहन किया और महावीर महावीर बन गए। इस जगत में मोहवीर तो अनन्त जीव है किन्तु महावीर तो कोई-कोई ही बनता है। सर्वज्ञता को प्राप्त कर भगवान महावीर ने तीस (30) वर्ष तक धर्मोपदेश दिया। मानव जाति को संयम-विवेक से जियो और जीने दो का उपदेश देने वाले भगवान महावीर के सिद्धांत त्रैकालिक सत्य के रूप में। विश्रुत है। अहिंसा-अनेकान्त और अपरिग्रह के सिद्धांत उस युग में प्रासंगिक थे। आज तो कहीं और अधिक प्रासंगिक है। सार्वभौम और सर्वजनीन उनके सिद्धांत केवल जैनों के लिए अपितु मानव-मात्र के लिए उपयोगी हैं। आत्मकर्तृत्व वाद और कर्मवाद का सिद्धांत तो मानव मात्र को प्रेरणा देने वाला है। आज महावीर जयंती पर्व जब आता है तब समग्र जैन समाज में अत्यन्त उल्लास का वातावरण निर्मित होता है। जन मानस उनके जन्म दिन या चरम दिन को बड़े जोर-शोर के साथ मनाया जाता है। स्थान- स्थान पर जुलुस, झांकियां व, जप का अनुष्ठान करते हैं। साधु-साध्वियों के सन्निध्य में प्रवचनों का। स्तवनो और गीतों का संगन करते हैं। मंदिरों में पूजा आरती कर भगवान का जन्म मनाया जाता है। कटु सत्य यह है कि उनके भक्त भगवान को मानते हैं पर भगवान की वाणी को नहीं मानते अर्थात वाणी को जीवन में धारण नहीं करते। उनकी वाणी जिह्वा पर है पर जीवन में नहीं, दीवारों पर, ग्रन्थों में है पर दिल व दिमाग में नहीं, चिंतन में है पर चित में नहीं है, पर उपदेश में है आचरण में नहीं है।आवश्यकता है उनका जन्म दिवस मनाना है तो उनके सिद्धांतों को जीवन गत-आत्मगत करें। केवल महावीर ही क्यों? बल्कि भारतीय धरती पर अवतरित होने वाले राम, कृष्ण, बुद्ध आदि जितने महापुरुष हुए उनकी जयंती को समस्त मानव जाति एक रूप के साथ मनाए और प्रिंट मिडिया और इलेक्ट्रोनिक मिडिया के माध्यम से जन-जन तक वाणी को प्रसारित करते हैं जिससे विश्व में अहिंसा, शांति , मैत्री और भाईचारे का वातावरण बने। महावीर की अहिंसा, बुद्ध की करुणा, राम की भ्रातृभाव, कृष्ण का निष्काम कर्म जिसदिन मानव जीवन में आ जाएगा उस दिन भारत मे सतयुग का पुनः प्रवेश हो जाएगा। अन्यथा...... जाग्रत कर चैतन्य भावना अमन शांति सुख बरतेगा। महावीर वाणी अपनाओ सरस शांत रस सरसेगा।

त्यौहारों पर होने वाले दंगे देश की एकता के लिए घातक

रामनवमी के जिस त्योहार पर राम-राज्य की संकल्पना याद आती थी, उसी तिथि पर देश सांप्रदायिक झड़पों की भेंट चढ़ रहा है। देश के कई शहरों में भीषण बवाल हुआ है। पश्चिम बंगाल में हिंसक झड़पों की शुरुआत के बाद गुजरात और महाराष्ट्र जैसे भी राज्य भी दंगे की चपेट में आए। राजधानी दिल्ली में भी तनाव देखने को मिला। इन राज्यों में हुए बवाल की शुरुआत मामूली बहस से ही हुई लेकिन अंजाम हिंसक हो गया। बिहार के रोहतास और नालंदा जिले के मुख्यालय क्रमशः सासाराम और बिहार शरीफ में रामनवमी की शोभायात्रा खत्म होने ही वाली थी, तभी दोनों शहर धधक उठे।ऐसा नहीं है कि सिर्फ पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र , बिहार और दिल्ली में ही स्थितियां तनावपूर्ण रहीं। योगी राज में उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसा ही नजारा नजर आया, बस हिंसक झड़प नहीं हुई। लखनऊ और मथुरा जैसे शहरों में भी तनावपूर्ण स्थिति नजर आई। दरअसल देश में हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई सभी के त्यौहारों का सीजन चल रहा है, कायदे में तो अधिकांश लोगों को कम से कम इस दौर में पूजापाठ इबादत में व्यस्त होना चाहिए था, लोगों के लिए गलत कार्य करने पूर्ण रूप से वर्जित होने चाहिए थे लेकिन इस वक्त देश की राजधानी दिल्ली से लेकर के देश के अलग-अलग शहरों में रामनवमी व हनुमान जन्मोत्सव के धार्मिक जुलूसों पर पथराव के चलते जबरदस्त ढंग से हंगामा बरपा हुआ है। देश में धर्म पर आधारित राजनीति चंद दिनों में ही अपने अधर्म के चरम पर पहुंच गयी है हालांकि इन हंगामा बरपाने वाले देशद्रोही लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही भी शासन-प्रशासन के द्वारा लगातार चल रही है, कहीं पर दंगा फसाद में शामिल लोगों के घरों पर सिस्टम बुलडोजर चलवा रहा है, कहीं इन देशद्रोही लोगों पर एनएसए तक लगाई जा रही है। वैसे देखा जाये तो दिलोदिमाग को बुरी तरह से झकझोर देने वाली दंगा फसाद की स्थिति देश में ना जाने क्यों अब आयेदिन बनने लग गयी है, यह स्थिति देश के नियम कायदे, कानून व तरक्की पसंद देशभक्त देशवासियों को बहुत ज्यादा चिंतित करने का कार्य कर रही है। क्योंकि यह देशभक्त लोग तो दिन-रात मेहनत करके देश के विकास को एक नयी तेज रफ्तार देने का कार्य करते हैं, वहीं देश के अंदर छिपे हुए बैठे चंद देशद्रोही अराजक तत्व कभी जाति, कभी धर्म, कभी अमीर, कभी गरीब, कभी शहर, कभी गांव, कभी मोहल्ले, कभी भाषा, कभी वेशभूषा, कभी पहाड़, कभी मैदान, कभी प्रदेश आदि के नाम पर लोगों की बीच मतभेद पैदा करके उनको आपस में लड़वा कर उन्माद फ़ैलाने का कार्य करते हैं। लेकिन सबसे बड़े अफसोस की बात तब होती है जब देश व समाज के हित में आयेदिन मंचों से सार्वजनिक रूप से बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पक्ष विपक्ष के चंद राजनेता भी अपने एक क्षणिक राजनीतिक स्वार्थ के लिए इन देशद्रोही अराजक तत्वों को पूरा संरक्षण देने का कार्य करते हैं। आज के समय में सभ्य समाज के लोगों के सामने विचारणीय प्रश्न यह है कि देश में जिस तरह से दिन-प्रतिदिन तेजी के साथ ऐसे हालात बनते जा रहे हैं कि बिना सिर पैर की बातों को लेकर भी एक ही पल में दंगा फसाद शुरू हो जाता है, वह स्थिति देश व समाज हित के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है और उस पर तत्काल लगाम लगाने की आवश्यकता है। आज समय की मांग है कि देश के विकास की तेज गति को अनवरत बरकरार रखने के लिए देशहित में तत्काल जाति-धर्म के नाम पर होने वाले आयेदिनों के हंगामे, दंगा-फसाद, उन्माद, तुष्टिकरण व धार्मिक कट्टरवाद पर शासन व प्रशासन का सख्ती से नियंत्रण करना बेहद आवश्यक है। हाल के कुछ दिनों में घटित या फिर पूर्व में घटित घटनाओं के समय उत्पन्न हालात का निष्पक्ष रूप से आंकलन करें, तो देश में अब वह समय आ गया है कि जब केन्द्र व प्रत्येक राज्यों की सरकारों को अपने वोट बैंक की राजनीति को तत्काल त्याग कर लोगों को देश व समाज के हित में नियम कायदे व कानून का सख्ती से पालन करने के लिए बाध्य करना ही होगा, उनको देश में पूर्ण अनुशासित ढंग से रहना सिखाना ही होगा। वैसे भी देश में अब वह समय आ गया है जब सरकार व सिस्टम को लोगों को प्यार से व पूर्ण सख्ती के साथ जो व्यक्ति जिस भाषा में समझें उसे समझना होगा कि हमारा प्यारा देश संविधान से चलता है ना कि किसी भी जाति या धर्म के धार्मिक ग्रंथ से चलता है, इसलिए जिस व्यक्ति को भी भारत देश में रहना है उसके लिए संविधान के द्वारा तय नियम कायदे कानून व व्यवस्था सर्वोपरि है। विचारणीय है कि जिस ढंग से धर्म की ओट लेकर के आये दिन धर्म के तथाकथित स्वघोषित ठेकेदार इंसान व इंसानियत के रक्षक की जगह उसके दुश्मन बने हुए हैं, वह अब किसी भी देश के लोगों से छिपा हुआ नहीं है और यह स्थिति विश्व के सभी बुद्धिजीवी लोगों के लिए है ।

ब्रह्मा जी के कहने पर कामदेव ने की शिवजी की समाधि भंग, जानें फिर क्या हुआ?

रामचरित मानस के बालकांड में तुलसीदास जी लिखते हैं कि कामदेव के प्रभाव में आकर देव, दैत्य, मनुष्य, किन्नर, सर्प, प्रेत, पिशाच, भूत, बेताल सभी काम के सामने अंधे से हो गए। यहां तक कि सिद्ध, विरक्त, महामुनि और महान योगी भी उसके प्रभाव से नहीं बचे।

श्री रघुनाथ जी के कहने पर पार्वती जी के बारे में सप्तऋषियों से जानकारी करने के बाद शिवजी समाधि में लीन हो गए। तब ब्रह्मा जी ने देवताओं से कहा तुम सब कामदेव को शिवजी के पास भेजकर उनकी समाधि भंग कराओ। वह जैसे ही समाधि छोड़ेंगे, हम खुद ही उनके चरणों में सिर रखकर पार्वती के साथ विवाह करने के लिए राजी करा लेंगे। उनकी यह राय सभी देवताओं को अच्छी लगी तो देवताओं के प्रार्थना करने पर कामदेव सामने आए और उन्हें पूरी बात बताते हुए कहा कि तारक नाम के असुर का वध शिव और पार्वती के

संयोग से जन्मी संतान ही कर सकेगी। इसके बाद कामदेव ने अपनी काम वासना का ऐसा विस्तार किया कि इस संसार में जिसे देखो वह अपने जरूरी काम छोड़कर काम वासना के अधीन हो गया। रामचरित मानस के बालकांड में तुलसीदास जी लिखते हैं कि कामदेव के प्रभाव में आकर देव, दैत्य, मनुष्य, किन्नर, सर्प, प्रेत, पिशाच, भूत, बेताल सभी काम के सामने अंधे से हो गए। यहां तक कि सिद्ध, विरक्त, महामुनि और महान योगी भी उसके प्रभाव से नहीं बचे। कामदेव शिवजी के पास तो गया, किंतु उन्हें देखकर वह भी डर गया। कामदेव ने बहुत तीखे पांच वाण छोड़े जो सीधे शिवजी के ह्रदय में लगे और उनकी समाधि टूट गई और वह जाग गए। उन्हें मन ही मन गहरा दुख हुआ और आंखें खोलकर सब ओर देखा। उन्होंने जैसे ही सामने आम के पत्तों में छिपे हुए कामदेव को देखा तो बहुत ही क्रोध आया। शिव जी ने अपना तीसरा नेत्र खोला तो वहां से भयंकर ज्वाला निकली और देखते ही देखते कामदेव उसमें जलकर भस्म हो गए। इस स्थिति से जगत में हाहाकार मच गया, देवता डर गए और दैत्य प्रसन्न हो उठे।

पांडव काल के नीलकंठ महादेव मंदिर में है दुर्लभ शिवलिंग

राजस्थान का अलवर जिला पौराणिक कथाओं के लिए ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कलाकृति के लिए भी विख्यात रहा है। पांडव काल में यहां बना ऐतिहासिक नीलकंठ महादेव मंदिर अनूठी कला के लिए जाना जाता है। अलवर से लगभग 65 किलोमीटर दूर सरिस्का टाइगर रिजर्व में टहला क्षेत्र स्थित नीलकंठ

नृत्य करते गणेश की भी प्रतिमा

महादेव मंदिर में नीलम से निर्मित साढ़ चार फीट उंचे शिवलिंग इस मंदिर का मुख्य आकर्षण है।

वैसे तो साल भर ही नीलकंठ महादेव मंदिर में दूर-दूर से भक्तों का आना-जाना रहता है। लेकिन, महाशिवरात्रि पर यहां पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। अरावली की पहाड़ियों पर दुर्गम रास्ता होने के बाद भी यहां दिल्ली, जयपुर सहित दूर-दराज से श्रद्धालु नीलम के शिवलिंग के दर्शन को पहुंचते हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर में विराजमान शिवलिंग नीलम पत्थर से निर्मित है। मंदिर गर्भगृह सहित नीलकंठ महादेव मंदिर गुंबद पूर्ण रूप से पत्थरों से बना है। इसमें कहीं भी चूना का उपयोग नहीं किया गया है। मंदिर के गर्भगृह एवं गुंबदों पर दुलर्भ देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी गई हैं। मंदिर में नृत्य अवस्था में भगवान गणेश की दुलर्भ प्रतिमा है। इसके अलावा, यहां कई अन्य देवी-देवताओं की दुर्लभ प्रतिमाएं हैं, जो प्राचीन संस्कृति एवं कलाकृति का बेजोड़ नमूना है।

नाथ संप्रदाय करता है पूजा-अर्चना

ऐतिहासिक नीलकंठ महादेव मंदिर की पूजा नाथ संप्रदाय के लोगों की तरफ से की जाती है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि नीलकंठ महादेव मंदिर की स्थापना पांडवों के द्वारा की गई थी, तभी से मंदिर के गर्भगृह में अखंड जोत जल रही है। मंदिर के दर्शन के लिए राजस्थान से नहीं, बल्कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मुंबई, हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों से भक्त आते हैं। यहां श्रावण मास में मेले का माहौल रहता है।मंदिर के पुजारी का कहना है श्रावण मास में मंदिर में नीलकंठ महादेव शिवलिंग का प्राकृतिक रूप दिन में तीन प्रकार के रंग में दिखाई देते हैं। वहीं, इतिहासकारों का मानना है कि नीलकंठ महादेव मंदिर की स्थापना वर्ष 1010 में राजा अजयपाल ने कारवाई थी। अभी इस मंदिर की देख-रेख आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया यानी एएसआई तत्वाधान में चल रही है।

क्या आप भी हैं बढ़ते कर्ज से परेशान तो अपनाएं ये खास टिप्स

कुछ मजबूरियों की वजह से कई बार हमें कर्ज लेने की जरूरत पड़ जाती है। हम कर्ज ले तो लेते हैं परंतु उसे चुका नहीं पाते। चाहे कितना भी प्रयास कर लो फिर भी कुछ न कुछ चुकाना बच ही जाता है, इसलिये आज हम आपको कर्ज के बोझ से कैसे बच सकते है।

कर्ज की किस्त चुकाने के लिए हमेशा मंगलवार के दिन का ही चयन करना चाहिए। इस दिन किसी का पैसा वापस लौटाने से कर्ज जल्दी उतर जाता है। वास्तु के अनुसार, घर के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में बना वॉशरूम भी व्यक्ति पर कर्ज का बोझ बढ़ने वाला है, इसलिए घर की इस दिशा में वॉशरूम का निर्माणन करवाएं।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर या दुकान की उत्तर-पूर्व दिशा में कांच लगाना कर्ज से मुक्ति के लिए अच्छा भी कहा जा रहा है, लेकिन कांच का फ्रेम लाल, सिन्दूरी या मैहरुन रंग का नहीं होना जरुरी है। साथ ही कांच जितना हल्का और बड़े आकार का होगा, आपके लिए उतना ही लाभदायक होने वाला है।

शमी के पौधे में बस बांध दें ये एक चीज

शनि के साथ-साथ राहु के दुष्प्रभाव हो सकते हैं कम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवग्रह का शुभ या फिर अशुभ असर हर राशि के जातकों के जीवन पर पड़ता है। इन्हीं नौ ग्रहों में एक शनि को क्रूर ग्रह माना जाता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शनि को कर्म फल दाता कहा जाता है। धीमी गति होने के कारण यह एक राशि में करीब ढाई साल तक रहते हैं। ऐसे में हर एक राशि के जातकों को अपने जीवनकाल में कभी न कभी शनि की दशा का सामना करना पड़ता है। इसी को शनि की साढ़े साती और ढैय्या के नाम से जानते हैं। शनि साढ़े साती के तीनों चरण कई राशियों के लिए कष्टकारी साबित होते हैं। ऐसे में शनि को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न तरह के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में से एक शमी के पेड़ की पूजा।

शनिदेव से संबंधित है शमी

शास्त्रों के अनुसार शमी का संबंध शनिदेव से हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, शमी का पेड़ घर में लगाने से सुख-समृद्धि के साथ धन-धान्य की बढ़ोतरी होती है। इसके साथ ही घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।

शमी के पेड़ में बांधे कलावा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नियमित रूप से शमी के पेड़ की विधिवत पूजा करने के साथ शनिवार या फिर सोमवार के दिन शमी की टहनी पर लाल रंग का कलावा बांधना चाहिए। कलावा बांधते समय शनिदेव से सुख-समृद्धि, खुशहाली की कामना करते रहें। ऐसा करने से शनि अति प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

तुलसी या मनी प्लांट नहीं, क्रसुला पौधा बदलेगा आपके हालात

इस दिशा में लगाएं क्रसुला

सही दिशा में पौधा लगाने से किस्मत जाग जाती है और चारों तरफ से शुभ समाचार मिलता है। इस पौधे को आप घर या बाहर कहीं भी लगा सकते हैं। घर के मुख्य दरवाजे के दाहिनी तरफ यह पौधा लगाना शुभ होता है। इस पौधे को आप घर की बालकनी में भी लगा सकते हैं। इस पौधे को भूलकर भी दक्षिण दिशा में न लगाएं। ऐसा करने से माँ लक्ष्मी आप पर नाराज़ हो जाएंगी और आपके धन-संपत्ति की की हानि होगी। क्रसुला को मनी ट्री, लकी ट्री के नाम से भी जाना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस पौधे को लगाने से दरिद्रता दूर होती है और परिवार में खुशहाली आती है।

महावीर जयंती : घर-परिवार, मंदिर, संत-महात्मा के सामने अहंकार न करें

निर्मला बैद्य

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाया जाता है। इस बार ये तिथि 3 और 4 अप्रैल को है। जैन पंचांग में महावीर जयंती 3 अप्रैल को बताई गई है। इस वजह से 3 अप्रैल को ये पर्व मनाया जाएगा। महावीर स्वामी का जन्म 599 ईसवी पूर्व महाराज सिद्धार्थ और महारानी त्रिशला के यहां हुआ था। महावीर जी के बचपन का नाम वर्धमान था। उनके जीवन के कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र छिपे हैं। जानिए एक ऐसा किस्सा, जिसमें घमंड से बचने का संदेश दिया गया है...

चर्चित किस्से के मुताबिक, एक राजा महावीर स्वामी के दर्शन करने आया करता था। राजा धनी और घमंडी था। वह जब भी स्वामी के पास जाता, अपने साथ धन, रत्न आदि लेकर आता था। राजा और उसके हाथ में ये चीजें देखकर महावीर स्वामी हर बार राजा से कहते थे कि राजन इन्हें गिरा दो।

महावीर जी की बात मानकर राजा सभी कीमती चीजें वहीं गिरा देता था। ऐसा कई बार हो चुका था। राजा को स्वामी जी की बुरी लगने लगी थी। राजा सोचता था कि एक न एक दिन महावीर जी मेरे उपहार स्वीकार जरूर करेंगे। काफी दिनों तक ऐसा ही चलता रहा।

राजा ने ये बात अपने मंत्री को बताई। मंत्री विद्वान था। उसने राजा को सलाह दी कि राजन इस बार आप सिर्फ फूल लेकर जाएं।

मंत्री की सलाह मानकर राजा सुंदर फूल लेकर महावीर के सामने पहुंच गया। इस बार भी महावीर जी ने कहा कि इन्हें गिरा दो।

ये सुनकर राजा फिर से निराश हो गया। वह फूल वहीं गिराकर लौट गया। उसने मंत्री को ये बात भी

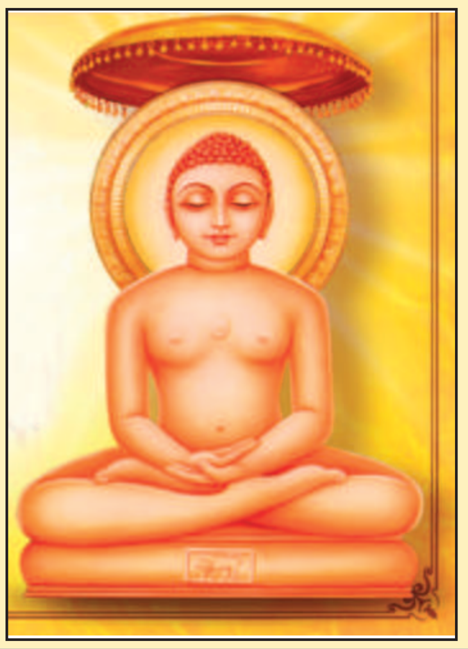

बताई। मंत्री ने इस बार कहा कि राजन इस बार आप खाली हाथ जाएं।

अगले दिन राजा खाली हाथ स्वामी जी के सामने पहुंचा। राजा ने महावीर स्वामी से कहा कि मैं कई दिनों से आपके लिए कीमती चीजें लेकर आ रहा हूं, लेकिन आप हर बार उन्हें गिराने के लिए बोल देते हैं। मैं फूल लेकर आया तो आपने फूलों को भी गिराने के लिए कह दिया। आज मैं खाली हाथ आया हूं। अब आप क्या कहेंगे?

महावीर स्वामी ने मुस्कान के साथ कहा कि राजन अब खुद को गिरा दो। महावीर जी के ये बात सुनकर राजा को समझ आ गया कि ये मेरा अहंकार गिराने की बात कह रहे हैं। राजा ने महावीर स्वामी जी को प्रणाम किया और अहंकार छोड़ने का संकल्प लिया।

महावीर स्वामी की सीख

हमें कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए, खासतौर पर घर-परिवार में, मंदिरों में, संत-महात्मा के सामने अहंकार न करें। इन जगहों पर घमंड से बचेंगे तो जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

जस्टिन बीबर और उनकी वाइफ ने उड़ाया रोजे का मजाक

बुरी तरह भड़कीं गौहर खान; बोलीं- फास्ट रखने के पीछे साइंस है.. मूर्खों वाली बात मत करिए

बिग बॉस 7 की विनर और एक्ट्रेस गौहर खान इंटरनेशनल सिंगर जस्टिन बीबर और उनकी वाइफ हैली बीबर पर बुरी तरह टूट पड़ी हैं। दरअसल जस्टिन और हैली ने रोजा रखने के कॉन्सेप्ट को बकवास बता दिया था। उनका कहना है कि फास्ट रखने से बॉडी को न्यूट्रिशन नहीं मिल पाता है। उनकी इसी बात पर गौहर खान बरस पड़ीं। उन्होंने कहा कि जस्टिन और हैली की ये बात साबित करती है कि वो कितने मूर्ख हैं। गौहर का कहना है कि फास्ट रखने के पीछे साइंस होता है, ये बात शायद जस्टिन और हैली को पता नहीं है।

'फास्ट रखना है तो टीवी और फोन से दूर हो जाना चाहिए'

जस्टिन बीबर और हैली बीबर हाल ही में हिजाब मॉर्डन नाम से एक इंस्टाग्राम पेज पर रोजे को लेकर बात कर रहे थे। जस्टिन ने कहा, 'मैंने कभी फास्ट नहीं रखा है। मुझे लगता है कि हमारी बॉडी को सही से काम करने के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत होती है।'हैली ने उनकी हां में हां मिलाते हुए कहा, 'अगर आपको सच में फास्ट रखना है तो फोन और टीवी को कुछ देर के लिए बंद कर दीजिए। या कुछ देर के लिए शुगर या मिठाई से दूर हो जाइए।'

गौहर ने कहा- ये साबित करती है कि दोनों कितने बेवकूफ हैं

गौहर खान को जस्टिन और हैली की ये बात अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'ये बात साबित करती है कि ये लोग कितने बेवकूफ हैं। फास्ट रखने के पीछे साइंस क्या कहती है इन्हें नहीं पता है। जस्टिन और हैली, आप दोनों थोड़ा समझदार बनिए। ओपिनियन रखना अलग बात है लेकिन इतनी तो जानकारी होनी चाहिए कि किस चीज को कैसे सामने रखना है।'

'आप रोजा नहीं रख सकते तो रोजदारों को खाना खिला दीजिए'

गौहर खान इन दिनों अपने पति जैद दरबार के साथ रोजे रख रही हैं। वो इन दिनों रोजा को लेकर अपना एक्सपीरियंस सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने रोजा रखना जारी रखा है। हाल ही में उनसे पूछा कि क्या प्रेग्नेंट औरतों के लिए रोजा रखना जरूरी है।जवाब में उन्होंने लिखा, 'प्रेग्नेंट महिलाओं से लेकर बीमार व्यक्ति तक, या फिर जो इस दौरान कहीं ट्रैवल कर रहा हो। इन सभी को रोजा रखने में छूट मिली है। आप चाहे तो इसके बजाय जरूरतमंद रोजदारों को खाना खिला सकते हैं।'

मुंबई एयरपोर्ट पर फिर साथ नजर आए राघव-परिणीति

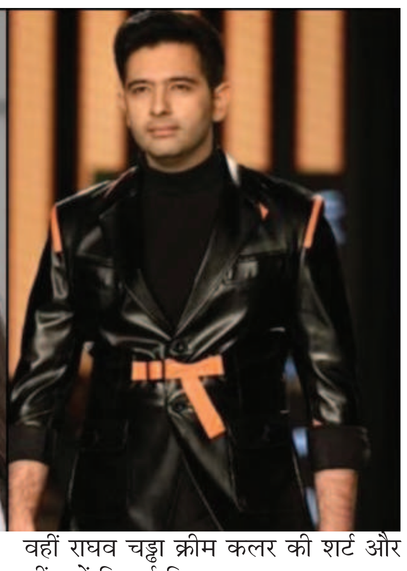

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के अफेयर और शादी की खबरों के बीच दोनों एक बार फिर मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे। परिणीति और राघव मुंबई एयरपोर्ट पर पैपाराजी की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए दिखे। एयरपोर्ट से दोनों सीधे कार की तरफ बढ़ गए।

कैजुअल ओवर-साइज शर्ट में नजर आईं परिणीति

इस दौरान परिणीति ब्लैक टॉप और ब्लू जींस में दिखीं। परिणीति ने टॉप को ओवरसाइज ब्लैक डेनिम शर्ट से स्टाइल किया। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और एक्सेसरीज के तौर पर सिर्फ ग्लास लगाए। वहीं राघव चड्ढा क्रीम कलर की शर्ट और जींस में दिखाई दिए।

हार्डी संधू ने दी थी रिलेशनशिप की बधाई

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की रिलेशनशिप की खबर अभी ऑफिशियल तो नहीं है। लेकिन, कुछ दिनों पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजीव अरोड़ा और सिंगर हार्डी संधु ने दोनों को रिलेशनशिप की बधाई दी थी।

कुछ दिनों पहले परिणीति से एयरपोर्ट पर मीडिया ने पुछा कि आपके रिलेशनशिप की खबरें क्या वाकई में सच है तो परिणीति ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि मुस्कुराते हुए कार में बैठ गईं।

कार्तिक आर्यन के साथ दोबारा काम करना चाहती हैं सारा

आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म की अनाउंसमेंट हो चुकी है। कार्तिक आर्यन को लीड रोल के लिए फाइनल कर लिया है। वहीं फिल्म की लीडिंग लेडी की तलाश जारी है। बीते दिनों खबरें थीं कि आशिकी 3 में कार्तिक के अपोजिट सारा अली खान को कास्ट किया गया है, वहीं अब सारा ने खुद इस फिल्म में कास्ट होने की इच्छा जाहिर की है। साथ ही सारा ने बताया कि मेकर्स ने उन्हें इस रोल के लिए अभी तक अप्रोच नहीं किया है।

मुझे अच्छा लगेगा, अगर मुझे फिल्म ऑफर की जाती है

कनेक्ट FM को दिए इंटरव्यू में सारा ने कहा- मुझे अभी तक आशिकी 3 के लिए अप्रोच नहीं किया गया। अगर मुझे फिल्म ऑफर की जाती है, मुझे अच्छा लगेगा।' इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स ने दावा किया था कि आशिकी 3 के लिए सारा फिल्म मेकर्स के साथ बातचीत कर रही हैं।

कार्तिक के साथ ब्रेकअप पर बोलीं थीं सारा

इससे पहले रणवीर इलाहाबादी के पॉडकास्ट में सारा ने बताया था कि 2020 उनके लिए काफी बुरा रहा था। साल की शुरुआत उनका ब्रेकअप से हुई, जिसके बाद चीजें और भी खराब होती गईं। सारा मानती हैं कि उनके लिए वो साल बहुत बुरा था और उन्हें अपने बारे में सभी चीजें इंटरनेट पर देखने को मिला करती थीं, जो उनके लिए बेहद डिप्रेसिंग था।

लव आज कल में नजर आई थी कार्तिक-सारा की जोड़ी

कार्तिक आर्यन और सारा अली खान साल 2020 में आई फिल्म लव आज कल में साथ नजर आए थे। फिल्म को खास रिस्पॉन्स नहीं मिला, इसके बावजूद फैंस इस जोड़ी को दोबारा साथ देखना चाहते हैं। आशिकी 3 की फीमेल लीड को लेकर असमंजस में हैं, ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि फिल्म में कार्तिक के साथ सारा नजर एक बार फिर रोमांस करती नजर आएंगी।

रवि किशन बोले- जया बच्चन मेरी मां जैसी

भोजपुरी सुपरस्टार और सांसद रवि किशन ने 2021 में पार्लियामेंट में बॉलीवुड में ड्रग्स के सेवन को लेकर एक बहस किया था। रवि ने कहा था कि इंडस्ट्री में लोगों को ड्रग्स का एडिक्शन है, और ये बढ़ता ही जा रहा है। हमें इसे रोकना होगा। उनके इसी स्टेटमेंट पर वेटरन एक्ट्रेस और राज्यसभा सांसद जया बच्चन भड़क गईं थीं।उन्होंने कहा था कि कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। अब रवि ने कहा है कि जया ने उनके स्टेटमेंट का गलत मतलब निकाल लिया था। जया उनकी मां जैसी हैं और वो उनकी बहुत इज्जत करते हैं।

ड्रग्स लेने वालों को जेल भेजना चाहिए- रवि

सुशांत सिंह राजपूत केस में बात सामने आई थी कि बॉलीवुड का एक बड़ा धड़ा बड़े पैमाने पर ड्रग्स का सेवन करता है साथ ही इसकी पैडलिंग भी करता है। इस मामले में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कई लोगों को गिरफ्तार किया और कई बड़े सेलिब्रिटिज से पूछताछ भी की थी। उस वक्त रवि किशन ने संसद में ये मुद्दा उछाला था। उन्होंने कहा था कि बॉलीवुड में ड्रग्स पैडलिंग काफी बढ़ गई है। उन्होंने ये भी कहा कि नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए और ड्रग्स कंज्यूम करने वाले लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए।

'जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं'।

रवि के इस स्टेटमेंट पर जया बच्चन काफी भड़क गईं थीं। उन्होंने अगले दिन राज्यसभा में कहा, 'सिर्फ कुछ लोगों की वजह से आप पूरी इंडस्ट्री को बदनाम नहीं कर सकते। कल लोकसभा में हमारे एक मेंबर जिनका ताल्लुकात फिल्म इंडस्ट्री से ही है। मैं ये देख कर वाकई काफी शर्मिंदा हो गई कि वो इंडस्ट्री के खिलाफ बात कर रहे हैं। ये जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं।' जया ने बिना किसी का नाम लिए कंगना रनोट पर भी निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को इंडस्ट्री ने स्टार बनाया। आज वही इसे गटर बता रहे हैं।

अब शेखर सुमन ने बॉलीवुड के खिलाफ खोला मोर्चा

बोले- ये लोग सांप से भी ज्यादा खतरनाक; नाम लिया तो बेटे का करियर खत्म कर देंगे

प्रियंका चोपड़ा ने जब से बॉलीवुड के खिलाफ स्टेटमेंट दिया है तभी से उनके सपोर्ट में कई एक्टर्स सामने आते दिखाई दे रहे हैं। अब फेमस एक्टर शेखर सुमन ने भी अपना दर्द जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में उन्हें और उनके बेटे अध्ययन सुमन के खिलाफ कुछ लोगों ने गैंग अप किया था। शेखर का कहना है कि बॉलीवुड में एक गैंग चलता है, वो जिसे चाहे उसे बर्बाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका का इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला बिल्कुल सही था।

शेखर के बेटे अध्ययन सुमन को राज 2 में उनके निभाए किरदार के लिए तारीफें मिली थीं बावजूद इसके वो इंडस्ट्री में ज्यादा सर्वाइव नहीं कर सके। शेखर सुमन ने ट्वीट में लिखा, 'मैं बॉलीवुड में ऐसे चार लोगों को जानता हूं जिन्होंने मुझे और अध्ययन को कई प्रोजेक्ट से हटाने के लिए गैंग बना लिया था। उनका यहां बहुत दबदबा है, वो एक सांप से भी ज्यादा खतरनाक हैं। हालांकि वो मेरे रास्ते में चाहे जितनी भी रोड़े पैदा करें। मैं इससे रुकने वाला नहीं हूं। दुनिया की कोई भी ताकत मुझे रोक नहीं सकती। वो मेरे प्रोग्रेस को जरूर कुछ वक्त के लिए रोक सकते हैं, लेकिन मैं एक फाइटर हूं। अंत में जीत मेरी ही होगी।'

'इंडस्ट्री में एक गिरोह बैठा है, वो लोग इंसान को बर्बाद करते हैं''

उन्होंने आगे लिखा, 'प्रियंका ने जो भी कहा है कि वो किसी भी तरह से शॉकिंग नहीं है। क्योंकि सबको पता है कि इंडस्ट्री में जो गिरोह बैठा है वो कैसे काम करता है। वो तुम्हें तब तक परेशान करेंगे जब तक कि तुम पूरी तरह बर्बाद न हो जाओ।

सुशांत सिंह राजपूत के साथ भी यही हुआ था। दूसरों के साथ भी वैसा ही हो सकता है या फिर इसके साथ जीना सीख लो या फिर इसे छोड़कर चले जाओ। प्रियंका ने सही समय पर इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया और आज वो हॉलीवुड के जरिए ग्लोबल आइकन बन गई हैं। भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं।'

'अगर उनका नाम लिया तो बेटे का करियर खत्म कर देंगे'

एक सोशल मीडिया यूजर ने शेखर से पूछा कि वो चार लोग कौन हैं जिसके बारे में वो बात कर रहे हैं। इसके जवाब में उन्होंने लिखा, 'अगर मैंने उनका नाम ले भी लिया तो क्या हो जाएगा। क्या वो अपनी गलती मान लेंगे? बस मीडिया को चलाने के लिए एक खबर मिल जाएगी। लोगों को कुछ दिन सोशल मीडिया पर एंजॉय करने के लिए कंटेंट मिल जाएगा। अगर मैं उनका नाम लेता हूं तो बेटे अध्ययन के करियर को बहुत नुकसान हो सकता है।'

प्रियंका ने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड का रास्ता क्यों चुना, इस बारे में उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बातचीत की। प्रियंका ने कहा कि करियर के पीक पर उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ दी क्योंकि वो बॉलीवुड में होने वाली पॉलिटिक्स से परेशान हो गई थी। उन्होंने कहा, 'मुझे इंडस्ट्री में एक कोने में धकेला जा रहा था। लोग मुझे कास्ट नहीं कर रहे थे। मुझे लोगों से शिकायत थी। मैं उस तरह के गेम खेलने में अच्छी नहीं हूं। मैं पॉलिटिक्स से थक गई थी और मुझे एक ब्रेक की जरूरत थी।'

कई कॉमेडी शोज में जज की भूमिका में दिखाई दिए शेखर सुमन

शेखर सुमन बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1985 में फिल्म उत्सव से की थी। हालांकि वो बड़े पर्दे से ज्यादा छोटे पर्दे पर फेमस हुए। उन्होंने ग्रेट इंडियन लॉफ्टर चैलेंज, डायल वन और जीतो, पोल खोल और कॉमेडी सर्कस जैसै कई शोज जज किए। वहीं उनके बेटे अध्ययन सुमन की बात करें तो उन्होंने राज 2, जश्न और हिम्मतवाला जैसी फिल्मों में काम किया है।

महंगी गाड़ियों की शौकीन हैं रानी मुखर्जी, करोड़ों के घर की हैं मालकिन

रानी मुखर्जी अपनी पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' से दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं. आदित्य चोपड़ा से शादी के बाद फिल्मों में उनकी सक्रियता भले कम हो गई हो, पर उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई. वे अपनी नई फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' से भी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं. वे काफी रॉयल लाइफ जीती हैं. रानी ने शौहरत के साथ भरपूर दौलत भी कमाई है. उन्होंने बॉलीवुड के बड़े-बड़े निर्देशकों और अभिनेताओं के साथ काम किया है. वे कभी बॉलीवुड की सबसे रईस एक्ट्रेस की सूची में आती थीं. 45 साल की रानी ने फिल्मों और विज्ञापनों से काफी पैसा कमाया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वे लगभग 13 मिलियन डॉलर की संपत्ति की मालकिन हैं जो करीब 100 करोड़ रुपये के बराबर है. रानी मुखर्जी फिल्म मेकर आदित्य चोपड़ा के साथ खुशहाल जिंदगी गुजार रही हैं. वे एक बेटी की मां भी हैं. बेटी का नाम अदिरा है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस मुंबई में जिस आलीशान घर में रहती हैं, उसकी कीमत करीब 8 करोड़ रुपये बताई जा रही है. खबरों की मानें, तो रानी मुखर्जी ने मुंबई के पॉश एरिया में लगभग 7 करोड़ रुपये का एक शानदार अपार्टमेंट खरीदा है. लग्जरी गाड़ियों की शौकीन रानी मुखर्जी के पास एक से बढ़कर एक कारें हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनके पास मर्सिडीज बेंज ई क्लास, मर्सिडीज एस क्लास और ऑडी ए8 डब्ल्यू12 जैसी टॉप मॉडल कारें हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है.

प्रभास की एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की नवीन पोलीशेट्टी संग जमी जोड़ी

प्रभास संग बाहुबली के जरिए ग्लोबल एक्ट्रेस बन चुकी साउथ एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी लंबे वक्त बाद सुर्खियों में हैं. इन दिनों वे तेलुगू हीरो नवीन पोलीशेट्टी संग अपनी जादुई कैमिस्ट्री को लेकर चर्चा में हैं. दोनों को साथ देख महेश बाबू भी इंप्रेस हुए हैं और उन्होंने एक बयान भी दिया है.

आपको बता दें कि अनुष्का शेट्टी और नवीन पोलीशेट्टी को लेकर चर्चा में हैं. इसमें दोनों की कैमिस्ट्री ने महेश बाबू को इंप्रेस किया है और उन्होंने अपनी रिएक्शन दिया है.मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी टाइटल की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में दोनों स्टार के सरनेम पर बेस्ड है. फिल्म में अनुष्का शेट्टी एक शेफ की भूमिका में हैं जबकि नवीन एक स्टैंड- अप कॉमेडियन के किरदार में है।महेश बाबू ने इस फिल्म को लेकर कहा, 'जब मैंने अन्विता का किरदार लिखा जो लंदन की एक शेफ और फिल्म की मुख्य महिला है, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि अनुष्का जैसी कोई इस रोल को निभा पाएगी.

जब वह बोर्ड पर आई तो मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था.' जाहिर है, अनुष्का शेट्टी वास्तव में वो थीं जिन्होंने महेश के संपर्क करने से पहले ही फिल्म को करने में दिलचस्पी बयां की थी. निर्देशक के अनुसार, 'शुरुआत में मुझे संदेह हुआ क्योंकि अनुष्का इतनी बड़ी स्टार हैं और मेरी फिल्म नाटकीय दृश्यों की तरह कुछ भी नहीं पेश करती है, जो उन पात्रों को ऊंचा उठाती है जो वो आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं.'

बाहुबली फेम एक्ट्रेस को लेकर महेश बाबू कहते हैं, अनुष्का शेट्टी कहानी से जुड़ी हुई थी और इसके लिए वे पूरी तरह से ओपन थीं. एक बार जब हम सेट पर आ गए, तो मैं किसी और की भूमिका निभाने की कल्पना नहीं कर सकता था. उनके प्रदर्शन को कम करके आंका जाएगा; कुछ ऐसा जो जिसकी मैंने उम्मीद भी नहीं की थी. यह किरदार अनुष्का द्वारा पहले निभाए गए किसी भी किरदार से अलग है.

महेश बाबू का कहना है कि हैदराबाद के एक स्टैंड-अप कॉमेडियन सिद्धू की भूमिका निभाने वाले नवीन पोलीशेट्टी निर्देशक के लिए एक आसान विकल्प थे. यह भूमिका उनके लिए एकदम सही थी, लेकिन हमें अभी भी इस बात पर विचार करना था कि वो और अनुष्का एक साथ कैसे दिखेंगे. हालांकि, पहले फ्रेम से ही हमें पता चल गया था कि ये प्योर मैजिक है. फिल्म एक बूढ़ी औरत और एक जवान आदमी के बीच की कहानी है ।

ऑल व्हाइट लुक में नजर आईं जान्हवी कपूर : पर्ल से जड़े ब्लाउज- व्हाइट लहंगे में दिखीं गॉर्जियस

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपने लुक्स से हमेशा सुर्खियों में रहती है। हाल ही में वह मुकेश अंबानी कल्चर सेंटर की ओपनिंग में पहुंची थीं, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में जान्हवी ऑल व्हाइट लुक में नजर आईं, पर्ल वाले ब्लाउज और व्हाइट लहंगे में वह बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। गले में चोकर और छोटी- छोटी इयररिंग्स इस लुक को खास टच दे रहा है। इस लुक को जान्हवी ने न्यूड मेकअप और ग्लॉसी लिप्स के साथ कम्पलीट किया है। फैंस को उनका ये स्टाइल काफी पसंद आया।

बता दें, जान्हवी जल्दी ही जूनियर एनटीआर की फिल्म से टॉलीवुड डेब्यू करेंगी। इस फिल्म से अपना एक पोस्टर भी जान्हवी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था, जिसमें वह ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रही थीं। फिल्म की रिलीज की बात करें तो 'एनटीआर 30' अगले साल 5 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये जूनियर एनटीआर की पहली सोलो पैन इंडिया फिल्म है, जिसे तेलुगु के साथ-साथ तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा उनके पास 'बवाल', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'मिस्टर एंड मिसेज माही' जैसी कई बॉलीवुड फिल्में हैं, जिसमें वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी

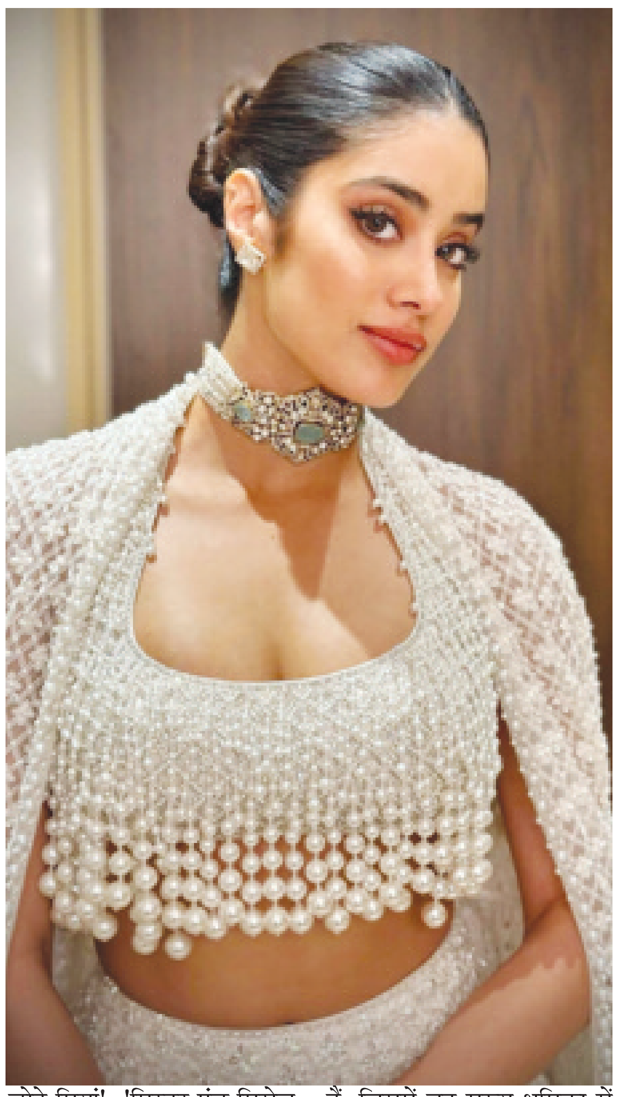

क्या आप फैशन ब्लॉगर बनना चाहते हैं? ये टिप्स आएंगे आपके काम

सोशल मीडिया के कारण इन्फ्लुएंसर बनना आसान हो गया है. छोटे बच्चे हों या उम्रदराज लोग, आज कल सभी का सोशल मीडिया अकाउंट बना हुआ है, जिसके जरिए वे पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं. छोटे बच्चों की क्यूट वीडियोज भी वायरल होती रहती हैं. उसी तरह आपने कई सारे लोगों को फैशन टिप्स देते भी देखा होगा, जिनमें से कुछ लोगों की पोस्ट और वीडियोज बहुत बेहतरीन होती हैं और उन पर लोग जमकर कमेंट भी करते हैं. वहीं कुछ लोगों के पास अच्छा फैशन सेंस तो जरूर होता है लेकिन रीच अच्छी नहीं होती.

आप भी अगर इसी डिजिटल भीड़ का हिस्सा हैं लेकिन बतौर फैशन इन्फ्लुएंसर अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं तो आपकी इस मुश्किल का समाधान हमारे पास है. आप बस खुद पर भरोसा रखें और अपनी काबीलियत पर शक न करते हुए कुछ आसान टिप्स को फॉलो करें ताकि आप एक सफल फैशन ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर बन सकें.

फैशन ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर बनने के लिए करें ये टिप्स फॉलो

आपको फैशन ब्लॉगर बनने के लिए खूब रिसर्च करनी पड़ेगी. आपको ये भी पता करना होगा कि आप फैशन इंडस्ट्री में रह कर भी क्या अलग कर सकते हैं.

ब्लॉगर बनने के लिए आपको अपने ब्लॉग, अपने ब्रैंड का यूनीक नाम सोचना पड़ेगा. साथ ही डोमेन नेम भी सोचना होगा.

आपको उस नाम को सर्च इंजन्स पर भी सर्च करना होगा और देखना होगा कि वो नाम सर्च में आता है या नहीं या पहले से ही किसी ने उस नाम से ब्लॉग तो नहीं बनाया.

इसके बाद आपको अपने ब्लॉग के लिए डिजाइन और थीम चुननी होगी. आप फैशन ब्लॉग शुरू करने जा रहे हैं तो उसी पर आधारित थीम रखें.

आपको एक अच्छा ब्लॉगिंग प्लेटफार्म चुनना होगा. ये प्लेटफार्म्स फ्री और पेड, दोनों ही तरह से इंटरनेट पर उपलब्ध हैं. आपको अपने कंटेंट को अच्छा और मजेदार बनाना होगा. नियमित तौर पर ब्लॉगिंग करें.

फैशन एक्सपेरिमेंट्स करें और आसान भाषा में उसके बारे में लोगों को बताएं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपने ब्लॉग का प्रचार करें.

इंस्टाग्राम रील्स, ट्विटर, फेसबुक आदि पर आप ऐसा आसानी से कर सकते हैं. सोशल मीडिया पर जरूरी हैशटैग्स का इस्तेमाल करें.

इंडस्ट्री से जुड़े जाने-माने लोगों को टैग करें. दूसरे फैशन ब्लॉगर्स के पोस्ट पैटर्न को समझने की कोशिश करें. सबसे जरूरी, हार न मानें.

बनानी है अपनी अलग पहचान तो जल्द से जल्द अपनाएं ये टिप्स

आज के समय में हर कोई अलग पहचान बनाना चाहता है. इसके लिए जिसके बहुत सी ऐसी आदतें है जिन्हे अपनाकर अलग पहचान बनाते हैं. यही कुछ आदतें हैं जो लोगों को खास बनाती हैं. आज हम आपको उन्हीं आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं. हम रोज बहुत से लोगों से मिलते हैं लेकिन उनमें से बहुत ही कम लोग होते हैं जो हमें याद रहते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुछ खास आदत जो आपको उनकी अच्छी लग जाती है.

कुछ व्यक्ति कई लोगो से अलग होते हैं ऐसे लोगो को सब याद रखते हैं. क्योंकि ऐसे लोग पर्सनल लाइफ में भी काम आ सकते हैं जिसका फायदा भी आप लें सकते हैं. करियर में ऐसे बहुत से मौके आते हैं जिनके लिए आपको इन लोगो की जरूरत पढ़ सकती है, जो आपको सफलता की ओर ले जा सकते हैं. कौन सी हैं वो बातें जिन्हें फॉलो करके या अपनी आदत में शुमार करके बेहतर इंसान बना जा सकता है.

अपनी खुद की राय देना : बहुत से लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दबाव में न आ कर अपनी खुद की राय देते हैं. अगर सारी जनता किसी एक बात के लिए सहमति दिखाती है तब भी वो उनसे अलग अपना निर्णय लेते हैं. यह हिम्मत हर किसी में नहीं होती क्योकि जनता के सामने उनकी परवाह किए बिना अपने विचार रखना बहुत बड़ी बात मानी जाती है.

दूसरों के लिए जजमेंटल न होनाः बहुत अच्छी बात जब लोग किसी और को जज नहीं करते. यह खूबी हर किसी में नहीं होती. यही वजह है कि दूसरे क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं, इस पर अपनी राय नहीं देते हैं, ऐसे लोग समझदार होने के साथ दूसरों को भी समझते हैं.

किसी और पर नहीं निर्भर करती अपनी खुशी : आपकी खुशी दूसरों की राय पर निर्भर नहीं होनी चाहिए. जब अपने हिसाब से रहना हो आप रहें, लाइफ एंजॉय करें. ऐसे लोग अपने में खुश रहना जानते हैं. अगर आप भी ऐसे हैं तो मुमकिन है कि आप दूसरों से अलग हैं.

आज के लिए जीना : जो लोग दूसरों से अलग होते हैं अक्सर वो आज में जीते हैं. ज़्यादातर लोग या तो अपने पास्ट को लेकर परेशान होते हैं या अपने भविष्य की चिंता करते हैं. लेकिन बहुत कम लोग ऐसे हैं जो आज में जीते हैं. आप भी ऐसे बनिए, दूसरों से अलग दिखेंगे. खुश रहेंगे.

लाखों में करनी है कमाई तो करें ये कोर्स

अच्छी नौकरी करना चाहते हैं तो ऐसा कोर्स करे जिसमें आपको सीखने के साथ कमाई भी अच्छी हो सक. अनुभवी लोगों की जरूरत तो हमेशा से ही मार्केट में होती है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे कोर्स के बारे में बताने जा रहे है जो आपके बेहतर भविष्य के लिए सही साबित हो सकते हैं.

इंटीग्रेशन विथ जॉब मार्केटः

आज के समय में पढ़ाई को थ्योरी में बदल दिया गया है जिससे जॉब मार्केट के हिसाब से नई सोच और विषयों पर कम ध्यान दिया जा रह है. जिसकी वजह से जॉब न मिलने के भी आसार नजर आ रहे हैं. इन्हीं सब कमियों को देखते हुए आज के समय में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाये जा रहे हैं. जो छात्रो को आज के हिसाब से जरूरी स्किल सीखने में मदद कर सकते हैं.

2. मेडिकल कोडरः इस कोर्स के लिए हाई स्कूल डिप्लोमा पास हो. एक कोडिंग प्रमाण के साथ आप इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं. इस क्षेत्र में डॉक्टरों के कार्यालयों, अस्पतालों और पुनर्वसन सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर मेडिकल कोर्स रिपोर्ट और बिल बीमा बनाने का काम किया जाता है.

3. एयर ट्रैफिक कंट्रोलरः एयर ट्रैफिक कंट्रोलर का प्राथमिक उद्देश्य टकरावों को रोकना, हवाई यातायात के प्रवाह को व्यवस्थित और तेज करना होता है. इसके अलावा पायलटों के लिए सूचना और अन्य सहायता प्रदान करना है. कुछ देशों में, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर एक सुरक्षा या रक्षात्मक भूमिका निभाता है. इस क्षेत्र में जाने के लिए 12वीं विज्ञान से पास हो. साथ ही हर साल भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा आयोजित हवाई यातायात नियंत्रक प्रवेश परीक्षा को पास करना होता है.

4. रियल एस्टेट : रियल एस्टेट ब्रोकर बनने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, जिसमें एक परीक्षा पास करनी होगी. इस परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रो को सर्टिफिकेट प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं. इसके पाठ में रियल एस्टेट सिद्धांत, व्यापार कानून, संपत्ति प्रबंधन जैसे नाम शामिल हैं. खासतौर पर रियल एस्टेट का काम बड़ी बिल्डिंग बनवाकर इसे मोटी कीमत में बेचने का काम करता है.

5. साइबर सुरक्षा : साइबर सिक्योरिटी के अंतर्गत एथिकल हैकर्स की एक बड़ी टीम होती है, जो आपका डेटा चोरी होने, डेटा डिलीट होने या आपके किसी भी डिवाइस को नुकसान होने से बचाते हैं. इसे इनफार्मेशन सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी के नाम से भी जाना जाता है.

6. फ्लाइट अटेंटेंड : एक फ्लाइट अटेंडेंट की भूमिका यात्री जहाजों या यात्री ट्रेनों में समान स्थिति से प्राप्त होती है. इसके अतिरिक्त, एक फ्लाइट अटेंडेंट का काम परिवहन के अन्य रूपों पर समान कर्मचारियों की तुलना में काफी हद तक सुरक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है. फ्लाइट में सवार फ्लाइट अटेंडेंट सामूहिक रूप से एक केबिन क्रू बनाते हैं, जो कॉकपिट में पायलटों और इंजीनियरों से अलग होता है.

गर्मियों में सही प्रिंट और कलर से पाएं स्टाइलिश लुक

फैशन भी मौसम के हिसाब से समय-समय पर बदलता है। अब गर्मियों के मौसम ने दस्तक दे दी है, जिससे गर्मियों के हिसाब से फैशन में भी बदलाव आने लगा है। खासकर लड़कियों के लिए हर मौसम खास होता है। ऐसे में आपको आज हम देंगे कुछ फैशन टिप्स। गर्मियों के हिसाब से क्या पहनें और कैसे कपड़े चुनें

सफेद रंग चुनें सबसे पहले-

गर्मियों के मौसम में अपने वॉर्डरोब में सफेद (व्हाइट) कलर के आउटफिट जरूर रखें। इस मौसम में सफेद रंग की बात ही अलग होती है साथ ही ये तेज धूप में चुभता भी नहीं है। सफेद रंग की शॉर्ट ड्रेस, मैक्सी ड्रेस, लखनवी सूट, अनारकली, साड़ी, शर्ट, पेंसिल स्कर्ट, ट्राउजर आदि आप ट्राई कर सकती हैं।

प्रिंट का रखें खास ख्याल-

गर्मियों में फ्लोरल प्रिंट ज्यादा पसंद किया जाता है। वैसे तो ये प्रिंट बरसात के मौसम में भी पसंद किया जाता है, लेकिन गर्मियों के समय में लाइट कलर के साथ फ्लोरल प्रिंट कूल लुक देता है। फ्लोरल के अलावा चेक्स, स्ट्राइप्स, ज्योमैट्रिक प्रिंट्स भी आजमाए जा सकते हैं।

कंफर्टेबल हो ड्रेस-

गर्मियों के मौसम में पसीना बहुत आता है इसलिए कोशिश करें कि चुस्त और टाइट फिटेड कपड़े अवॉइड करें। ऐसे में कंफर्टेबल कपड़े पहनने से आपको सुकून मिलेगा। शॉर्ट ड्रेस, मैक्सी ड्रेस, कॉटन टी-शर्ट, प्लाजो, लॉन्ग कुर्ती, प्लीटेड स्कर्ट, व्हाइट शर्ट या लिनेन जैकेट, एसिमिट्रिकल टॉप, कॉटन साड़ी आदि समर के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं।

इवनिंग पार्टी के लिए चुनें ड्रेस-

वैसे तो पार्टी में अक्सर ब्लैक रंग ही पसंद किया जाता है, लेकिन गर्मियों के मौसम में आप कुछ अलग और हटकर पहन सकती हैं। इसमें आप गोल्ड या सिल्वर रंग को भी ट्राई कर सकती हैं। इवनिंग पार्टी के लिए शिफॉन, जॉर्जेट रॉ सिल्क की वन शोल्डर, ऑफ शोल्डर वाली शॉर्ट ड्रेस या मैक्सी ड्रेस भी पहन सकती हैं।

वेडिंग लुक पर दें ध्यान-

गर्मियों के मौसम में शादी के मौके पर भारी ड्रेस और डार्क कलर पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसलिए इस दौरान गोल्ड व सिल्वर के साथ ही ऑलिव ग्रीन, पिंक, पीच जैसे पेस्टल कलर भी पहन सकती हैं। इन रंगों की अनारकली ड्रेस, लहंगा-चोली, ट्रेडिशनल गाउन या साड़ी पहनी जा सकती है।

इनकम टैक्स ऑफिसर कैसे बनें? कौन सी परीक्षा होगी, कितनी होगी सैलरी?

सरकारी नौकरी में इनकम टैक्स ऑफिसर की काफी ओहदे वाली नौकरी होती है. इस लोकप्रिय नौकरी को पाने के लिए हर साल हजारों युवा आवेदन करते हैं और इसकी तैयारी करते हैं. इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए युवा अभ्यर्थियों को कड़ी मेहतन के साथ लगन से तैयारी करनी होती है. हम बताने जा रहे हैं कि इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए क्या जरूरी योग्यता है और इसमें कितनी सैलरी मिलती है.

इनकम टैक्स ऑफिसर बनने के लिए दो तरीके हैं. युवा अभ्यर्थी यूपीएससी यानी सिविल सेवा परीक्षा या एसएससी सीजीएल के लिए आवेदन कर सकते हैं. इन दोनों में किसी भी एक परीक्षा को पास करने वाले अभ्यर्थी इनकम टैक्स ऑफिसर बनने की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं. हालांकि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को इस बात का ध्यान रखना होता है कि यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स अधिकारी बनने के लिए उन्हें इंडियन रेवेन्यू ऑफिसर का ऑप्शन चुनना होगा. आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू की प्रक्रिया में शामिल होना होता है.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए जरूरी योग्यता

उम्मीदवारों के पास इनकम टैक्स अधिकारी के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री अनिवार्य रूप से होनी चाहिए. इसके साथ ही आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए.

इनकम टैक्स अधिकारी के लिए उम्र सीमा

SSC CGL के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की उम्र 17 से 30 साल के बीच होनी चाहिए. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 33 वर्ष हो सकती है. वहीं यूपीएससी परीक्षा के लिए 21 से 32 साल के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. इसमें आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र 37 वर्ष हो सकती है.

इनकम टैक्स अधिकारी की सैलरी

इनकम टैक्स अधिकारी की शुरूआती सैलरी 40 से 60 हजार तक होती है. इसके साथ कई तरह की सुविधाएं भी मितली हैं. समय के साथ ये सैलरी बढ़ती जाती है.

गर्मियों में सनग्लास बचाएंगे धूप से और दिखेंगे स्टाइलिश

गर्मी के दिनों में धूल और धूप से बचने के लिए हम तरह तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं. इन्हीं में से एक जरूरी चीज है सनग्लास. यह हमारी आंखों और आसपास की स्किन को यूवी किरणों से प्रोटेक्ट करने का काम करता है. अगर आप सही सनग्लास चुनें तो ये आपके पर्सनैलिटी में भी चार चांद लगाने का काम करता है. ऐसे में अगर आप नया सनग्लास खरीदने वाले हैं तो कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करें. इनकी मदद से आप बेहतर सनग्लास खरीद सकेंगे और खरीदने के बाद किसी तरह का पछतावा भी नहीं होगा.

इस तरह चुनें सही शेप-

सनग्लास खरीदते समय आपको अपने फेस के शेप को भी ध्यान में रखना जरूरी होता है. मसलन, राउंड चेहरे पर प्वाइंटेड, रेक्टेंगुलर और स्क्वेयर सनग्लास सूट करता है. इसी तरह ओवल चेहरे पर एविएटर और रिफ्लेक्ट ग्लासेस अच्छी लगती है. ऐसे फेस वाले आसानी से रेक्टेंगुलर, ओवल या राउंड फ्रेम पहन सकते हैं. स्कायर फेस है तो आप कलर फ्रेम वाले ग्लासेस, ओवल, राउंड और टियर ड्रॉप शेप वाले फ्रेम, फ्रेमलेस और कैट आई सनग्लासेस को बिना सोचे खरीद सकते हैं. एविएटर्स भी इन पर अच्छा लगेगा. हार्टशेप फेस पर एविएटर्स, फ्रेमलेस ग्लासेस, न्यूट्रल कलर फ्रेम्स और यहां तक कि छोटे फ्रेम्स भी अच्छे लगेंगे. जबकि ट्राएंगुलर फेस पर राउंड ग्लासेस, एविएटर्स, कैट आई ग्लासेस और ट्रांसपेरेंट या फ्रेमलेस ग्लासेस अच्छा लगता है.

फ्रेम का मेटेरियल हो सही

अगर आप समर के लिए सनग्लास खरीद रहे हैं तो फ्रेम का मेटेरियल भी आपको सोच समझ कर चुनना चाहिए. अगर आप हेवी सनग्लास खरीदते हैं तो इससे पसीना आने की संभावना बढ़ जाएगी. गॉगल्स फ्रेम का मेटीरियल अपने कंफर्ट के हिसाब से ही चुनें. दरअसल, स्टील के फ्रेम धूप में गर्म होकर आपकी स्किन को जला सकती है या दाग छोड़ सकती है. इसलिए बेहतर होगा कि आप पॉलीकार्बोनेट, प्लास्टिक या नायलॉन टाइटेनियम का फ्रेम ही चुनें.

सही हो फ्रेम का साइज

आप जब भी सनग्लास खरीदें तो यह जरूर ध्यान दें कि फ्रेम आपके चेहरे के साइज के लिए सही हो. अगर ये बड़ा होगा तो ढ़ीला लगेगा और छोटा होगा तो अनकंफर्टेबल लगेगा. इसलिए हमेशा सनग्लास को पहनकर जरूर चेक करें और झुककर देखें कि ये गिर तो नहीं रहा.

शिक्षक बनने के लिए क्या होनी चाहिए योग्यता

टीचर बनने के लिए 40 साल की उम्र तक के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. टीचर बनने के लिए 40 साल की उम्र तक के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. सरकारी नौकरी के तौर पर शिक्षक का प्रोफेशन काफी पसंद किया जाता है.

सरकारी नौकरी के तौर पर शिक्षक का प्रोफेशन काफी पसंद किया जाता है. इसमें सम्मान के साथ सैलरी भी अच्छी मिलती है. कई स्टूडेंट 12वीं की परीक्षा पास करके ही शिक्षक बनने का सपना देखने लगते हैं. ऐसे में आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से बताने जा रहे हैं कि केंद्र और राज्य सरकार में शिक्षक बनने के लिए क्या योग्यता होनी चाहिए. इस योग्यता के साथ ही अभ्यर्थियों को आवेदन की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए.

बता दें कि किसी भी प्रतिभागी के पास शिक्षक बनने के लिए B.Ed, TET या CTET का सर्टिफिकेट अनिवार्य रूप से होना चाहिए. इसके साथ ही अभ्यर्थियों को यह तय करना चाहिए कि उन्हें किस क्लास तक के स्टूडेंट को पढाना है. इसी आधार पर उन्हें आवेदन करना चाहिए.

इन तीन ग्रेड के लिए कर सकते हैं आवेदन

टीचर बनने के लिए गवर्नमेंट की तरफ से टीचिंग के लिए तीन ग्रेड तय किए गए हैं. इन तीनों ग्रेड को प्राइमरी टीचर यानि पीआरटी, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर यानि टीजीटी और पोस्ट ग्रेजुएट टीचर यानि पीजीटी में बांटा गया है. ऐसे में आवेदन करने के पहले योग्यता और चयन प्रक्रिया जान लेना चाहिए.

टीचर की सैलरी

केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक की बात करें तो तो बेसिक सैलरी के रूप में लेवल -8 के तहत 52000/- रुपये मिलता है. इसके साथ महंगाई भत्ता, परिवहन भत्ता, डीए, घर का किराया भत्ता जैसी कई सुविधाएं मिलती हैं.

टीचर बनने के लिए उम्र

टीचर बनने के लिए हर स्तर पर उम्र का अलग क्राइटेरिया है. प्राथमिक स्तर के लिए अप्लाई करने वालों की उम्र 18 से 35 साल के बीच होनी चाहिए. जबकि टीजीटी ग्रेड और पीजीटी दोनों ग्रेड के लिए 21 से 40 साल के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. हालांकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट का प्रावधान है.

कॉर्पोरेट कानूनों में बार-बार संशोधन उन्हें और मजबूत बनाने के लिए है- वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को कॉर्पोरेट कानूनों में संशोधन के लिए बार-बार संसद जाने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, क्योंकि यह उन्हें ठीक करने और इन कानूनों को और मजबूत बनाने के लिए है। प्रक्रिया को जोड़ने का उद्देश्य कानूनों को चुनौतियों के साथ-साथ उद्योग की हमेशा बदलती आवश्यकताओं को पूरा करना है।

वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानूनों में संशोधनों के बारे में कही बड़ी बात

निर्मला सीतारामन ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य बार-बार संसद जाने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाते थे लेकिन सरकार उन्हें कॉर्पोरेट कानूनों में इस तरह के लगातार संशोधन की आवश्यकता के बारे में समझाने में सक्षम है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में रिक्तियों को भरने के बारे में कुछ तिमाहियों में नाराजगी को गंभीरता से लिया था और अब बहुत सारी नियुक्तियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य देश को अपनी व्यावसायिक गतिविधियों में और अधिक पारदर्शी बनाना और निवेशकों का पूर्ण रूप से विश्वास हासिल करना था। मंत्री ने कहा कि सरकार इसे हासिल करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में भारत की बड़ी छलांग

एनसीएलएटी के चेयरमैन अशोक भूषण ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में भारत अब दुनिया में 62वें स्थान पर है जो 2015 में 142वें स्थान पर था। उन्होंने कहा कि न्यायाधिकरणों द्वारा वाणिज्यिक मामलों के समय पर और प्रभावी निपटान से सभी हितधारकों को मदद मिली है। एनसीएलएटी के अध्यक्ष ने मंत्री से अपीलीय निकाय की चेन्नई पीठ में एक और न्यायिक और तकनीकी सदस्य नियुक्त करने का भी अनुरोध किया। एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य एम वेणुगोपाल ने कहा कि एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने 25 जनवरी, 2021 को इसकी स्थापना के बाद से दायर की गई 1,480 अपीलों में से 562 का निस्तारण किया।

गूगल का लागत में कटौती अभियान, कर्मचारियों के कई भत्तों को खत्म करने की तैयारी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। टेक दिग्गज कंपनी गूगल के कर्मचारियों के लिए आने वाला महीना मुश्किल भरा हो सकता है। गूगल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) रूथ पोराट के एक लीक मेमो से पता चला है कि गूगल लागत में कटौती के उपायों की एक श्रृंखला शुरू करने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर 3,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद आने वाले महीनों में गूगल यह कदम उठाने जा रहा है। पोराट की ओर से 31 मार्च को गूगल कर्मचारियों को भेजे गए एक ज्ञापन में उन्हें सूचित किया गया है कि लागत में कटौती अभियान के तहत, कंपनी कई तरह के भत्तों को कम करेगा।

क्या कहता है मेमो?

मेमो के अनुसार, गूगल अपने कुछ माइक्रो किचन को बंद कर देगा; ये वो माइक्रो किचन हैं जहां कर्मचारियों को मुफ्त स्नैक्स और पेय पदार्थ मिलते हैं, जबकि कुछ ऑन-कैंपस कैफे उन दिनों बंद किए जा सकते हैं जब इनमें कम भीड़ देखी जाती है। माउंटेन व्यू-मुख्यालय फर्म ने कहा कि यह भोजन की बर्बादी को कम करेगा और पर्यावरण के लिए बेहतर होगा। इसके अतिरिक्त, फिटनेस कक्षाओं के कार्यक्रम में बदलाव किया जाएगा और कंपनी द्वारा प्रदान किए गए उपकरण जैसे लैपटॉप पर खर्च कम किया जाएगा। मेमो में कहा गया है कि उपकरण पर होने वाले खर्च कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण खर्च है, इसमें कटौती के जरिये हम यहां सार्थक रूप से बचत करने में सक्षम होंगे।

गूगल का बयान

गूगल ने अपने एक बयान में बदलावों की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि जैसा कि हमने सार्वजनिक रूप से कहा है, हमारा लक्ष्य तेज रफ्तार और दक्षता के माध्यम से स्थायी परिवर्तन करना है।इसलिए हम प्रमुख उद्योगों में मिलने वाले भत्तों, लाभों और सुविधाओं की पेशकश जारी रखते हुए, अपने संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधक बने रहने में मदद करने के लिए कुछ व्यावहारिक परिवर्तन कर रहे हैं।

छठे दौर की नीलामी में इस्पात, सीमेंट कंपनियों को मिले सबसे ज्यादा कोयला ब्लॉक, एक लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कोयला ब्लॉकों की नीलामी के छठे दौर में इस्पात, बिजली और सीमेंट कंपनियों ने सबसे अधिक खानें हासिल की हैं। एक आधिकारिक नोट के अनुसार, जेएसडब्ल्यू स्टील ने छत्तीसगढ़ में बनई और भालुमुंडा खान, झारखंड में परबतपुर सेंट्रल और सीतानाला खान की है। वहीं जबकि जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने मध्य प्रदेश में मारवाटोला - छह खदान हासिल की है। जिंदल पावर ने छत्तीसगढ़ में स्थित गारे पाल्मा सेक्टर-एक, गारे पाल्मा चार/2 और गारे पाल्मा चार/3 कोयला खदानें जीती हैं। रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड ने ओड़िशा में सखीगोपाल-बी कांकीली और छेंडीपाड़ा (संशोधित) ब्लॉक और झारखंड में चोरिटांड तिलियाया खान हासिल की है। इन खानों के परिचालन में आने से एक लाख रोजगार के अवसरों का सृजन होने की उम्मीद है।

अंबुजा सीमेंट्स को महाराष्ट्र में मिला ब्लॉक

आरसीआर स्टील वर्क्स ने झारखंड में स्थित पाताल ईस्ट (पूर्वी भाग) ब्लॉक जीता है जबकि उड़ीसा मेटलर्जिकल इंडस्ट्री ने पश्चिम बंगाल में कागरा जॉयदेव खदान हासिल की है। सीमेंट कंपनियों अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र में दाहेगांव-गोवारी खान हासिल की है, जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट को मध्य प्रदेश में अर्जुनी ईस्ट ब्लॉक मिला है। डालमिया सीमेंट (भारत) ने मध्य प्रदेश में मंडला नार्थ, रामा सीमेंट इंडस्ट्रीज को मध्य प्रदेश में 1 मारवाटोला - सात और श्री सीमेंट ने छत्तीसगढ़ में दतिमा खान हासिल की है। इस सूची के अनुसार, सीजी नैचुरल रिसोर्सेज ने छत्तीसगढ़ में पुरुंगा खदान और एमएच नैचुरल रिसोर्सेज ने महाराष्ट्र में माधेरी खदान नार्थ-वेस्ट हासिल की है। कोल पुल्ज को अरुणाचल प्रदेश का नामचिक नामफुक ब्लॉक मिला है, जबकि महावीर कोल इंडस्ट्रीज ने मध्य प्रदेश में डोंगेरी ताल- दो ब्लॉक हासिल किया है।

29 मार्च को छठे दौर की नीलामी हुई

इसी तरह समलोक इंडस्ट्रीज ने महाराष्ट्र में कलांबी कलमेश्वर (पश्चिमी भाग) और एमपी नैचुरल रिसोर्सेज ने मध्य प्रदेश में गोंडबेरा उझेनी ब्लॉक हासिल किया है। गुजरात खनिज विकास निगम (जीएमडीसी) ने ओड़िशा में बुरापहाड़ और वैतरणी पश्चिम खदानें जीती हैं। झारखंड में श्रीसत्य माइंस ने बुराखाप स्मॉल पैच खान और असम खनिज विकास निगम (एएमडीसी) ने बिंजा कोयला ब्लॉक हासिल किया है। गंगा खनिज को मध्य प्रदेश का अर्जुनी वेस्ट ब्लॉक मिला है। कोयला मंत्रालय ने 29 मार्च को छठे दौर की नीलामी के तहत दी गई 29 कोयला खानों के लिए करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

बेरोजगारी दर तीन माह के उच्चस्तर 7.8% पर, फरवरी में यह 7.45 फीसदी थी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बेरोजगारी दर मार्च में तीन महीने के उच्चस्तर 7.8 फीसदी पर पहुंच गई। यह देश के श्रम बाजार में गिरावट के चलते हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी पर केंद्र (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले साल बेरोजगारी दर 8.30 फीसदी हो गई थी, लेकिन इस साल जनवरी में यह घटकर 7.14 फीसदी पर आ गई थी। हालांकि यह फरवरी में फिर से बढ़कर 7.45 प्रतिशत हो गई थी। सीएमआईई के शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, मार्च के दौरान शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 8.4 फीसदी, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह 7.5 फीसदी रही। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक महेश व्यास ने बताया कि मार्च 2023 में भारत के श्रम बाजारों में गिरावट आई। इसके चलते बेरोजगारी दर फरवरी के 7.5 फीसदी से बढ़कर मार्च में 7.8 फीसदी हो गई।

रिकॉर्ड हाई लेवल पर भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट, 16000 करोड़ रुपये का हथियार और गोला-बारूद किए निर्यात

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट लगभग 16,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है, जिसमें सबसे ज्यादा योगदान प्राइवेट सेक्टर का है. पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार 3 हजार करोड़ रुपये का ज्यादा निर्यात किया गया है. भारत में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 15,920 करोड़ रुपये के सैन्य हार्डवेयर यानी गोला-बारूद और हथियारों का निर्यात किया है। साल 2016-17 से डिफेंस सेक्टर का एक्सपोर्ट 10 गुना ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया के लिए उत्साह में बढ़ोतरी और क्षेत्र में विकास में हुए बदलाव को जिम्मेदार माना है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि भारत अब 85 से ज्यादा देशों को निर्यात कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय उद्योग ने वर्तमान में डिफेंस प्रोडक्टर्स का एक्सपोर्ट करने वाली 100 कंपनियों के साथ दुनिया भर में डिजाइन और विकास की अपनी क्षमता दिखाई है। बयान में कहा गया है कि बढ़ता डिफेंस एक्सपोर्ट और एयरो इंडिया 2023 में 104 देशों की भागीदारी भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण क्षमताओं का प्रमाण है।

किन-किन प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट कर रहा भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रिकॉर्ड डिफेंस एक्सपोर्ट को देश की उल्लेखनीय उपलब्धि करार दिया है। मंत्री ने अपने ट्वीट में जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डिफेंस सेक्टर में एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है। मौजूदा समय में भारत डॉर्नियर-228, 155 मिमी एडवांस्ड टोएड आर्टिलरी गन्स, एटीएजी, ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल सिस्टम, रडार, सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल, आर्मर्ड व्हीकल, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, गोला-बारूद, थर्मल इमेजर्स, बॉडी आर्मर्स, सिस्टम के अलावा, लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स आदि का एक्सपोर्ट कर रहा है।

टॉप कैटेगरी में भारत

डिफेंस एक्सपोर्ट के मामले में भारत प्रमुख देशों में से एक रहा है। आज के समय भारत 8वां सबसे बड़ा आयातक देश है। ये 85 से ज्यादा देशों में सैन्य उत्पाद सप्लाई करता है। दुनिया में भारत के डिफेंस प्रोडक्ट की एक खास पहचान है।

अडानी ग्रुप में लगे पैसे की बदौलत मार्च में बढ़ा विदेशी निवेश

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में डाले 7,936 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लगातार दो महीने तक निवेश निकालने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार में 7,936 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में पैसा लगाने से एफपीआई का निवेश मार्च में सकारात्मक रहा है।

क्या कहते हैं आर्थिक जानकार

जीएलसी वेल्थ एडवाइजर एलएलपी के को- फाउंडर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) संचित गर्ग ने कहा कि यदि अडाणी समूह की कंपनियों में आए निवेश को निकाल दिया जाए, तो मार्च में एफपीआई का शुद्ध निवेश नकारात्मक हो जाएगा। इसका आशय है कि मार्च में भी एफपीआई बिकवाल ही रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का सतत बिकवाली का सिलसिला समाप्त होता दिख रहा है। पिछले कुछ सत्रों से वे लिवाल बन गए हैं।

वित्तीय एक्सपर्ट्स की सलाह

विजयकुमार ने कहा, एफपीआई के लिए निकट भविष्य का दृष्टिकोण अब और अधिक सकारात्मक दिखता है। भले ही भारतीय मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक बना हुआ है, लेकिन हाल के समय में बाजार में जो 'करेक्शन' हुआ है उससे अब मूल्यांकन कुछ ठीक हो गया है। उन्होंने कहा कि निर्यात में बढ़ोतरी की वजह से चालू खाते के घाटे (कैड) की स्थिति सुधरी है। ऐसे में एफपीआई आगे संभवतः आक्रामक तरीके से बिकवाली नहीं करेंगे।

आगे भारतीय रुपये के स्थिर रहने की संभावना

उन्होंने कहा कि बीते वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा 4,4 फीसदी था। तीसरी तिमाही में चालू खाते का अधिशेष रहा है। इसलिए आगे चलकर भारतीय रुपये के स्थिर रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने मार्च में भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 7,396 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 5,294 करोड़ रुपये और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपये की निकासी की थी। दिसंबर, 2022 में भी एफपीआई ने शुद्ध रूप से 11,119 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

एफपीआई ने लोन या बॉन्ड बाजार से भी निवेश निकाला

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने लोन या बॉन्ड बाजार से भी 2,505 करोड़ रुपये निकाले हैं। जनवरी में उन्होंने बॉन्ड बाजार में 3,531 करोड़ रुपये और फरवरी में 2,436 करोड़ रुपये डाले थे।

बिहार और यूपी जाने वाले यात्रियों के लिए राहत

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए समय-समय पर स्पेशल ट्रेन की सौगात देता रहता है। अब इंडियन रेलवे गर्मी के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। अगर आप भी बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए सफर करने वाले हैं तो आप इन ट्रेनों में बुकिंग करा सकते हैं। रेलवे ने इन स्पेशल ट्रेनों को गर्मी की छुट्टियों में भीड़ के मद्देनजर चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें पाटलिपुत्र से गोमतीनगर और बरौनी से कोयम्बटूर के लिए समर स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया गया है। ये ट्रेनें लोगों को गर्मी में आने जाने के लिए राहत देंगी। ट्रेन नंबर 03219 और 03220 पाटलिपुत्र-गोमतीनगर-पाटलिपुत्र समर स्पेशल ट्रेन को रेलवे हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, गोरखपुर, बापूधाम, मोतिहारी, गोरखपुर और अयोध्या कैंट के रास्ते पाटलिपुत्र से गोमतीनगर के मध्य इन ट्रेनों को चलाने का फैसला लिया है।

अडानी ग्रुप ने खरीदा एक और बंदरगाह, 1485 करोड़ रुपये में किया कराईकल पोर्ट का अधिग्रहण

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप ने एक और बंदरगाह को अपने नाम किया है। अडानी पोर्ट और स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने घोषणा करते हुए कहा कि नेशनल लॉ ट्रिब्यूनल के अप्रूवल मिलने के बाद कराईकल पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण किया गया है। कंपनी ने कहा कि डील पूरी की जा चुकी है। कराईकल पोर्ट क अधिग्रहण से पहले अडानी पोर्ट और स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को केपीपीएल की कारपॉरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तौर पर माना जाता था। भारत के पुडुचेरी में स्थित कराईकल पोर्ट एक बड़े आकार और सभी मौसम, गहरे पानी वाला बंदगाह है। इसमें पांच फंक्शनल बर्थ, तीन रेलवे सिडिंग्स, 600 हेक्टेयर की जमीन और 21,5 मिलियन मिट्रिक टन की कार्गो हैंडिलिंग क्षमता है। अडानी पोर्ट की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि कराईकल पोर्ट के अधिग्रहण की डील 1,485 करोड़ रुपये में की गई है। बयान के मुताबिक, बंदरगाह तमिलनाडु के कंटेनर वाली कार्गो बेस्ड औद्योगिक केंद्रों और आगामी 9 एमएमटीपीए सीपीसीएल रिफाइनरी के पास है। अडानी पोर्ट के सीईओ करण अडानी ने कहा कि कराईकल बंदरगाह के खरीदारी के साथ ही अब अडानी ग्रुप देशभर में 14 बंदरगाह को चला रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के लिए रसद लागत को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे के लिए समय के साथ 850 करोड़ खर्च करेगा। कंपनी का प्लान अगले पांच साल के दौरान पोर्ट की क्षमता हो दोगुना करने की है।

कभी करेंसी संकट से जूझ रहा था अमेरिका, फिर चांदी के सिक्के शुरू करके रचा इतिहास

वाशिंगटन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आज अमेरिका की करेंसी डॉलर हर किसी की जुबान पर है। अमेरिकी करेंसी को किसी को बताने की जरूरत नहीं है। दुनियाभर की करीब 180 करेंसी में से यह सबसे ज्यादा ताकतवर है। कुछ और देशों की करेंसी भी डॉलर है लेकिन अमेरिकी डॉलर इन सभी में सबसे ऊपर है। आज ही के दिन 2 अप्रैल 1972 में अमेरिका में मुद्रा के तौर पर डॉलर स्थापित किया गया था।

नोट पर चढ़ी होती थी केमिकल की परत

1972 से पहले अमेरिका मुद्रा का जबरदस्त संकट था। किसी भी चीज के लेन-देन या व्यापार आदि के लिए सोने या चांदी में ही भुगतान किया जाता था। यहां करेंसी का चलन काफी सीमित था। लोग सामान खरीदने के लिए या अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पुराने तरीकों सामान के बदले सामान देने का सहारा लेते थे। यहां पर शुरुआत में 5, 10 और 20 के नोट छापे गए। नोटों के पिछले हिस्से में रंग प्रिंट किया जाता था। इसका कारण यह था कि लोग नकली नोट नहीं बना पाएं। इस पर केमिकल की हरे रंग की परत होती थी।

डॉलर का डिजाइन कई बार बदला

बाद में 1862 में एक डॉलर का नोट छापा गया। डॉलर का डिजाइन अब तक कई बार बदला जा चुका है. 2 अप्रैल 1972 को अमेरिकी में कॉइनेज एक्ट पारित किया गया। इसके पारित होने के बाद यूएस मिंट की शुरुआत हुई, जिसका काम सिक्के ढालना था। यहां पहली बार चांदी से बना डॉलर ही मुद्रा के तौर पर चलन में आया। लोग मिंट के पास घर से अपनी चांदी लेकर जाते और सिक्के ढलवाकर चले आते थे। इस कानून का मकसद खरीद-ब्रिकी को नागरिकों के लिए आसान करना था। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि चांदी के सिक्के कम ही बनते थे। इनकी बाजार में आवक ज्यादा नहीं थी। इस समस्या से निपटने के लिए स्थानीय बैंकों ने अपनी करेंसी शुरू कर दी। चांदी की किल्लत होने के बाद 1861 में अमेरिकी कांग्रेस ने एक हल निकाला. इस तरह अमेरिका में पहली बार कागज की मुद्रा जारी हुई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	सिंह	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मीन...	05-14	बजे
मेष--	06-48	बजे
वृष--	08-33	बजे
मिथुन..	10-35	बजे
कर्क...	12-45	बजे
सिंह...	14-58	बजे
कन्या..	17-05	बजे
तुला	19-10	बजे
वृश्चिक.	21-19	बजे
धनु.....	23-33	बजे
मकर..	01-40	बजे
कुंभ...	03-30	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **06 -24** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , सोमवार **April 03**
नक्षत्र - मघा - **07 -23** - तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - गण्ड - **03 - 39** - तक उप - वृध्दि
करण- कौलव-**06 - 24** - तक उप- तैतिल
विशेष:- सोमप्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी
व्रत -त्योहार - श्री महावीर जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
07:43 से **09:15** तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	**06:13 - 07:43**	शुभ	चंचल.	**18:26 - 19:56**	शुभ
काल	**07:43 - 09:15**	अशुभ	रोग.	**19:56 - 21:24**	अशुभ
शुभ	**09:15 - 10:47**	शुभ	काल.	**21:24 - 22:51**	अशुभ
रोग	**10:47 - 12:20**	अशुभ	लाभ.	**22:51 - 00:19**	शुभ
उत्पात	**12:20 - 13:52**	अशुभ	उत्पात	**00:19 - 01:47**	अशुभ
चंचल	**13:52 - 15:24**	शुभ	शुभ	**01:47 - 03:15**	शुभ
लाभ	**15:24 - 16:56**	शुभ	अमृत	**03:15 - 04:42**	शुभ
अमृत	**16:56 - 18:26**	शुभ	चंचल	**04:42 - 06:13**	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
कुछ रोचक पढ़कर मानसिक व्यायाम करें। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके चलते आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और काफी धन खर्च होने की भी संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ सुकून के कुछ पल बिताएं। आपको आज पता चलेगा कि आपके पार्टनर का प्यार आपके लिए वाकई दिलकश है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कुछ अपरिहार्य परिस्थितियां आपको कुछ बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज कोई लेनदार आपके पास आ सकता है और आपसे कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना पैसा किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में रहेगा।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
किसी पेचीदा स्थिति का सामना करने पर घबराएं नहीं। जैसे भोजन का स्वाद नमक के कारण होता है- कुछ दुख जरूरी हैं तभी आपको खुशी की कीमत का एहसास होता है। अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक मेलजोल में शामिल हों। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान आपकी आँखों को और नुकसान पहुँचा सकता है। हो सके तो धूप के ज्यादा संपर्क में आने से बचें। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
कुछ अपरिहार्य मेहमानों से मिलने के दौरान अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखने की कोशिश करें। आत्मसंयम समय की मांग है- जो आपके चरित्र का सार है। बेवजह का तनाव लेने की जरूरत नहीं है, मुलाकात आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
असीम ऊर्जा और उत्साह आपको जकड़ लेगा और आप किसी भी अवसर का उपयोग अपने लाभ के लिए करेंगे। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा। बच्चों के प्रति आपका कठोर व्यवहार उन्हें नाराज़ करेगा।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
गुस्से में वाद-विवाद और टकराव हो सकता है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। माता-पिता और दोस्त आपको ख़ुश रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। आपके आंसू किसी खास दोस्त द्वारा पोंछे जा सकते हैं। यात्रा से आपके व्यावसायिक संपर्कों में सुधार होने की संभावना है।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
खासकर चौराहों पर सावधानी से वाहन चलाएं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पारिवारिक तनाव को अपना ध्यान न भटकने दें। बुरा समय हमें और भी बहुत कुछ देता है। रोमांटिक अफेयर आज मार खा सकता है। कार्यक्षेत्र में आप एक अच्छे बदलाव का अनुभव कर सकते हैं।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज आप अपने परिवार के वरिष्ठों से वित्त प्रबंधन और बचत के बारे में सलाह ले सकते हैं और उनका उपयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकते हैं। दूसरों पर अपनी राय न थोपें- झगड़ों से बचने के लिए आपको दूसरों की बातें सुननी चाहिए।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
दांत दर्द या पेट खराब होना आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है। तुरंत राहत पाने के लिए चिकित्सक की सलाह लें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने आस-पास के लोगों को अत्यधिक मांग करने वाले पाएंगे- जितना आप कर सकते हैं उससे अधिक का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद को थकाने के लिए तनाव न दें। जैसा कि आपने अतीत में बहुत खर्च किया है, आपको अपने वर्तमान में इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पेनकिलर, डायबिटीज और दिल की दवाएं हुई महंगी

कहां से खरीदें सस्ती दवाइयां, ऑनलाइन वेबसाइट से मंगवाना कितना है सेफ

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पेनकिलर, एंटीबायोटिक, एंटीइन्फेक्टिव और कार्डिएक दवाएं महंगी हो गई है। इनकी कीमत 1 अप्रैल से 12% बढ़ गई है। एसेंशियल यानी जरूरी दवाओं समेत 384 दवाइयों के दाम इस बार बढ़े हैं। यह लगातार दूसरा साल है, जब शेड्यूल्ड दवाओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी नॉन-शेड्यूल्ड दवाओं की तुलना में ज्यादा हुई है। हर महीने जैसे ही सैलरी मिलती है उसका एक हिस्सा ज्यादातर परिवारों में दवाइयों के लिए रख दिया जाता है। ऐसे में दवाइयों की बढ़ती कीमत के बारे में पढ़कर अपने बजट को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। आड गम आपको सॉल्यूशन देंगे कि सस्ती दवाइयां कहां मिलेंगी... और कैसे खरीदें?

बता दें कि दवाइयों की कीमतें घटाने-बढ़ाने का काम नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) करती है। हर साल होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) के आधार पर NPPA दवाओं की कीमतों में बदलाव करती है। ऐसे में सवाल है कि क्या ऐसा कोई विकल्प है, जहां से हम सस्ती दवाइयां खरीद सकें? तो जवाब है ऐसे बहुत सारे ऑप्शन हैं जिसे इस्तेमाल कर आप सस्ती दवाइयां खरीद सकते हैं। जैसे-

सरकार ने हर छोटे-बड़े शहर में जन औषधि केंद्र खोले हैं, जहां से जेनरिक दवाइयां खरीद सकते हैं। इनकी कीमत कम होती है। मेडिकल स्टोर वाले 15% से 20% तक की छूट ब्रांडेड दवाइयां पर भी देते हैं, आप ऐसी किसी दुकान को चुनें जो आपको ज्यादा छूट दें। सरकारी अस्पताल, डिस्पेंसरी और चिकित्सा केंद्र से भी सस्ती दवाइयां ले सकते हैं।ऑनलाइन कई वेबसाइट हैं जो दवाइयां डिस्काउंट रेट पर देती हैं। वहां से खरीद सकते हैं।

सस्ती दवाई लेने का ऑप्शन जानने के बाद आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि क्या जब हम ब्रांडेड की जगह जेनेरिक दवाई लेंगे तो वह बीमारी में सही तरह से असर करेगी। या ऑनलाइन दवाइयां नकली तो नहीं होती। इन सवालों का जवाब अब जानते हैं...

बता दें कि आमतौर पर जेनेरिक दवाइयां उन दवाओं को कहा जाता है जिनका कोई अपना ब्रांड नेम नहीं होता है। वह अपने सॉल्ट के नाम से ही मार्केट में जानी-पहचानी जाती है। पैकेजिंग से लेकर मार्केट में आने तक इन दवाइयों का कोई प्रचार-प्रसार नहीं होता है। ये दवाइयां मरीज के शरीर पर ब्रांडेड दवाइयों जितना ही काम करती है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं- हम सब जानते हैं कि बुखार होने पर पैरासिटामोल खाया जाता है।

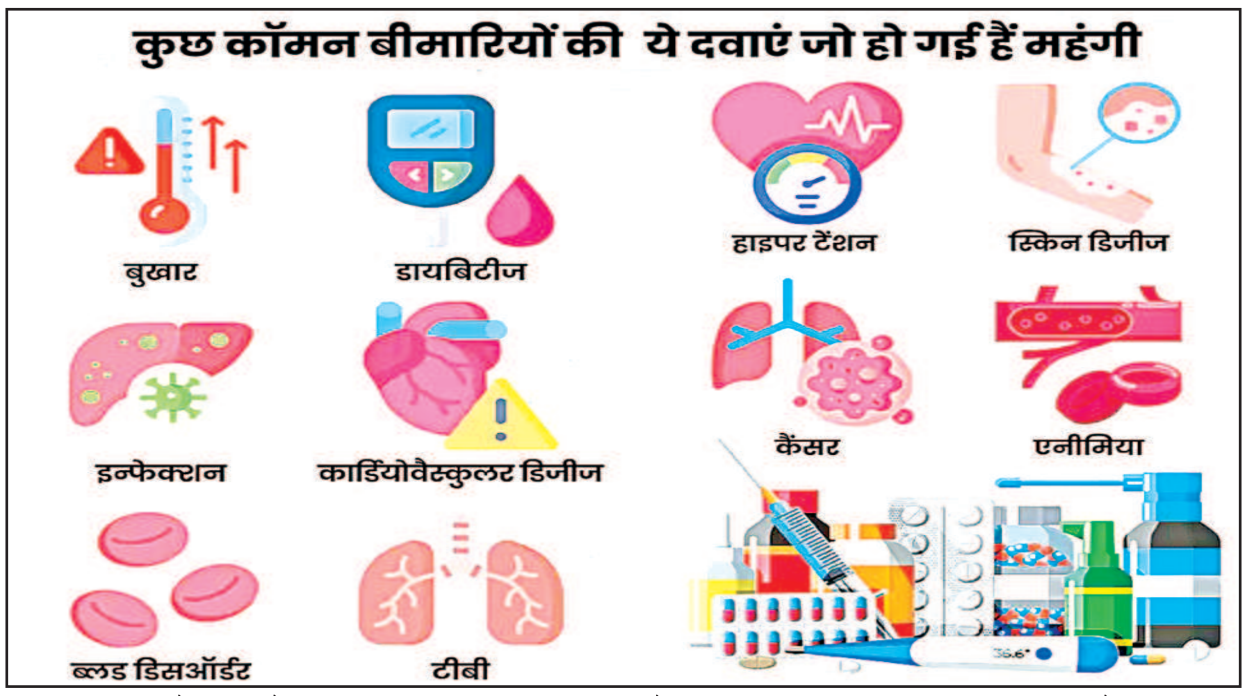

इसके लिए डोलो, कैलपोल और क्रोसिन मार्केट में मिलती है। यह सारी ब्रांडेड है।

इनका नाम आपकी जुबान पर प्रचार-प्रसार की वजह से ही आया है। इन तमाम ब्रांडेड दवाओं की कीमत से सस्ती पैरासिटामोल जेनरिक दवा के तौर पर मेडिसिन शॉप या जन औषधि केंद्र पर मौजूद होती है। सही जानकारी न होने के कारण न केवल गरीब बल्कि मिडिल क्लास भी केमिस्ट से महंगी दवाएं खरीदने पर मजबूर हो जाता है।

जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड की तुलना में 10% से 20% तक सस्ती होती हैं। फार्मा कंपनियां ब्रांडेड दवाइयों की रिसर्च, पेटेंट और विज्ञापन पर काफी पैसा खर्च करती हैं। जबकि जेनेरिक दवाइयों की कीमत सरकार तय करती है और इसके प्रचार-प्रसार पर ज्यादा खर्च भी नहीं होता। यह किसी भी मेडिकल स्टोर पर मिल जाती है। चूंकि आप दुकानदार से मांगते नहीं कि इसलिए वो आपको ज्यादा कीमत वाली ब्रांडेड दवा बेच देता है। दूसरा आप जन औषधि केंद्र से भी जेनरिक दवाइयां खरीद सकते हैं। जन औषधि अभियान सरकार ने पब्लिक को अवेयर करने के लिए शुरू किया है।

इसका मकसद लोगों को समझाना है कि जेनरिक मेडिसिन कम प्राइस में मिलती है लेकिन इसमें क्वालिटी से कोई समझौता नहीं किया जाता। शक की कोई बात ही नहीं। जेनरिक दवाइयां बनाने में उन्हीं फार्मूलों और सॉल्ट यूज किया जाता है, जो ब्रांडेड कंपनियां पहले ही प्रयोग कर चुकी हैं। सेफ्टी, क्वालिटी और रिव्यू के बाद ही सरकार जेनेरिक दवाओं को मंजूरी देती है।

देश में जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, ऐसे में आप गूगल सर्च करके पता कर सकते हैं कि आपके घर के पास कौन सा जन औषधि केंद्र है। जन औषधि केंद्र का ऐप भी प्ले स्टोर पर है। 'जन औषधि सुगम'। इसे मोबाइल पर डाउनलोड कर लें। इस एप्लिकेशन की मदद से आपकी लोकेशन के पास बने जन औषधि केंद्र का पता लगा सकते हैं। इसके साथ जन औषधि जेनेरिक दवाओं की खोज, कौन सी दवा अवेलेबल है या नहीं, MRP, जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं की तुलना भी कर सकते हैं।

ऑनलाइन मेडिसिन ऐप के कुछ नाम हैं जहां से सस्ती दवाइयां खरीद सकते हैं? जैसे

Netmeds, 1mg, Pharmeasy, Apollo 24x7, Practo, MedLife, Med-Green, Truemeds, Med-Plus Mart, IndiaMART। यहां से दवा खरीदने से पहले वेबसाइट की ऑथेंसिटी जरूरी चेक करें।

ड्रग्स कंट्रोल मीडिया सर्विसेज के सी.बी.गुप्ता कहते हैं कि ऑनलाइन दवा मंगवाने से पहले 4 बातें याद रखें...

भरोसेमंद वेबसाइट से ही दवा ऑर्डर करें। जो साइट्स डॉक्टर के प्रिसक्रिप्शन के बिना दवा नहीं बेचती, उनसे ही दवाइयां मंगवाएं। रिटर्न पॉलिसी वेबसाइट की चेक करें, अगर वापसी का ऑप्शन नहीं है तो दवा न मंगवाएं। क्वालिटी या कीमत पर अगर कोई सवाल है तो कस्टमर केयर से बात करें। जिन लोगों ने ऑनलाइन दवाइयां घर पर मंगवा ली हैं, वो कुछ जरूरी चीजें चेक करके आसानी से पता लगा सकते हैं कि दवाइयां सही हैं या फिर नहीं।

उन दवाइयों को शेड्यूल दवाई कहा जाता है जिसे आप डॉक्टर की सलाह और प्रिसक्रिप्शन के बिना खरीद नहीं सकते हैं। किस मात्रा में दवाई लेनी है यह डॉक्टर ही बताते हैं। इसकी कीमत केंद्र सरकार की अनुमति के बगैर नहीं बढ़ाया जा सकता है। शेड्यूल दवाओं को ही एसेंशियल ड्रग्स भी कहा जाता है? कुछ शेड्यूल दवाइयां एसेंशियल ड्रग्स की कैटेगरी में हो सकती है। सरल शब्दों में समझें तो एसेंशियल ड्रग्स वो दवाइयां है जो जान बचाने के लिए इस्तेमाल होती है। जैसे एड्स, कैंसर और दिल की बीमारियों से जुड़ी दवाइयां। कुछ ग्रुप ऑफ डिजीज एसेंशियल ड्रग्स के लिए परिभाषित भी किए गए हैं जैसे बीपी, डायबिटीज इससे जान को खतरा होता है और यह दवाइयां लाइफ लॉन्ग लेनी पड़ती हैं। सारी जानकारी मिलने के बाद भी आपके मन में एक सवाल अभी भी आ रहा होगा आखिर ये नेशनल फार्मा प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) क्या है?

राष्ट्रीय औषधि उत्पाद मूल्य प्राधिकरण को 29 अगस्त, 1997 को औषधि उत्पाद विभाग (DoP), Ministry of Chemical Products and Fertilizers अटैच कार्यालय के रूप में किया गया था। जिससे कम दाम पर दवाएं, ज्यादा लोगों तक पहुंचाई जा सकें। NLEM (National List of Essential Medicines) जरूरी दवाओं की लिस्ट और दवाओं की कीमतों को कंट्रोल करता है।

भूपेश बघेल बोले- मारपीट कर जबरदस्ती साइन करा रही ईडी

छापे में क्या मिला क्यों नहीं बताती, अधिकारों का हो रहा दुरुपयोग

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों के यहां ED की रेड पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अब तक सबसे ज्यादा ED की रेड छत्तीसगढ़ में पड़ी है। कांग्रेस महाधिवेशन के बाद से अब तक 50 से ज्यादा छापे पड़े हैं। कितना पैसा और संपत्ति जब्त की गई है। यह ईडी नहीं बता रही है।

भूपेश बघेल ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ हम हैं। और उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन ईडीईडी को जो अधिकार मिला है। उसका दुरुपयोग हो रहा है। छापे के दौरान ईडी मारपीट कर जबरदस्ती दस्तखत करा रही है। कई लोगों ने इसकी शिकायत की है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखा है।

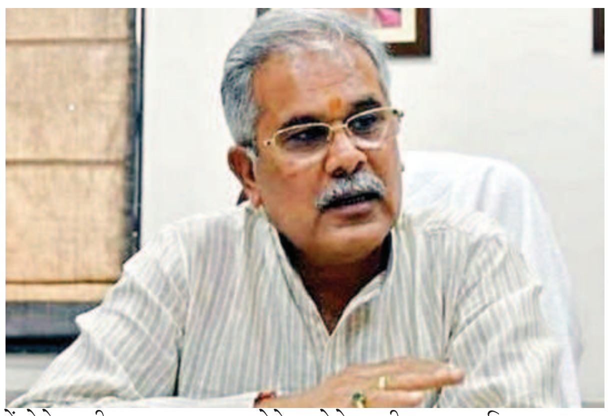

मुख्यमंत्री ने क्या कहा...

1.भूपेश बघेल ने कहा, बीजेपी शासन के समय साल 2003-04 में बेरोजगारी भत्ता 300 रुपए देने का फैसला किया था। 2012-13 में 1 हजार किया गया और 2016-17 में इसे बंद कर दिया गया। पूरे 15 साल में बीजेपी सरकार ने 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया। हमने इस साल के बजट में 250 करोड़ का प्रावधान किया है।

2.बीजेपी के समय में गरीबी रेखा के नीचे लोगों को ही बेरोजगारी भत्ता मिलता था। लेकिन हमने ऐसी कोई शर्त नहीं रखी। उनके शासन काल में भी पंजीयन 2 वर्ष का होना अनिवार्य था। और हमारे समय में भी।

3. बीजेपी के समय बेरोजगारी भत्ते की प्रक्रिया कठिन थी। हमारे समय में बेरोजगारी भत्ते की प्रक्रिया आसान है। ऑनलाइन पोर्टल है, घर बैठे आवेदन की सुविधा है। अभी तक एक दिन में 6 हजार आवेदन आ चुके हैं।हमने बेरोजगारों को अप्रैल फूल नहीं बनाया, उन्हें भत्ता दिया है। कल 4 बेरोजगारों को 2500 रुपए का चेक दिया है।

4. आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर नहीं होने पर कहा कि राज्यपाल को आरक्षण को लेकर पत्र लिखा है कि, नियुक्ति और एडमिशन में परेशानी हो रही है। राज्यपाल को इस बारे में जल्दी फैसला लेना चाहिए।

5. भ्रष्टाचार को लेकर बीजेपी के जारी किए गए वीडियो को लेकर कहा कि, चिटफंड घोटाला उनकी ही सरकार में हुआ। धरमलाल कौशिक खुद रोजगार मेला लगाए थे। और चिटफंड कंपनियों के एजेंटों को नियुक्ति पत्र दिया था। इसका सीधा मतलब है की चिटफंड में वे स्वयं लिप्त हैं।

जोगी परिवार ने चुनाव नहीं लड़ने के दिए संकेत

अमित जोगी ने कहा-मेरी मां का स्वास्थ्य खराब है, राजनीति जीवन से बड़ी नहीं हो सकती

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव में जोगी परिवार चुनाव से दूर रह सकता है। इसका संकेत खुद अमित जोगी ने दिया है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अमित जोगी ने अपनी मां रेणु जोगी के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए फिलहाल चुनावी राजनीति से दूर रहने की बात कही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमित जोगी में लिखा कि चुनाव क लिए बचे हैं, लोग पूछ रहे हैं कि जनता कांग्रेस कुछ नहीं कर रही। राजनीति जीवन से कभी बड़ी नहीं हो सकती। मेरे पापा स्वर्गीय अजीत जोगी को खोने के बाद,मेरे लिए मेरी मां का स्वास्थ्य सत्ता से कहीं ज्यादा सर्वोपरि है। जब तक वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाती मैं उनके साथ साए की तरह रहूंगा। मेरा दुर्भाग्य है कि पापा के आखिरी क्षणों में मैं उनके साथ नहीं रह पाया। इस गलती को मैं मम्मी के साथ नहीं दोहरा सकता इसलिए मेरा प्रथम

उद्देश्य मां का स्वस्थ होना है। बाकी राजनीति करने के लिए उम्र पड़ी है।

जाति पर उठता रहा सवाल

दरअसल अमित जोगी और उनकी पत्नी ऋचा जोगी दोनों की जाति के दावों को प्रशासन निरस्त कर चुका है। अमित जोगी ने खुद को कंवर जाति का बताया था इसे निरस्त किया जा चुका है अमित जोगी की पत्नी के खिलाफ तो गोंड जाति का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने का केस दर्ज है।

यही वजह रही कि पिछले बार मरवाही उपचुनाव में जोगी परिवार बाहर हो गया। मरवाही जोगी परिवार की सबसे सुरक्षित सीट थी। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी यहां से चुनकर आते थे। उनके निधन के बाद जब उपचुनाव हुए तो जाती फर्जी बताकर प्रशासन ने इस सीट से अमित जोगी और ऋचा जोगी का नामांकन तक निरस्त कर दिया। छत्तीसगढ़ के इतिहास में मरवाही सीट से पहली बार जोगी परिवार इस कदर बाहर कर दिया गया था इसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे। अब जोगी परिवार का सियासी सफर मुश्किलों में है।

अमित जोगी की जाति की जांच कर रही जांच कमेटी ने कहा कि अमित जोगी को नोटिस भेजा गया था। यह भी तर्क दिया कि अजीत जोगी को कंवर नहीं माना था। अभी बेटे की जाति पिता की जाति से तय होती है। ऐसे में अमित जोगी को कंवर नहीं माना जा सकता है। अजीत जोगी के भी जाति प्रमाणपत्र को समिति ने निरस्त कर दिया था। मामला कोर्ट में लंबित था, उसी समय अजीत जोगी का निधन हो गया। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के अध्यक्ष अमित जोगी की पत्नी ऋचा जोगी के खिलाफ मुंगेली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ऋचा जोगी के विरूद्ध आरोप है कि उन्होंने खुद को गोंड जाति का बताते हुए जाति प्रमाण पत्र बनवाया था।जोकि गलत था। राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति अनुसूचित जाति विकास ने इस संबंध में कार्रवाई के आदेश कलेक्टर को दिए थे।

पहाड़ी कोरवा परिवार ने की सामूहिक आत्महत्या

2 बच्चों को फांसी पर लटकाया, फिर फंदे पर झूल गए पति-पत्नी

जशपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जशपुर जिले में पहाड़ी कोरवा परिवार ने फांसी लगाकर सामूहिक आत्महत्या कर ली है। पति-पत्नी और 2 बच्चों समेत 4 लोगों की लाश फांसी पर लटकी हुई मिली है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दे दी है। बगीचा थाना क्षेत्र के सम्हार बहार बस्ती की घटना बताई जा रही है। बगीचा थाना पुलिस के मुताबिक, ग्रामीणों से मिली सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल आत्महत्या की वजहों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर सभी लाशों को फंदे से उतार लिया है। मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना किया जाएगा। पुलिस आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। बता दें कि पहाड़ी कोरवा एक संरक्षित जनजाति है, जिन्हें राष्ट्रपति ने गोद लिया है।

मृतकों के नाम राजू राम (35 वर्ष), भिन्सारिन बाई (22 वर्ष), देवंती (3 वर्ष), देवन साय (1 वर्ष) है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें भी नहीं पता कि कब पूरे परिवार ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने बताया कि आत्महत्या की वजह का पता उन्हें नहीं है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले परिवार के लोग महुआ बीनकर आए थे, वे दूसरे गांव गए हुए थे। कई दिनों से महुआ बीनने के लिए वे अपने गांव से बाहर थे, इसलिए गांववालों को भी ज्यादा जानकारी नहीं है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान के दुकान में लगी भीषण आग

करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका, दमकल के 5 वाहनों ने पाया आग पर काबू

कोरबा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक शॉप में भीषण आग लग गई। इलेक्ट्रॉनिक सामान की ये दुकान ग्राम सुतर्रा में संचालित थी। शुक्रवार रात करीब 2 बजे दुकान में आग लगी, जिसे शुक्रवार को बुझाया जा सका। आग बुझाने में दमकल की 5 गाड़ियां लगी रहीं।

जानकारी के मुताबिक, सुतर्रा ग्राम में बंसल ट्रेडर्स नाम से इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान संचालित है। शुक्रवार देर रात 2 बजे यहां भीषण आग लग गई। रास्ते से गुजरने वाले लोगों ने आग की बड़ी-बड़ी लपटें दुकान से निकलती देखी। आसपास के

लोगों की भी नजर उस पर पड़ी। घटना की सूचना तुरंत दुकान के मालिक और डायल 112 की टीम को दी गई।

सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दमकल की 5 गाड़ियां रातभर आग बुझाने में जुटी रहीं। कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार को आग पर काबू पाया जा सका। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आ रही है। आग से करोड़ों का माल जलकर खाक हो गया है। दुकान में लगी आग के बुझ जाने के बाद सबने राहत की सांस ली।कोरबा में गर्मी बढ़ने के साथ ही आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है।

दुकान संचालक विजय अग्रवाल ने बताया कि वह कटघोरा में रहता है, वहीं उसकी दुकान सुतर्रा में है। रोज की तरह शॉप बंद कर वो घर लौट गया था। रात 2 बजे उसे मोबाइल पर दुकान में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद नगर निगम, एनटीपीसी, बालको और सीआईएफ की 5 दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

15,000 करोड़ की राशि सरेंडर कर दी

केंद्र की राशि सरेंडर करना हेमंत सरकार की विफलता

गिरिडीह, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्तिय वर्ष 2022-2023 के समापन पर पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष के समापन पर झारखंड सरकार ने लगभग 15,000 करोड़ की राशि सरेंडर कर दी है। यह दर्शाता कि झारखंड की हेमंत सरकार प्रदेश के प्रति कितनी संवेदनहीन है। एक तरफ जहां ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ विभाग, लघु-सिंचाई विभाग, कृषि-पशुपालन-सहकारिता, तकनीकी विभाग की बजट में जो राशि का प्रावधान किया गया था,उसमें भी झारखंड सरकार ने लगभग 5,000 करोड़ की कटौती कर दी है।

विभाग राशि का सरेंडर करना काफी दुखद है। इस वित्तीय वर्ष में सरकार जहां मार्च माह के पहले वित्तीय राशि का लगभग 50 प्रतिशत भी नहीं खर्च कर पाई थी, वहीं मार्च के समाप्ति पर लगभग 88 प्रतिशत की राशि खर्च में दिखाना यह बताता है कि इसमें भारी लूट हुई है। निर्भय कुमार शाहाबादी ने कहा कि श्रम विभाग से दी जाने वाली बेरोजगारी भत्ते में स्नातक पास बेरोजगारों को भत्ता देने के लिए बजट में 148 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। लेकिन यह योजना धरी की धरी रह गई।

जिसमें स्नातक पास वाले को 5,000 रुपए और पोस्ट ग्रेजुएट को 7,000 रुपए मिलना था। वहीं कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजना कृषि उत्पादन निर्यात नीति भी ये सरकार लागू नहीं कर सकी, उसका भी बजट में राशि का आवंटन किया गया था। ,जिसके तहत बिरसा कृषि उत्पाद में आने वाले जावा, महुआ, जैसे झारखंड के प्रमुख फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देना था। लेकिन वो भी पूरी नहीं हो सका।

साहिबगंज में चैती दुर्गापूजा विसर्जन जुलूस में पथराव

अचानक पथराव से मची भगदड़, सदर एसडीपीओ सहित छह पुलिसकर्मी घायल, देर रात प्रतिमा विसर्जित

साहिबगंज, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। संथाल परगना के साहिबगंज जिले में शनिवार की शाम चैती दुर्गापूजा विसर्जन जुलूस में पथराव किए जाने के बाद जमकर बवाल हुआ। दो पक्षों के बीच पत्थरबाजी से अफरातफरी का माहौल बन गया। इलाके के दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गयी। वहीं मौके पर खड़ी एक स्कूटी को आग के हवाले कर दिया गया। माहौल बिगड़ता देख पुलिस की ओर से बल प्रयोग किया गया। मिली जानकारी के अनुसार पत्थरबाजी की यह घटना चैती दुर्गा विसर्जन जुलूस का कृष्णनगर से गुजरने के दौरान हुई। घटना लगभग सात से आठ बजे के बीच की है।

चैती दुर्गा पूजा कमेटी के मुताबिक विसर्जन जुलूस जब कृष्णनगर बड़ी दुर्गा मंदिर के पास से गुजर रही थी तभी जुलूस पर अचानक पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव की वजह से मौके पर भगदड़ मच गई। इस पथराव के कारण जुलूस में चल रहे प्रशासन के लोगों के अलावा पूजा कमेटी के भी कई सदस्य घायल हुए हैं। इसी पथराव में सदर एसडीपीओ राजेंद्र दुबे भी घायल हुए हैं। जबकि घटना के संबंध में दूसरे पक्ष के लोगों का कहना है कि विसर्जन जुलूस जब जा रही थी तभी कुछ लोग आसपास की दुकानों और घरों में तोड़फोड़ करने लगे। वहीं एक दुकान के पास खड़ी स्कूटी को

भी आग के हवाले कर दिया गया। तोड़फोड़ किए जाने के बाद माहौल बिगड़ा।

घटना के बाद जुलूस उसी जगह पर रूकी रही। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीसी रामनिवास यादव व एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा घटनास्थल पर पहुंचे। एसडीओ राहुलजी आनंदजी व एसडीपीओ राजेंद्र दुबे पहले से ही जुलूस के साथ थे। जैप के जवानों के अलावा जिले के सभी थानों की पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। तमाम पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी मौके पर कैंप कर रहे थे। स्थिति को सामान्य करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। कृष्णनगर मेन रोड व आसपास की गली में हर तरफ ईंट-पत्थर बिखरे पड़े थे। प्रशासन की पहल के बाद रात करीब पौने नौ बजे विसर्जन जुलूस ने गंगा घाट के लिए भेजा गया।

रविवार को मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस बल अब भी मौजूद है। मिली जानकारी के अनुसार देर शाम जब पुलिस प्रशासन के आने के बाद भी पथराव किया गया था। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। साहिबगंज के उपयुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि रात तकरीबन साढ़े 9 बजे प्रतिमा विसर्जन करा दिया गया है। घटना के दोषियों को चिह्नित किया जा रहा है।

नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल हॉस्पिटल में भर्ती, दो हफ्ते पहले ही ली थी शपथ

काठमांडू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के नए राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्हें पेट दर्द की शिकायत के बाद काठमांडू के महाराजगंज स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रपति के चीफ एडवाइजर सुरेश चालीसे ने कहा कि राम चंद्र पौडेल ने पेट में तेज दर्द की शिकायत की थी। नेपाल के नए राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को डॉक्टरों कि निगरानी में रखा गया है। नेपाल के राष्ट्रपति कि स्थिति के बारे में डॉक्टरों ने जानकारी दी कि वो उनकी जांच कर रहे है। वो उन्हें रात में हॉस्पिटल में ही रखेंगे। दो हफ्ते पहले ही राम चंद्र पौडेल को नेपाल के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वह नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता हैं। पौडेल ने राष्ट्रपति चुनाव में 33,802 चुनावी वोट हासिल किए थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सुभाष चंद्र नेम्बवांग मात्र 15,518 चुनावी वोट ही हासिल कर पाए। राष्ट्रपति चुनाव में 18 हजार 284 वोटों के भारी अंतर से राम चंद्र पौडेल ने जीत हासिल की। नेपाल के चुनाव आयोग के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव में संघीय के 313 सदस्यों ने चुनावी प्रक्रिया में भाग लिया। इसके अलावा प्रांतीय अंसेबली से भी 518 सदस्यों ने भी चुनावी प्रक्रिया में भाग लिया था। नेपाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मतदान काठमांडू के न्यू बनेश्वर में देश के संसद भवन में हुआ था। हिमालयी राष्ट्र में चुनाव आयोग ने हॉल में संघीय सांसदों और प्रांत विधानसभा सदस्यों के लिए दो अलग-अलग मतदान केंद्र स्थापित किए थे। चुनाव के लिए सभी प्रांतों के विधायक काठमांडू पहुंचे।

इटली में अंग्रेजी के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

पीएम मेलोनी ने दिया ब्रिटेन और अमेरिका को बड़ा झटका

रोम, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ब्रिटेन और अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। प्रधानमंत्री मेलोनी की ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी ने नया कानून पेश किया है। इसके मुताबिक सरकारी कामकाज में अंग्रेजी भाषा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद सरकारी कामकाज में अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल करने पर 1 लाख यूरो यानि 1,08,705 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना भरना होगा। बता दें कि अंग्रेजी ब्रिटेन और अमेरिका में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा है। सीएनएन की खबर के मुताबिक अब इटली में आधिकारिक संचार में किसी भी विदेशी भाषा विशेष रूप से अंग्रेजी के इस्तेमाल पर जुर्माना लगाया जाएगा। इटली के लोअर हाउस की नेता फैबियो रामपेली ने यह कानून पेश किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने इसे

पूरा समर्थन दिया है। कानून के प्रस्ताव के मुताबिक आधिकारिक संचार में किसी भी विदेशी भाषा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की बात कही गई है। मगर विशेष रूप से एंग्लोमेनिया यानि इंग्लिश पर प्रतिबंध को केंद्रित किया गया है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि विदेशी भाषा का इस्तेमाल इतालवी भाषा को नीचा दिखाता है। इससे अपमान भी महसूस होता है। वह भी ऐसे समय में अंग्रेजी का इस्तेमाल हो रहा है ,जब ब्रिटेन अब यूरोपीय संघ का हिस्सा नहीं है। अब इस बिल को शीघ्र ही संसद में बहस के लिए लाए जाने की तैयारी है। इसके बाद इसे कानून का रूप दे दिया जाएगा। इसके लिए सार्वजनिक प्रशासन के क्षेत्र में इतालवी भाषा का एक कार्यालय खोलने की आवश्यकता भी बताई गई है, जहां लिखित, मौखिक ज्ञान पर इतालवी भाषा का अधिकार हो।

विदेशी कंपनियों को भी करना होगा इतालवी भाषा में काम

मसौदे के मुताबिक इटली में काम कर रही विभिन्न विदेशी कंपनियों में भी यह नियम लागू किया जाएगा, जहां आंतरिक नियमों, रोजगार अनुबंधों इत्यादि के लिए इतालवी भाषा का संस्करण होना चाहिए। यानी विदेशी कंपनियों को भी आधिकारिक संचार में इतालवी भाषा का ही इस्तेमाल करना होगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह केवल फैशन की बात नहीं है, क्योंकि वह आता है और गुजर जाता है, लेकिन एंग्लोमेनिया यानी अंग्रेजी का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इटली का अनुच्छेद 2 इतालवी भाषा को राष्ट्रीय क्षेत्र में सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं के प्रचार और उपयोग के लिए अनिवार्य बनाने की शक्ति देता है। ऐसा नहीं करने पर 5000 यूरो यानी 5435 अमेरिकी डालर से लेकर 100000 यूरो के बीच जुर्माना लगाया जा सकता है।

नारनौल में फिर तेज बारिश, सरसों की फसल खराब अब गेहूं पर भी खतरा

नारनौल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नारनौल में रविवार की सुबह एक बार फिर बारिश से हुई। पहले ही नुकसान की मार झेल चुके किसानों को राहत मिलती नजर नहीं आ रही। लगातार बरसात से सरसों की फसल खराब हो चुकी है और अब गेहूं को भी नुकसान होने की संभावना हैं। रविवार सुबह से नारनौल में आसमान में काले बादल छाए हुए थे। सुबह लगभग 9 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। फिलहाल बारिश जारी है। बरसात से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई हैं। रविवार सुबह अधिकतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आज हरियाणा एनसीआर दिल्ली में केवल सीमित स्थानों पर ही छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। जैसे ही मौसम प्रणाली 2 अप्रैल शाम को सम्पूर्ण इलाके से आगे निकल जाएगी वैसे ही एक और पश्चिमी विक्षोभ 3 अप्रैल को सक्रिय होगा जिससे हरियाणा और एनसीआर में 4 अप्रैल को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान हरियाणा एनसीआर के उत्तरी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया जाएगा जबकि शेष हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सीमित स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की जाएगी।

भारत से संबंध बहाल करना चाहते थे पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख बाजवा! इमरान खान ने किया दावा

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि उन्हें देश के पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने दो देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित करने के लिए भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। पाकिस्तान के रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि बाजवा सिद्धांतों से जुड़े व्यक्ति नहीं थे। खान ने आगे कहा कि अगर 90 दिनों में चुनाव नहीं हुए तो देश में संविधान नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सीधी कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। इमरान की यह टिप्पणी शहबाज सरकार की उस पृष्ठभूमि में आया है जिसमें कहा गया था कि

पाकिस्तान नई दिल्ली के साथ पर्दे के पीछे किसी तरह की बातचीत से इनकार करता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने इससे पहले एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि आज जो हालात हैं, इस दौर में पाकिस्तान और भारत के बीच पर्दे के पीछे किसी तरह की बातचीत संभव नहीं है। उन्होंने कहा था, नियमित रूप से सीमा पार आतंकवाद, युद्धविराम उल्लंघन, क्षेत्रीय विवाद आदि के साथ भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध जटिल बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच संबंध 2019 में उस समय और खराब दौर से गुजरा जब भारत के युद्धक विमानों ने उस वर्ष पुलवामा आतंकी हमले की प्रतिक्रिया के रूप में पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा चलाए जा रहे एक प्रशिक्षण शिविर पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को रद्द करने के बाद इस रिश्ते में और कड़वाहट आ गई। हालांकि, भारत ने पड़ोसी देश के साथ सामान्य संबंधों की अपनी इच्छा को बनाए रखा है। खान ने जोर देकर कहा कि इस तरह की व्यस्तताओं के लिए आतंक और शत्रुता मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की होगी।

कंगाल पाकिस्तान में भूखों तड़प रहे लोग, फ्री का आटा पाने के लिए आपसी जंग में 5 लोग घायल

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कंगाल पाकिस्तान के हालात दिनोंदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं। आर्थिक खस्ताहाली के चलते पाकिस्तान में भुखमरी और गरीबी चरम पर है। इसके चलते पाकिस्तान की जनता दाने-दाने को मोहताज है। पाकिस्तान में इन दिनों खाने-पीने के भी लाले पड़ गए हैं। जनता आपस में आटे, रोटी और ब्रेड के लिए मारपीट कर रही है। एक ऐसे ही मामले में पाकिस्तानी लोग फ्री का आटा पाने के लिए आपस में ही भिड़ गए और आपस में मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान पांच पाकिस्तानी घायल हो गए। यह घटना पाकिस्तान के शोरकोट में मुफ्त आटा वितरण केंद्र पर हुई। हाथापाई में एक महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। उधर मुजफ्फरगढ़ में आटा नहीं मिलने के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। दूसरी ओर, पंजाब प्रांत के कार्यवाहक सूचना मंत्री आमिर मीर ने आटा वितरण के दौरान मौतों की खबरों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का दुष्प्रचार करार दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि आटे के वितरण के दौरान दर्जनों लोगों की मौत का दावा शरारत के अलावा और कुछ नहीं है, लेकिन साथ ही कहा कि दुर्भाग्य से भीड़ के कारण तीन लोगों की जान चली गई और मामले की जांच चल रही है। शोरकोट छावनी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय स्थित मुफ्त आटा वितरण केंद्र पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों और लोगों के बीच हाथापाई हुई, जिससे शनिवार को भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। उन्हें शोरकोट रफीकी वेलफेयर अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। एक व्यक्ति के पैर में तो टांके लगाने पड़े।

आटे के लिए सड़क जाम

डॉन ने बताया कि चश्मदीदों ने कहा, इसी तरह की स्थिति दो दिन पहले इसी केंद्र पर हुई थी जब लोगों ने वितरण केंद्र में प्रवेश करने के लिए जबरन स्कूल का गेट खोलने का प्रयास किया और कुछ लोग घायल भी हुए थे। आटा नहीं मिलने के विरोध में लोगों ने जटोई क्षेत्र में घंटों सड़क जाम कर दिया, आरोप लगाया कि अधिकारियों के कुछ एजेंट आटा केंद्र पर प्रति बैग 200 रुपये वसूल रहे हैं।

ईरान में हिजाब पर फिर बवाल, शख्स ने फेंकी दही

खुले बाल के लिए पुलिस ने दो महिलाओं को पकड़ा

तेहरान, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में पिछले साल हिजाब के विरोध में जो चिंगारी भड़की थी, वो अब भी जारी है। महसा अमीनी की मौत के बाद हजारों महिलाओं ने हिजाब पहनना छोड़ दिया था। इसके विरोध में महिलाएं व बेटियां सड़कों पर उतर गई थीं। इस विरोध प्रदर्शन में कइयों की जान गई थी। ईरान में हिजाब के विरोध में महीनों तक प्रदर्शन चला था। यहां की लड़कियां हिजाब का विरोध कर रही थीं। उनका कहना था कि वो हिजाब नहीं पहनेंगी। मगर ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य है। वहीं, इस बीच ईरान ने हिजाब न पहनने को लेकर दो महिलाओं को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। ये दोनों महिलाएं बिना हिजाब पहने एक दुकान पर कुछ सामान लेने गई थीं, इसी दौरान एक शख्स ने हिजाब न पहनने को लेकर उनपर दही फेंक दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ईरान के मशाद में हुई घटना

वीडियो वायरल होने के बाद ईरान की सरकार ने दोनों महिलाओं को अरेस्ट करने का आदेश जारी किया है। दरअसल, यह घटना ईरान के मशाद की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों महिलाएं मां बेटी हैं। ये हिजाब नहीं पहनी हैं। दोनों ने अपने बाल सही तरीके से नहीं ढके थे। वे दोनों कुछ सामान लेने के लिए दुकान पर पहुंचती हैं। इस दौरान एक शख्स आता है।

पुलिस हिरासत में दोनों महिला

पहले वह गौर करता है और फिर बहस करता, इसके बाद दोनों महिलाओं को को हिजाब न पहना देख उन पर दही फेंक देता है। इसके बाद दुकानदार उसे धक्का मारकर दुकान से बाहर भगाता है। हालांकि, महिलाओं के साथ-साथ आरोपी शख्स के खिलाफ भी अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। उसने महिलाओं के खिलाफ गलत सलूक किया, उन पर दही फेंका। उसने पब्लिक ऑर्डर को डिस्टर्ब करने की कोशिश की।वहीं, उन दोनों महिलाओं को अपने बाल नहीं ढकने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया है।

ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य

बता दें कि ईरान में बाल दिखाना अवैध है। ईरान में हिजाब को लेकर सख्त कानून है और इसका पालन करना बिल्कुल अनिवार्य है। ईरान ने राष्ट्रपति ने भी शनिवार को चेतावनी हिजाब पहनने की चेतावनी थी। उन्होंने कहा कि नियम का पालन करना जरूरी है। बता दें कि पिछले हिजाब नहीं पहनने के चलते ईरानी पुलिस ने 22 वर्षीय महसा अमीनी की पीट पीटकर हत्या कर दी थी।

सेवा में कमी होने पर उपभोक्ता फोरम ने जियो पर लगाया 18 हजार जुर्माना

राजगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला उपभोक्ता फोरम राजगढ़ के पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश योगेश दत्त शुक्ल एवं सदस्य सीमा सक्सेना ने उपभोक्ता के पक्ष में आदेश पारित कर देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कम्पनी रिलायंस जियो पर आवेदक को बेहतर नेटवर्क उपलब्ध न करवाने के कारण हुई आर्थिक क्षति तथा परिवाद में हुए खर्च के रूप में 18000 रुपये का भुगतान करने का आदेश पारित किया है। साथ ही जिला फोरम ने यह भी आदेश दिया कि अनावेदक कंपनी आवेदक उपभोक्ता को आदेश दिनांक से दो माह की अवधि में बेहतर नेटवर्क उपलब्ध करवाए। नेटवर्क उपलब्ध नहीं करने की दशा में उपभोक्ता और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा उपयोग की जा रही तीनों सिमकार्ड को कम्पनी स्वयं पोर्ट करवाकर सिमकार्ड पोर्ट में हुआ खर्च भी वहन करे। जानकारी देते हुए राजगढ़ के वरिष्ठ अधिवक्ता जे.पी.शर्मा जो कि प्रकरण में स्वयं परिवादी भी हैं ने बताया कि देशभर में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण बच्चों की पढ़ाई से लेकर कार्यालयीन कार्य वर्चुअल मोड में किये जा रहे थे।

अफेयर: पति के विरोध के बाद 10 साल छोटे प्रेमी से मिलती थी दो बच्चों की मां

ऑयो के बाथरूम में ऐसे हाल में मिली

नोएडा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-63 कोतवाली क्षेत्र के छिजारसी कॉलोनी स्थित ओयो होटल में प्रेमी ने धागा काटने वाले कैंचीनुमा कटर से महिला की हत्या कर दी। रात करीब साढ़े आठ बजे वारदात को अंजाम देकर होटल से फरार हो गया। होटल कर्मचारी ने महिला का शव बाथरूम में देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी मूलरूप से इटावा निवासी सोनू को गिरफ्तार कर लिया है। शादीशुदा महिला और आरोपी दोनों सिलाई का काम करते थे। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि सोनू की शादी तय हो गई थी। महिला शादी का विरोध कर रही है। इसी विवाद में सोनू ने उसकी हत्या कर दी। मूलरूप से इटावा निवासी राजेंद्र बाबू छिजारसी गांव के चोटपुर कॉलोनी में किराये के मकान में पत्नी अनीता और दो बेटों के साथ रहता है। बड़ा बेटा 18 साल और छोटा 13 साल का है। आरोपी सोनू भी इटावा के काठमऊ का रहने वाला है। वह बहलोलपुर गांव में किराये के मकान में रहता था। राजेंद्र की पत्नी अनीता और सोनू की मुलाकात करीब तीन साल पहले शादी समारोह के दौरान गांव में हुई थी। इसके बाद धीरे-धीरे सोनू और अनीता में बातचीत होने लगी। साजिश के तहत सोनू राजेंद्र बाबू को परिवार सहित नोएडा के छिजारसी गांव ले आया। यहां वह जिस कंपनी में सिलाई का काम करता था, वहीं राजेंद्र बाबू को हेल्पर की नौकरी दिला दी। सोनू ने अनीता को भी वहीं सिलाई का काम दिला दिया। धीरे-धीरे सोनू और अनीता एक दूसरे के करीब आ गए। करीब दो साल से दोनों के बीच प्रेम संबंध था। सोनू अनीता से उम्र में करीब दस साल छोटा है। तीन मई को उसकी शादी तय हुई थी। इस बात को लेकर अनीता से उसका विवाद हुआ था। दोनों शुक्रवार दोपहर को इसी मसले को लेकर ओयो होटल में पहुंचे थे। जहां शादी की बात को लेकर फिर से विवाद हो गया और आरोपी ने धागा काटने वाली कैंचीनुमा कटर से हमला कर अनीता की हत्या कर फरार हो गया।

सिर व चेहरे पर चोट के भी निशान मिले

पुलिस के मुताबिक अनीता के सिर और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले दोनों के बीच हाथापाई व मारपीट भी हुई है। शाम को जब अनीता और सोनू कमरे से बाहर नहीं निकले तब होटल का एक कर्मचारी चेक करने कमरे में गया। वहां बाथरूम में अनीता का शव पड़ा मिला।

पति के विरोध करने के बाद होटल में मिलते थे दोनों

पुलिस के मुताबिक सोनू और अनिता दूर के रिश्तेदार थे। महिला के कमरे पर भी कई बार गया था। पति के विरोध करने पर सोनू महिला से बाहर होटल में मिलने लगा। दोनों कई बार होटल जा चुके थे। पुलिस जांच में पता चला कि महिला दो बार गर्भवती हो गई थी। शादी तय होने के बाद आरोपी सोनू ने महिला से मिलना-जुलना कम कर दिया।

बाथरूम में ले जाकर की हत्या

एसीपी अमित प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी सोनू महिला से दस साल छोटा है। होटल के बाथरूम में उसने महिला के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से पर वार किया। बाथरूम में खून के कुछ धब्बे मिले हैं। आरोपी ने खून को पानी से साफ कर सबूत मिटाने का भी प्रयास किया था। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि अनीता सोनू की शादी का विरोध कर रही थी।

रनवे, हैंगर और सर्विलांस कैमरे। म्यांमार के कोको द्वीप पर चीन का सीक्रेट सैन्य अड्डा! भारत के लिए बढ़ेगी चिंता

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। 1950 के दशक के अंत में जनरल ने विन की बनाई दंडात्मक कॉलोनी कोको द्वीप पर कुछ निर्माण कार्य देखे जा रहे हैं। ये निर्माण कार्य संदेह पैदा कर रहे हैं कि कहीं इन्हें जासूसी या विशेष निगरानी के लिए तो नहीं बनाए जा रहा है। कोको द्वीप समूह पर म्यांमार का नियंत्रण है। इस साल जनवरी में मैक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से ग्रेट कोको द्वीप क्षेत्र में नई इमारतों का बनना सामने आया है। यहां इसके सेंटर में दो नए बने हैंगर देखे जा सकते हैं और इसके साथ ही उत्तर में कुछ नई इमारतें भी दिख रही हैं। संभव है कि नौसैनिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बड़ा बेस भी तैयार किया गया है। तस्वीर में 2300 मीटर लंबे रनवे भी देखा गया है, जो एक दशक पहले केवल 1300 मीटर का था। इस पूरे मामले पर सबसे पहले चैथम हाउस ने ध्यान आकर्षित कराया है। चैथम हाउस एक थिंक टैंक है जिसका हेडक्वार्टर लंदन में है। संभव है कि म्यांमार जुंटा द्वीप पर गुप्त रूप से समुद्र में निगरानी के चलाए जाने वाले अभियानों के तहत इस तरह की तैयारी कर रहा हो। इसमें अक्सर चीन की मिलीभगत रही है। ऐसे में इस तरह के निर्माण में भी संदेह जताया जा रहा है कि कहीं न कहीं इस गतिविधि में चीन शामिल है। तख्तापलट के बाद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर जुंटा की निर्भरता इस संदेह को मजबूत करते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, म्यांमार के घनी आबादी वाले शहरों के भीतर चीनी संस्थाओं की ओर बड़ी संख्य में सर्विलांस कैमरे लगाए गए थे। ये सभी उस संदेह को बढ़ावा दे रहे हैं जिसके कयास निर्माण को देखते हुए लगाए जा रहे हैं। देखते-देखते बन गई हैं 200 इमारतें कोको द्वीप समूह में इस तरह के गुप्त उपस्थिति प्ला (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) को एक मजबूत स्थिति मिलेगी। वह मलक्का जलडमरूमध्य के बजाय हिंद महासागर तक अपनी आसान पहुंच बनाने के लिए वैकल्पिक रास्तों को मजबूत कर रहा है। अभी चीन मलक्का जलडमरूमध्य पर निर्भर है। इसके लिए चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे के

माध्यम से देश में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू कर रहा है। एक थ्री-डाइमेंशनल व्यू को देखते हुए यहां 200 इमारतों के निर्माण की पुष्टि होती है, जिनमें कहा जा रहा है कि यहां द्वीप पर म्यांमार के सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के आवास हैं। द्वीप पर चीन की इस तरह की रणनीतिक और संदेहजनक उपस्थिति कोई नई बात नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2009 मे भारत ने म्यांमार के सामने साल 2009 में इस मुद्दे को उठाया था। 1990 के दशक की शुरुआत में भी, चीन द्वारा सैन्य और नौसैनिक उद्देश्यों के लिए इन द्वीपों का उपयोग करने की खबरें लगातार आती रही हैं। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के 2014 के एक पेपर में कहा गया है कि चीन द्वारा अंडमान सागर में कम से कम मनौंग, हिंगगी, ज़ादेतकी और म्यांमार में कोको द्वीप समूह में सिगिनट श्रवण केंद्रों के बनाए जाने की रिपोर्ट है। यहां चीनी टेक्निशियनों और प्रशिक्षकों ने यांगून, मौलमीन और मेरगुई के पास नौसैनिक ठिकानों और रडार से लैस नेवल बेस स्थापित करने के लिए काम किया है। भारतीय तट रक्षक ने अंडमान द्वीप समूह से म्यांमार के झंडे लहराते हुए मछली पकड़ने वाले ट्रॉलरों को रोका है। निरीक्षण करने पर वे सभी चीनी नागरिक निकले, जिनके पास से चालक दल के रेडियो और गहराई में प्रयोग किए जाने वाले ध्वनि मिले जो कि पनडुब्बी में उपयोग किए जाते हैं।

अमेरिका में तूफान और बवंडर का कहर : 21 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल, छह लाख से ज्यादा घरों में बिजली गुल

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर से तूफान और बवंडर ने बड़ी तबाही मचाई दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां दक्षिण-मध्य और पूर्वी अमेरिका में शनिवार को आए तूफान के चलते मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 21 हो गया है। जबकि 100 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। टेनेसी में आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने एएफपी को इस तूफान से सात मौतों की पुष्टि की। इसके अलावा दक्षिण में अर्कांसस, मिसिसिपी और अलबामा और मिडवेस्ट में इंडियाना और इलिनोइस में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है। राज्य के गवर्नर सारा हुकाबी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को तूफान

के बाद कई बवंडर आए। इसके चलते काफी तबाही हुई। दूसरे दिन दिन के उजाले में इसका आकलन किया जा सका। बड़ी संख्या में लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

बिजली की लाइनें टूट गईं। पेड़ उखड़ गए। कारें पलट गईं। सारा हुकाबी सैंडर्स ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है और रिकवरी प्रयासों में मदद के लिए नेशनल गार्ड को सक्रिय कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी बात हुई है। उन्होंने जल्द से जल्द मदद का भरोसा दिया है। मेयर जेनिफर हॉब्स ने सीएनएन को बताया, पूर्वोत्तर अरकंसास में वायने शहर, पूर्व से पश्चिम तक तूफान के चलते आधा कट गया है। यहां आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। नेशनल वेदर सर्विस ने कई अन्य राज्यों के लिए बवंडर की चेतावनी भी जारी की थी। उत्तर में आयोवा से लेकर दक्षिणी राज्य मिसिसिपी तक बवंडर की चेतावनी दी गई थी। यहां पिछले हफ्ते एक बवंडर ने 25 लोगों की जान ले ली थी। तूफान और तबाही के चलते छह लाख से ज्यादा घरों में बिजली गुल हो चुकी है।

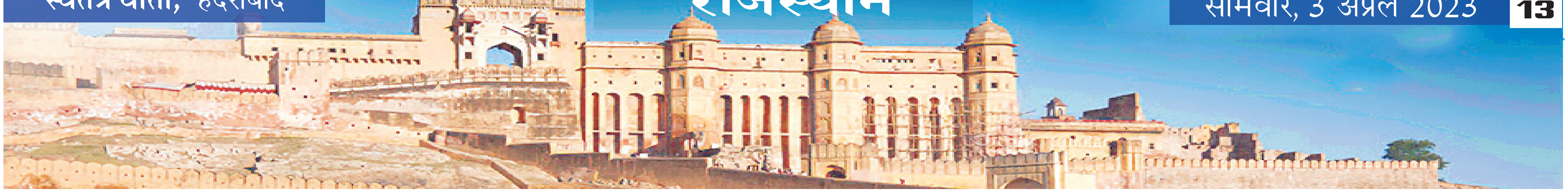

मंत्री महेश जोशी बोले- गहलोत को चौथी बार सीएम बनाएं

खाचरियावास बोले- सीएम सीधे, लोकसभा अध्यक्ष को माला पहनाई, उसी ने राहुल को बाहर किया

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस को एकजुट करके राहुल गांधी के समर्थन में खड़े होने के लिए सांगानेर में बुलाए गए जयपुर संभाग सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी के सामने अशोक गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने के नारे लगे। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने प्रभारी के सामने गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने की मांग करते हुए नारेबाजी करवाई। गहलोत के पक्ष में करवाई गई इस नारेबाजी से सियासी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सीएम का भाषण खत्म होने के कुछ ही देर बाद मंत्री महेश जोशी ने माइक संभालकर कहा- मुख्यमंत्री ने अभी तीन बार सीएम बनाने की बात कही। राजस्थान की जनता चाहती है कि आप चौथी बार भी सीएम बनें। इस दौरान जोशी ने लोगों से गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने के नारे लगवाए।

खाचरियावास का लोकसभा स्पीकर पर निशाना

प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा- मुझे एक बात का दुख है, हमारे मुख्यमंत्री और विधानसभा के अध्यक्ष सीधे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बुला-बुलाकर माला पहनाई। उसी लोकसभा अध्यक्ष ने इतना बड़ा धोखा किया कि हमारे नेता राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता खत्म कर दी। पाप की पराकाष्ठा है। मैंने कहा भी था कि आप बार-बार ओम बिरला को माला पहना रहे हो, मैं बिरलाजी को जानता हूं।

बिरला के जनता में नंबर कम हो गए

खाचरियावास ने कहा- वे बड़े नेता हैं, कानूनी रूप से आपका सम्मान है, लेकिन ओम बिरलाजी, आप माइक बंद करके प्रधानमंत्री की निगाह में नंबर बढ़ा सकते हो, लेकिन जनता में आपके नंबर कम हो गए। आप ये उल्टे काम मत करो। ये उल्टे काम करोगे तो एक बात तय कर लेना, जनता बख्शने वाली नहीं है।

बीजेपी वालों के घुटने टिकाने 10-15 पहलवान नेता तैयार करें

खाचरियावास ने सीएम अशोक गहलोत से कहा- हमारे बीच सबसे सीनियर नेता गहलोत साहब हैं। हम सब तो उनके आगे बच्चे हैं। गहलोत साहब आप 10-15 पहलवान नेता तैयार करो जो इन बीजेपी वालों के घुटने टिकाने की ताकत रखते हों। ये हमारा परिवार है। आज संकट आ गया है तो परिवार को एक होकर लोकतांत्रिक हथियार उठा लेना चाहिए। अब वक्त आ गया है। राजस्थान कांग्रेस जीत रही है। कांग्रेस को कोई ताकत जीतने से नहीं रोक सकती।

सम्मेलन में पायलट नहीं आए

जयपुर संभााग के सम्मेलन में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट नहीं आए। पायलट सीएम अशोक गहलोत की अगुवाई वाले किसी भी संभाग सम्मेलन में नहीं गए हैं। इसे खींचतान बढ़ने से जोड़कर देखा जा रहा है। सम्मेलन के दौरान गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने के नारे लगवाना भी पायलट कैंप के लिए एक मैसेज की तरह माना जा रहा है।

प्रभारी के सामने गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने के नारों के मायने

प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सम्मेलन के दौरान अपने भाषण में कहा था कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। कांग्रेस में अब कोई खींचतान नहीं है। सम्मेलन खत्म होते ही गहलोत को चौथी बार सीएम बनने के नारे लग गए।

प्रभारी के सामने मंत्री महेश जोशी के गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने के नारे लगवाना भी सियासी नरेटिव बनाने के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है। मंत्री महेश जोशी पर 25 सितंबर 2022 को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर पैरेलल विधायक दल की बैठक बुलाने के आरोप हैं।

इसके बाद कांग्रेस ने उन्हें नोटिस दिया, जिसका जवाब पेश हो चुका है। अब चार महीने से एक्शन पेंडिंग चल रहा है। ऐसे हालात में मंत्री महेश जोशी ने गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने का नारा देकर पायलट कैंप के लिए भी मैसेज दे दिया।

आम जनता को रोडवेज बसों में मिलेगा 50% डिस्काउंट

राजस्थान के मेलों में जाने वाले श्रद्धालुओं को होगा फायदा

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जनता को लुभाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने अब आम जनता को रोडवेज बसों में 50% की छूट देने का फैसला किया है। इसके तहत आज से ही प्रदेश के लक्खी मेलों में जाने वाले श्रद्धालुओं को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में 50% तक छूट दी जाएगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट 2023-24 में इसकी घोषणा की थी। इसके तहत राजस्थान रोडवेज की साधारण और एक्सप्रेस बसों में मेला अवधि के दौरान यात्रियों को छूट दी जाएगी। यह योजना एक अप्रैल से लागू हो गई है। प्रदेश के 14 जिलों के मेलों में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में यह छूट मिलेगी। इस फैसले से

सरकार पर लगभग 12 करोड़ रुपए साल का वित्तीय भार आएगा।

इन मेलों में रहेगी छूट

अजमेर में पुष्कर मेला और दरगाह उर्स, करौली में कैलादेवी मेला, भरतपुर में झील का बाड़ा, जैसलमेर में श्रीरामदेवरा मेला, सीकर में खाटूश्याम जी का मेला, चूरू में सालासर बालाजी का मेला, हनुमानगढ़ में गोगामेड़ी मेला, डूंगरपुर में बेणेश्वर धाम मेला, सवाईमाधोपुर में रणथंभौर गणेश जी का मेला, टोंक में डिग्गी कल्याण जी का मेला, अलवर में भर्तृहरि-पाण्डूपोल मेला, श्रीगंगानगर में बुडढ़ा जोहड़ गुरुद्वारा मेला. बीकानेर में फाल्गुन (मुकाम) मेला, चित्तौड़गढ़ में सांवलिया सेठ और जलझूलनी एकादशी का मेला

रोडवेज बसों में महिलाओं का आधा किराया

राजस्थान में रोडवेज की बसों में महिलाओं का 1 अप्रैल से आधा किराया लगना शुरू हो गया है। सरकार ने महिलाओं को रोडवेज किराए में छूट 30 से बढ़ाकर 50 फीसदी करने की बजट घोषणा को भी लागू कर दिया है। राजस्थान की सीमा में रोडवेज की बसों में यह छूट मिलेगी। यह छूट रोडवेज की लोकल और एक्सप्रेस बसों में मिलेगी, लेकिन वॉल्वो-स्केनिया बसों में नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी के खिलाफ साजिश कर संसद सदस्यता की खत्म

विधायक बोले- शहीद के परिवार के सदस्य के साथ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई

बाड़मेर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता खत्म होने के बाद कांग्रेस सड़क से संसद तक प्रदर्शन कर रही है। बीजेपी पर लगातार प्रेस कांफ्रेंस कर जुबानी हमला बोल रही है। गौ सेवा आयोग अध्यक्ष एवं बाड़मेर विधायक मेवाराम जेन ने शनिवार देर शाम को पत्रकार वार्ता कर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दुर्भावना से विपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी को परेशान करना का आरोप लगाया है। वहीं, विधायक आपके द्वार की शुरूआत आज से वार्ड में जाकर करेंगे।

जैन ने कहा- जिस परिवार के सदस्य आजादी की लड़ाई के लिए जेल में रहे, दादी इंदिरा गांधी व पिता राजीव गांधी देश के लिए शहीद हो गए। उस परिवार के सदस्य राहुल गांधी के साथ आज दुर्भावनापूर्ण साजिश करके कार्रवाई की गई। उनका घर खाली करवा रही है। इससे ज्यादा ओछी हरकत राजनीति में हो नहीं सकती है। जनता मोदी सरकार के मंसूबे समझ चुकी है और 2024 में भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगी।

विधायक जैन ने कहा कि प्रदेश में सीएम अशोक गहलोत ने शानदार बजट पेश किया है। न तो पहले कभी आया है और न ही भविष्य में आएगा। इस बार बजट पेश हो रहा था तब किसी को संभावना नहीं थी कि 19 जिले व 3 संभाग बनेंगे। सबको लग रहा था कि चार-पांच जिले बनेंगे। विधायक ने जनता के लिए जो भी सीएम से मांगा वह सब कुछ दिया।

रिटायर्ड टीचर को मिला पीपीओ

विधायक जैन ने कहा कि मैं रिटायर्ड टीचर के प्रोग्राम में गया तो उन्होंने बताया कि पुरानी पेंशन स्कीम का फायदा मिल गया। गरीबों को गैस सिलेंडर 500 रुपए, बिजली यूनिट फ्री, चिरजीवी स्कीम में 25 लाख तक का इलाज फ्री हो गया। बाड़मेर जिले को एक हजार सड़कें नई मिली है। बाड़मेर शहर के लोगों को नगर परिषद ने 15 हजार से ज्यादा पट्टे दे दिए। शहर के आसपास के गांवों को नगर परिषद से जोड़ा गया है।

सीएम अशोक गहलोत आगामी 5-7 दिनों में बाड़मेर आएंगे। सीएम बाड़मेर में कई शिलान्यास, और लोकार्पण करेंगें और कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और आदर्श स्टेडियम में जनसभा भी करेंगे।

विधायक आपके द्वारा प्रोग्राम आज से

विधायक जैन ने कहा कि आज से विधायक आपके द्वारा प्रोग्राम के माध्यम से शहर के सभी वार्डो में स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों सभापति समेत सभी पार्षदों के साथ में वार्डो में जाएंगे। साथ में लाइट, पानी, नगर परिषद सहित तमाम विभागों के अधिकारी होंगे और आमजन की समस्याओं को सुनेंगे। सरकार की जनकल्याणकारी स्कीम का धरातल पर क्रियान्वयन की जानकारी लेंगे और आमजन को सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराने का काम करेंगे। जैन ने कहा कि सीवरेज के लिए 100 करोड़ का बजट स्वीकृत करवाया है, पानी के लिए 47 करोड़ की स्कीम स्वीकृत हुई है।

बीजेपी विधायक ने गहलोत को मौलाना अशोक बताया

सराफ ने कहा- जयपुर ब्लास्ट केस में ऐसे वकील लगाए, जिन्होंने सही पैरवी नहीं की

जयपुर. 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री कालीचरण सराफ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर विवादित बयान दिया है। कहा कि मौलाना अशोक गहलोत ने तुष्टिकरण की राजनीति की है। उन्होंने केवल अपने आकाओं को खुश करने के लिए ऐसे वकीलों को लगाया, जिन्होंने कोर्ट में इस मामले की ढंग से पैरवी नहीं की। विधायक सराफ शनिवार को छोटी चौपड़ पर जयपुर सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपियों की रिहाई के खिलाफ बीजेपी के प्रदर्शन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि ऐसे पुलिस अफसरों को लगाया गया, जो सही से जांच कर सबूत नहीं जुटा सके। इसकी वजह से हाईकोर्ट ने उन दरिंदों, जिनको फांसी के तख्ते पर होना चाहिए था। उन्हें रिहाई दे दी। इसके लिए सिर्फ गहलोत सरकार जिम्मेदार है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जयपुर के दोषियों की रिहाई के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। यह वही पार्टी है, जिसके नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि आतंकवादी मारे गए तो सोनिया गांधी की आंख के आंसू नहीं रुक रहे। ऐसे में उन्हें सजा कैसे मिल सकती थी। यह बड़ा सवाल है। जो राजस्थान की जनता पूछ रही है।

जोशी ने कहा कि जयपुर और राजस्थान की जनता पूछ रही है कि आखिर 71 लोगों की जान लेने वाले दोषी कैसे छूट गए। यह राजस्थान की जनता का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ने सरकार बचाने के लिए तो सुप्रीम कोर्ट में नामी वकील खड़े कर दिए। बम ब्लास्ट के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कोई वकील सरकार को नहीं मिला। बीजेपी पीछे नहीं हटेगी। सत्ता में आने के बाद इस मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएगी।

आरएसएस को लेकर दिए मुख्यमंत्री के बयान पर भी जोशी ने पलटवार करते हुए कहा- गहलोत को फोबिया हो गया है। जो राहुल गांधी उनको कुर्सी से हटाना चाहते थे। अब उन्हें खुश करने के लिए गहलोत आरएसएस को लेकर बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। जयपुर की जनता न्याय मांग रही है। जिन 71 लोगों ने जान गंवा दी, उसके हत्यारों को फांसी कब मिलेगी।

राजे गुट एक बार फिर सक्रिय

राजस्थान बीजेपी में सतीश पूनिया के अध्यक्ष पद से हटने और सीपी जोशी के अध्यक्ष बनने के बाद अब वसुंधरा गुट एक बार फिर सक्रिय हो गया है। धरने में 3 साल बाद वह नेता भी नजर आए, जो पिछले लंबे वक्त से संगठन के कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए थे। इस दौरान पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता के लावा राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कपिल मिश्रा बोले- गांधी सरनेम नहीं तो इनका धंधा बंद

कहा- राम लला को टेंट में देखना चाहने वालों के बंगले खाली हो रहे

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंदू इकोसिस्टम के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मिश्रा रविवार को जयपुर पहुंचे। यहां होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित नवोन्मेष फाउंडेशन के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- जो लोग राम लल्ला को टेंट में देखना चाह रहे थे, उनके बंगले खाली हो रहे हैं। जो राम मंदिर का विरोध कर रहे थे, आज वे लोग राम लल्ला को भव्य मंदिर में विराजमान होते देख रहे हैं। वे हमेशा राम लल्ला के मंदिर, रामसेतु पर सवाल उठाते थे। सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट देते थे कि राम मंदिर तो था ही नहीं, राम तो काल्पनिक है। उनको सबक मिल चुका है। अब बताओ राम मंदिर है के नहीं।

उन्होंने कहा- अभी राहुल गांधी का एक स्टेंटमेंट सुना की मैं गांधी हूं। सावरकर नहीं हूं। मैं कहता हूं कि भाईसाहब आप असली गांधी भी नहीं हो। सावरकर तो आप हो ही नहीं सकते। सावरकर होने की एक शर्त है कि आप राष्ट्रभक्त हो। जहां तक गांधी सरनेम की बात हो तो एक उदाहरण देना चाहता हूं। मुरादाबाद में खान साहब एक दुकान खोलकर बैठे थे। उस पर लिखा था कि आगरा का मशहूर पेठा हमारे यहां मिलता है। मैंने खान साहब से पूछा आगरा का पेठा तो आगरा में बनता होगा। तब उन्होंने कहा- साहब बोर्ड नहीं लगाउंगा तो धंधा कैसे चलेगा। इसलिए आज मैं सभी से कहता हूं कि ये लोग गांधी सरनेम नहीं लगाएंगे तो इनका धंधा कैसे चलेगा। आपके नाम के आगे गांधी राजघाट पर समाधी की वजह से नहीं है। आपके नाम के आगे गांधी उनके नाम पर लगा है, जिनकी प्रयागराज में कब्र है। आप अपने

असली पूर्वजों को सामने लाएं। उनकी कब्र पर फूल जरूर चढाएं।

मोदी दीवार बनकर खड़े

नरेन्द्र मोदी पर कपिल मिश्रा ने कहा- मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। ये लोग भारत की आर्थिक बर्बादी का सपना देखते हैं। मोदी दीवार बनकर खड़ा है। ये लोग विदेशी वैक्सीन का गुलाम बनाने की बात करते हैं। मोदी स्वदेशी वैक्सीन के साथ दीवार बनकर खड़े हैं। वे धारा 370 को हटाने की बात करते हैं। मोदी दीवार बनकर खड़े हैं। वे वीएफआई का नेटवर्क पूरे देश में खड़ा करना चाह रहे हैं। इनके लिए मोदी दीवार बनकर खड़ा है। इसलिए यह कहना चाहता हूं कि इस देश को ऐसा नेतृत्व और प्रधान ही चाहिए।

रामनवमी के बाद मरहम लगाने के लिए लेनी पड़ेगी छुट्टी

कपिल मिश्रा ने कहा- खालिस्तान की तुलना हिन्दुत्व से करने वालों को इस नववर्ष में कामना करता हूं कि सत्ता से हटे। रामनवमी के दौरान अभी एक दिन की छुट्टी पड़ती है। देश में जो माहौल है, उससे यह तीन दिन की हो जाएगी। यह इसलिए क्योंकि दो दिन की छुट्टी इलाज और मरमपट्टी करवाने के लिए लेनी पड़ेगी। यही माहौल इन दिनों देश में है। एक दिन त्योहार मनाओ। दो दिन मरहम लगाओ। लोग कहेंगे चोट लगेगी तो एडवांस में छुटटी अप्लाई कर देंगे। मैं उनसे कहता हूं. फिर नेटबंदी हो जाएगी। कहां से अप्लाई करोगे। रामनवमी अब ऐसा त्योहार बनता जा रहा है, जब लोग इसके बारे में पढाएंगे कि इसकी तैयारी दोनों समाज के लोग धूमधाम से करते थे। एक पूजा की तैयारी और दूसरा पत्थरबाजी की तैयारी। कपिल मिश्रा ने कहा- कुछ लोगों ने कहा कि रामनवमी पर मुस्लिम इलाकों से यात्रा निकलेगी तो पथराव होगा। दंगा होगा ही। मैं कहना चाहता हूं कि रामनवमी पर मुस्लिम क्षेत्र से यात्रा निकलेगी तो पथराव होगा। बिटिया छोटे कपड़े पहनेगी तो बलात्कार होगा। यह कहना एक जैसा ही है। अब पीड़ित को अपराध का दोषी बताया जा रहा है। विक्टिम को क्रिमिनल बताने की कोशिश हो रही है। यह तो ऐसा हो गया कि इतनी ऊंचा ट्विन टावर बनाओगे तो कोई हवाई जहाज मारेगा ही।

ट्रक-पिकअप में भिड़ंत, एक परिवार के 5 लोगों की मौत

सालासर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे, 3 गंभीर हालत में हिसार रेफर

सादुलपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देर रात हुए एक्सीडेंट के बाद यहां लंबा जाम लग गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सालासर बालाजी के दर्शन कर हरियाणा लौट रहे एक परिवार के 5 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए।

घायलों को राजकीय रेफरल हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से 3 घायलों को गंभीर हालत में हिसार रेफर कर दिया गया। हादसा चूरू जिले के सादुलपुर थाना इलाके में हुआ।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के हिसार जिले के सिहाड़वा गांव का एक परिवार सालासर बालाजी के धोक लगाने आया था। बालाजी के धोक लगाने के बाद देर रात को परिवार के लोग पिकअप से अपने गांव लौट रहे थे।

इस दौरान राजगढ़-चूरू हाईवे पर रतनपुरा गांव के पास शनिवार रात करीब 1 बजे ट्रक और पिकअप में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप के परखच्चे उड़ गए और परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। मृतकों में 3 बच्चे शामिल हैं।

राजगढ़ थानाधिकारी सुभाष चंद्र ढिल ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे पिकअप और ट्रक में आमने-सामने की भिड़ंत की सूचना मिली थी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। हादसे में पिकअप के परखच्चे उड़ गए थे। मृतकों और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। 3 लोगों को गंभीर हालत में हिसार रेफर कर दिया गया है। मृतकों के शव मॉर्च्युरी में रखवाए।

थानाधिकारी ने बताया कि हिसार जिले के सिहाड़वा गांव निवासी पिकअप ड्राइवर सोनू अपने परिवार के लोगों और पड़ोसी के साथ सालासर बालाजी के दर्शन करने आया था। बालाजी के दर्शनों के बाद देर रात को गांव लौट रहा था। इस दौरान पिकअप की ट्रक से भिड़ंत हो गई।

हादसे में सोनू की ताईजी विमला (63), मां कृष्णा (60) और बेटी अंजलि (5) के साथ ही भतीजी सरस्वती (5) और भांजे अंकित (8) की मौत हो गई, जबकि सोनू, सोनू की पत्नी ओमपति और पड़ोसी प्रवीण गंभीर रूप से घायल हो गए। सोनू के चाचा ओमप्रकाश ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। सोनू पिकअप चलाने के साथ ही खेतीबाड़ी करता है।

नकली दूध पकड़ने वाले चेयरमैन को मिल रही धमकियां

फिर 9 हजार लीटर दूध नष्ट कराया, अब तक 25 लाख रुपए जुर्माना भी वसूला

अलवर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर सरस डेयरी में पहुंचे 9 हजार लीटर दूध को शनिवार रात नष्ट कराया गया। यह दूध सरस डेयरी में 1194 कोड नंबर सोसायटी से आया था। दूध के आने के बाद जांच कर नष्ट करा दिया। दूध में तेल सहित अन्य पदार्थ मिलावट मिला। डेयरी चैयरमैन विश्राम गुर्जर ने कहा कि बराबर मिलावटी दूध पकड़ने पर दूध माफिया की धमकी मिलने लगी है। मिलावटी दूध नष्ट कराने के एवज में करीब 25 लाख रुपए जुर्माना भी वसूला है।

यह नौ हजार लीटर दूध करीब 6 लाख रुपए की कीमत का था। इससे पहले भी 6 बार बड़ी मात्रा में मिलावटी दूध पकड़ा है। तभी तो 25 लाख रुपए का जुर्माना भी किया गया है। हम बराबर मिलावटियों को पकड़ने में लगे हैं। हम मिलावट करने वालों को बख्शेंगे नहीं। हम प्रशासन के साथ मिलकर भी एक्शन लेंगे। कुछ जगहों पर रैकी की गई है। जल्दी और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

कसम खा रखी है मिलावट नहीं होने दूंगा

चेयरमैन विश्राम गुर्जर ने शनिवार को दूध नष्ट कराते समय कहा कि उन्होंने कसम खा रखी है कि सरस में मिलावटी दूध नहीं आने दिया जाएगा। चाहे दिन-रात छापे मारने पड़े। मेरे छोटे से कार्यकाल में अब तक पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मिलावटियों पर एक्शन लिया गया है। उनसे 25 लाख रुपए जुर्माना वसूला है। कई जगहों पर छापे मारे हैं।

साले ने जीजा के कान काटे, सिर फोड़कर मर्डर

बहरोड़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। हरियाणा से युवक का अपहरण कर अलवर के जंगलों में हत्या कर दी गई। हत्यारे शव को जयपुर ग्रामीण इलाके में फेंक गए। बहन से लव मैरिज करने के कारण साला नाराज था। आरोप है कि उसी ने वारदात को अंजाम दिया है। हरियाणा पुलिस साले को गिरफ्तार कर चुकी है। घटना 30 मार्च की है।

30 मार्च को जयपुर ग्रामीण के भाबरु थाना क्षेत्र के जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर अलवर पुलिया के नीचे एक डेड बॉडी मिली थी। पुलिस ने शव की पहचान के लिए फोटो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। युवक की पहचान महेंद्रगढ़ (हरियाणा) जिले के अटेली थाना क्षेत्र के खोड़ गांव निवासी दीपक चौहान (28) के रूप में हुई। घरवाले पुलिस के पास पहुंचे तो पूरे मामले से पर्दा उठा। सामने आया कि दीपक ऑनर किलिंग का शिकार हुआ है।

दीपक चौहान का बड़ा भाई विनय सिंह चौहान आर्मी में है। विनय ने बताया कि दीपक ने गांव की ही अनु (20) से 27 मार्च को हरियाणा के झज्जर जिले में लव मैरिज की थी। उनका परिवार चौहान और अनु का परिवार तंवर गोत्र का है। इस शादी से अनु के घरवाले नाराज थे।

विनय का आरोप है कि अनु के घरवालों को इस बात से भी आपत्ति थी कि उनकी बेटी ने एक चौहान से उनकी मर्जी के खिलाफ शादी कर ली। अनु के घर वालों को ये शादी अपनी इज्जत पर दाग जैसी लग रही थी।

आटिज्म के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग करेगी तेलंगाना सरकार : गुप्ता

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार आटिज्म के क्षेत्र में जागरूकता और इसके सुधार के क्षेत्र में आवश्यक हरसम्भव सहयोग का प्रयास करेगी। उक्त आश्वासन तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन उप्पला श्रीनिवास गुप्ता ने विश्व आटिज्म जागरूकर दिवस पर माधव आटिज्म में व्यक्त किये। उन्होंने आटिज्म के क्षेत्र में फाउन्डेशन के द्वारा निरंतर किये जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए समाज और राष्ट्र के पक्ष में इसे एक बडी सेवा कार्य बताया। विशेष अतिथि आल इण्डिया इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइन्स के अधीक्षक नीरज अग्रवाल ने आटिज्म के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव लोगों को साझा करते हुए आटिज्म के प्रति जागरूकता अत्यधिक जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि आटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि बच्चों के विकास में एक डिसआप है, जिससे बचाव हेतु प्रारम्भिक सावधानियां जरूरी है। पावर ग्रीड कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि. के कार्यकारी निदेशक (ईडी) राजेश श्रीवास्तव ने माधव आटिज्म फाउन्डेशन द्वारा विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस पर माधव अटिज्म फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस क्षेत्र में सेवारत सुमन सराफ भी प्रसन्नता की। विशेष अतिथि सूरत सिंह मल्होत्रा ने सभा के और उक्त कार्यक्रम के माध्यम से आटिज्म के बारे में जानकारी प्राप्त होने के उपरान्त इसे बडी आवश्यकता बताते हुए हर किसी को इस क्षेत्र में सेवाभाव और सहयोग से आगे आने हेतु आह्वान किया।

इससे पूर्व फाउन्डेशन की अध्यक्षता सुमन सराफ ने अतिथियों और कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों का स्वागत सम्मान किया। फाउन्डेशन के सचिव डॉ. दिलीप पंसारी ने फाउन्डेशन के गठन और उद्देश्यों तथा 6 वर्षों की गतिविधियों की जानकारी प्रकट की। इस अवसर पर कवाडीगुडा में प्रारम्भ हो रहे आटिज्म सफल को शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित आईएसएस जगदीश्वर राव (तेलंगाना राज्य सरकार के पूर्व प्रमुख सचिव), श्रद्धा, स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीदेवी, एसीई इंजीनियरिंग एकेडेमी के प्रमुख गोपाल कृष्णा और अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये। मेहमानों का पुस्पगुच्छों से स्वागत उपाध्यक्ष अनिल सराफ और विशेष बच्चों ने किया। मेहमानों को बच्चों के हाथों से बनाया गयी वस्तु स्मृति चिह्न स्वरूप भेंट की गयी। हिमाद्री समूह, मेटालिकगो नृत्य, फेब्रीकस और अन्य के प्रायोजन में आयोजित किया। कार्यक्रम महेन्द्र अग्रवाल, अशोक जिन्दल, ललित बसल, अरुण गोयल, राजेश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मीता पसारी, सुमन आटिज्म सेंटर के कर्मचारियों एवं अन्य का सहराहनिया सहयो रहा। कार्यक्रम में राहुल अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, अश्विनी, पल्लवी राजू, शिप्रा गांधी, वम्शी, धीराज खेतान, संगेश अग्रवाल, विजय जिन्दल, प्रदीप अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, एमडी सन्दीप, कोण्डा रविन्दर, शेष रमा गोयल, पायलट विवेक अग्रवाल, दीपा सराफ, सुनिल नैना सराफ, संदीप अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, पवन मुरारका, एमएसएसआई की चेयरपर्सन मीना गुप्ता, विध्यांजलि की प्रधानाचार्य शशि गुप्ता, पीयूष अग्रवाल, राकेश जैन, सुरेश सराफ, अमीष शाह, मिसेज एशिया पेसिफीक सुधा जैन, राजश्री, विक्की सराफ, आलोक राधा टिबरेवाला और अन्य उपस्थित थे।

राज्यों के विकास का अग्रदूत बनें केंद्रीय विश्वविद्यालय : धर्मेंद्र प्रधान

कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का किया भव्य स्वागत

कोरापुट/हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने उनका भव्य स्वागत किया और विश्वविद्यालय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने परिसर में प्रस्तावित खेल परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने भाषा प्रयोगशाला और पुस्तकालय भवन के विस्तार का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कैंपस में सभा को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर, श्री प्रधान ने कोरापुट क्षेत्र की दो प्रतिष्ठित हस्तियों, स्वतंत्रता सेनानी और भूदान आंदोलन के कार्यकर्ता कृष्ण सिंह और प्रसिद्ध बुनकर और पद्मश्री पुरस्कार ग्रहीता गोबर्धन पनिका का सम्मान किया। बैठक के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने उत्कल दिवस 2023 के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दर्शकों से राज्य के विकास के लिए काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें राज्य के गौरव को याद रखना चाहिए और राज्य की भाषाओं के विकास के लिए काम करना चाहिए। जैसा कि ओडिशा 2036 में अपने अस्तित्व के 100 वर्ष पूरे कर रहा है, हमें इसके विकास के लिए काम करना चाहिए। ओडिशा का विकास होगा तो भारत का विकास होगा। ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय को विकास के अग्रदूत के रूप में काम करना चाहिए। विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित राष्ट्र के नए विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य के लिए बहुत जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। कोरापुट जिला चावल और बाजरा जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन अब यह स्ट्रॉबेरी का उत्पादन करता है। यह विकास की प्रकृति है। विश्वविद्यालय को समग्र शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्थानीय लोगों के बीच समावेश के साथ काम करना चाहिए। विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रम में स्थानीय भाषाओं और बोलियों को शामिल करने के लिए काम करना चाहिए ताकि सभी छात्रों को उचित रूप से शिक्षित किया जा सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रो. चक्रधर त्रिपाठी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय भविष्य में अधिक संख्या में संकाय सदस्यों के साथ नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने अपने भाषण में विश्वविद्यालय के लिए भीमभोई चेयर को मंजूरी देने के लिए मंत्री को धन्यवाद दिया। भीमभोई भारत के भक्ति आंदोलन के दौरान प्रमुख कवियों में से एक थे। हमें संत कवि भीम भोई के विचारों का अनुसरण करना चाहिए, जिन्होंने हमेशा अपने बलिदान से भी दुनिया की भलाई के बारे में सोचा। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय बहु-विषयक अध्ययन के लिए काम करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मंत्री विश्वविद्यालय और समाज की बेहतरी के लिए हमारा मार्गदर्शन करेंगे। उड़िया की फैकल्टी मेंबर डॉ. रुद्रानी मोहंती ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर गणमान्य व्यक्ति, विजिटिंग प्रोफेसर फैकल्टी मेंबर्स, रिसर्च स्कॉलर और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को आयोजित की गयी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कमेटी के चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले एक वर्ष से समाज के कार्यालय 301 राघव रत्ना टावर, चिराग़ अली लेन में रविवार की बैठक में लगभग 14 अभिभावकों द्वारा उनके लड़के तथा लड़कियों के बायोडेटा उपलब्ध करवाए गए।

सभी अग्रबंधुओं के विवाह योग्य बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों से आग्रह है कि वे उनके बायोडेटा लाकर उनके उपयुक्त जोड़े हेतु बालकों के बायोडेटा देख कर पसंद करें ताकि उनके विवाह सम्बन्ध हेतु कोशिश की जा सके। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं शाखाओं के सदस्यों से विनम्र आग्रह है कि वे समाज द्वारा उपलब्ध निशुल्क सेवा का लाभ प्राप्त करें। बैठक में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, सदस्य नवीन अग्रवाल, लाड़ली मोहन धानुका , फिजियो थेरापिस्ट डॉक्टर बालकृष्णा सुरेखा एवं कई अभिभावक गण उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट व वनस्थलीपुरम शाखा की बाइक रैली 6 को

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना-कोत्तापेट शाखा एवं वनस्थलीपुरम शाखा के संयुक्त तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बाइक रैली निकालने का कार्यक्रम तय किया गया है। दोनों शाखाओं के प्रतिनिधियों के बीच चैतन्यपुरी स्थित भाग्यश्री फंक्शन हॉल पर हुई संयुक्त सभा में यह निर्णय लिया गया। रैली 6 अप्रैल को भाग्यश्री फंक्शन हॉल के समीप शाम 4:00 बजे से शुरू हो जाएगी। कोत्तापेट एवं वनस्थिपुरम शाखाओं के सभी सदस्यों से इस रैली में शामिल होकर कार्यक्रम का उत्साह बढ़ाने का आह्वान किया गया। संयुक्त सभा में शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, मानद मंत्री ललित कुमार बंसल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य अरूण गोयल, राजेश अग्रवाल एवं वनस्थलीपुरम शाखा की तरफ़ से अध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं मानद मंत्री मनोज अग्रवाल ने भाग लिया।

परिवार आग्रह से नहीं आदर से चलते हैं : साध्वी डॉ.मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में आयोजित परिवार कार्यशाला में "परिवार आनंद का आधार" विषय पर अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्रबुद्ध प्रवचनकार साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी ने कहा कि साधना का उद्देश्य होता है आनंद की अनुभूति। चिंतनीय विषय है - समूह में रहकर आनंद का जीवन कैसे जीए? शांति कैसे प्राप्त करें? साध्वी श्री ने कहा यदि परिवार में आनंद है तो सातों वार सुख देंगे। हम सभी संसार के रंगमंच पर किरदार की भूमिका निभा रहे हैं। आवश्यकता है हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों, दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें। समस्याओं को समाहित करने का प्रयत्न करें। जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का सामना करना सीखें। परिवार में समस्या का मुख्य कारण है वाणी का असंयम। आग्रह की चेतना परिवार की शांति को भंग कर देती है। आवश्यक है परिवार का हर सदस्य शिष्टता के साथ बात करें। खुद को सही मानें पर दूसरा गलत ही है ऐसी आग्रह भावना से दूर रहे। सहनशीलता एक ऐसा महत्व पूर्ण सूत्र है जो जिंदगी की गाड़ी को ठीक तरह चला सकता है। अहंकार की वृत्ति को कम करने का प्रयास आनंद और शांति देगा। परिवार को भार नही आनंद का आधार मानें। श्री महेश्वरी विद्यालय, कबूतरखाना में आयोजित के विशाल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय बहनों ने मंगल-स्वागत-स्वर प्रस्तुत किए। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती मोनिका जैन ने विद्यालय परिवार की ओर से साध्वी परिवार का स्वागत किया। साध्वी सुदर्शन प्रभा जी, साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी डॉ राजुल प्रभा जी, साध्वी डॉ चैतन्यप्रभा जी एवं साध्वी डॉ शौर्य प्रभा जी ने परिवार गीत का सामूहिक संगान किया।

हैदराबाद में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 300 लोगों पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार रात शहर में नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए लगभग 300 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। यातायात पुलिस की टीमों ने पुराने शहर सहित शहर में विभिन्न स्थानों पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की और 300 लोगों को पकड़ा। पुलिस ने चालकों के वाहनों को हिरासत में लिया और बाद में इसे उन लोगों के रिश्तेदारों या परिचितों को सौंप दिया जो नशे की हालत में नहीं थे। पुलिस ने पकड़े गए और जिनके खिलाफ मामले दर्ज हैं, उन ड्राइवरों को अदालत में पेश होने और यातायात प्रशिक्षण संस्थानों में काउंसलिंग में भाग लेने के लिए कहा।

माओवादियों ने विधायक को चेतावनी वाला पत्र जारी किया

मनचेरियल, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित माओवादी पार्टी के सदस्यों ने डेयरी सुविधा में महिलाओं को परेशान करने का आरोप लगाते हुए बेलमपल्ली के विधायक दुर्गम चिन्नैया के खिलाफ कथित तौर पर सजा की धमकी दी है। यह धमकी रविवार को पार्टी की एक शाखा सिंगरेनी कर्मिका समाख्या के सचिव प्रभात द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में आई है। पत्र में यह भी मांग की गई है कि विधायक डेयरी द्वारा ठगे गए किसानों को मुआवजा प्रदान करें और कहा कि अगर उन्होंने उनकी मांगों का पालन नहीं किया, तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद का त्रिदिवसीय कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान महावीर स्वामी के 2622 वे जन्म कल्याणयक महोत्सव के उपलक्ष में युवा परिषद के त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज पहले दिन विशेष पहल की गई। खरतरगच्छाधिपति श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी म.सा.की प्रेरणा से आज कारवान दादावाड़ी में सभी पुजारीजी सेवादारों ओर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के अलावा फीलखाना, गोशामहल, सीना बेकरी,जामबाग़, स्थित जैन मंदिर जी के सभी पुजारीजी को कुर्ते पायजामा सिलवाकर सप्रेम भेंट किये गए। युवा परिषद मानव सेवा और जीवदया क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहता है दूसरे दिन अनाथालय में प्रभु महावीर के जन्मोत्सव के उपलक्ष में बच्चो को लड्डू ओर बिसकिट्स का वितरण किया जाएगा। कारवान दादावाड़ी स्थित वृद्धाश्रम में मीना मुथा ने युवा परिषद के इस कदम की बहुत सहारना की आपने जैन सेवा संघ महिला विभाग द्वारा संचालित इस वृद्धाश्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मंत्री कपिल झाबक ने सभी सदस्यों को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। आज के कार्यक्रम में श्रवण छाजेड़, दिनेश बोकड़िया, मनोज तातेड़, विमल छाजेड़, विक्रम पारख, विवेक हुंडिया, देवेंद्र सिंघवी, प्रशांत श्रीश्रीमाल, अमित छाजेड़ आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सिखवाल बाह्मण समाज द्वारा राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा प्रेमलता व्यास के निर्वाचन पर महिला समिति में हर्ष की लहर छा गई एवं इसी अवसर में आज सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा भव्य रुप से राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रेमलता व्यास का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, रुपचंद व्यास, नरेश पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी, पंडित सुर्यप्रकाश सिखवाल, सन्दिप जायलवाल, प्रभु दयाल पांडिया, पवन पुरोहित, रामेश्वरलाल जोशी, राधाकिशन उपाध्याय, लक्ष्मी नारायण ओझा, किरण व्यास, कांता जायलवाल, दुर्गा ओझा, गीता उपाध्याय, संगीता पांडिया, गायत्री तिवारी, रेखा उपाध्याय, अलकनंदा तिवारी, द्रौपदी तिवाड़ी, जमुना उपाध्याय ज्योति व्यास व अन्य उपस्थित रहे।

भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति द्वारा आयोजित श्रीराम नवमी कार्यक्रम में पधारे काशी सुमेरु पीठाधीश शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रनाथ सरस्वती ने अपनी बिदाई से पहले नगर स्थिन रामानुज स्वामी की प्रतिमा का दर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित हैं उत्सव समिति के गोविंद राठी, डॉ. मोहन गुप्ता, सुमित राठी, मनोज जायसवाल, सत्यनारायण, प्रकाश राठी, निहाल सिंह व अन्य।

चन्दानगर में आयोजित समाजसेवी स्व. गोपालकृष्णजी राजपुरोहित की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा पुष्प अर्पित करते हुए संजयसिंह, कुलवन्तसिंह, महेन्द्रसिंह, गजेन्द्रसिंह, धनंजय, मंथन, प्रणव सिंह, महावीर सिंह, तेजसिंह सेवड़, गजेन्द्रसिंह निम्बोल, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह बिरावास, मांगूसिंह, राजेन्द्रसिंह, मानसिंह व समाज बन्धु।

सर्वसम्मति से नेशनल मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें मैरी लक्ष्मण रेड्डी को आजीवन अध्यक्ष, जे, प्रताप को मुख्य संरक्षक, जी. महिपाल रेड्डी को अध्यक्ष, आर. प्रभु कुमार गौड़ को महासचिव और डी. लक्ष्मी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

उप्पल स्थित अथमिया सम्मेलन में मुख्यअतिथि विधायक बी.सुभाष रेड्डी, पूर्व एम.बी.सी. अध्यक्ष टी. श्रीनिवास, वरिष्ठ नेता बी. लक्ष्मा रेड्डी, अल्पसंख्यक नेता एम.के.बदरुद्दीन का सम्मानकर, कापरा डिविजन में श्मशान वाटिका के लिए जमीन का ज्ञापन सौंपते हुए मारवाड़ी प्रवासी बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सांप्रदायिक आग...

पुलिस पर भी एक पक्ष ने पथराव किया था। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पथराव के बाद कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने पथराव करने वाले पक्ष के 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस गांव में कैंप कर रही है। स्थिति नियंत्रण में है।

भागलपुर : शोभायात्रा के दौरान दो पक्षों में झड़प

भागलपुर के नवगछिया के खरिक थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान दो पक्षों में झड़प हो गई। मारपीट में एक पक्ष की महिला गंभीर रूप से घायल है। एसडीओ उत्तम कुमार, एसडीपीओ दिलीप कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मुंगेर : प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा

मुंगेर के गढ़ीरामपुर में शनिवार को प्रतिमा विसर्जन के दौरान विवाद हो गया। शरारती तत्व ने पत्थर फेंक दिया। इस पर स्थानीय और विसर्जन करने जा रहे लोगों में पथराव हुआ। पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई है। कई लोग जख्मी हुए। दो गांव में तनाव को देखते हुए एसडीएम, डीएसपी सहित कई थानों की टीम मौके पर पहुंची थी।

नीतीश के लिए भाजपा...

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैंने राज्यपाल को फोन किया तो ललन सिंह बुरा मान गए। वे कहते हैं कि बिहार में क्यों हस्तक्षेप कर रहे हैं? मैं कहता हूं, मैं केंद्रीय गृह मंत्री हूं। बिहार भी हमारी जिम्मेदारी हूं। नीतीश कुमार की सत्ता की भूख ने आपको लालू की गोद में बैठने पर मजबूर कर दिया। हमारी कोई मजबूरी नहीं है। हम जनता के बीच जाएंगे। लोगों को बताएंगे। महागठबंधन की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

विवाह की उम्र 21...

सूत्रों के अनुसार, विचार-विमर्श की इस पूरी प्रक्रिया में 1 साल लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट में भी मामला विचाराधीन है। उससे भी मेल बैठाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने शादी की उम्र लड़कों के लिए 21 और लड़कियों के लिए 18 साल होने पर सवाल किया था कि यह भेद क्यों? इस पर सरकार ने विधेयक बनाकर स्थायी समिति को दिया था।

युवतियों की न्यूनतम उम्र में आखिरी परिवर्तन 1978 में हुआ था, तब उम्र 15 से बढ़ाकर 18 साल की गई थी। इसलिए जरूरी यह कानून: यूनिसेफ के अनुसार, देश में हर साल 15 लाख लड़कियों की शादी 18 से कम उम्र में होती है। 15-19 साल की 16 प्रतिशत युवतियां विवाहित हैं। 2005 से 2015 के बीच इसमें कमी आई थी, पर वह नाकाफी है।

राजस्थान रॉयल्स ने सनराइज़र्स हैदराबाद को 72 रनों से हराया

बटलर और जायसवाल ने जमाए अर्धशतक, चहल ने झटके 4 विकेट

हैदराबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में धमाकेदार आगाज किया है। टीम ने चौथे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को उसी के घर में 72 रनों के बड़े अंतर से हराया। टीम ने 10वीं बार 200 या उससे ज्यादा के स्कोर को डिफेंड किया है।

यह राजस्थान की हैदराबाद पर ओवरऑल 9वीं जीत है। दोनों टीमें 17 बार आमने-सामने हो चुकी हैं। हैदराबाद ने 8 मुकाबले ही जीते हैं।

हैदराबाद के मैदान पर राजस्थान ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। 204 रन के टारगेट को चेज करने उतरी हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 131 रन ही बना सकी।

राजस्थान की जीत के 2 बड़े कारण...

बटलर, जायसवाल और सैमसन की फिफ्टी पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान का टॉप आर्डर सफलता रहा। टीम के टॉप-3 बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए। पहले जोस बटलर ने 20 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उसके बाद यशस्वी जायसवाल ने फिफ्टी जमाई। इन दोनों के बाद कप्तान संजू सैमसन ने 28 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया।

चहल की कमाल गेंदबाजी न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने 204 का टारगेट चेज करने उतरी हैदराबाद की टीम को पहले ही ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी को शून्य पर पवेलियन लौटाया। इससे हैदराबादी बल्लेबाज दबाव में आ गए। मयंक अग्रवाल ने पारी संभालने की असफल कोशिश की, लेकिन बाद में वे भी 23 रन बनाकर आउट हुए। बोल्ट के बाद होल्डर, अश्विन और युजवेंद्र चहल ने बाकी का काम कर दिया।

ऐसे गिरे हैदराबाद के विकेट...

पहलाः पहले ओवर की तीसरी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने अभिषेक शर्मा को बोल्ड कर दिया। दूसरा : पहले ओवर की 5वीं बॉल पर बोल्ट ने राहुल त्रिपाठी को जेसन होल्डर के हाथों कैच कराया। तीसरा : 7वें

ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने हैरी ब्रुक को बोल्ड कर दिया। चौथा : नौवें ओवर की दूसरी बॉल पर जेसन होल्डर ने सुंदर को हेटमायर के हाथों कैच कराया। पांचवां : दसवें ओवर की तीसरी बॉल पर अश्विन ने लेन फिलिप्स को आसिफ के हाथों कैच कराया। छठा : 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने मयंक अग्रवाल को बटलर के हाथों कैच कराया। सातवांः 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने आदिल रसीद को सैमसन के हाथों स्टंपिंग कराया। आठवां : 18वें ओवर की 5वीं बॉल पर चहल ने भुवनेश्वर कुमार को बोल्ड कर दिया।

यहां से राजस्थान की बैटिंग...

हैदराबाद के मैदान पर मेजबानों ने टॉस जीता और राजस्थान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। टीम मौजूदा सीजन में 200 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बनी है। टीम को इंग्लिश बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 35 बॉल पर 85 रन बनाए। जायसवाल ने चौथा और बटलर ने 16वां अर्धशतक जमाया।

राजस्थान के टॉप-3 बैटर ने जमाए अर्धशतक

टॉस हारकर खेलने उतरी राजस्थान के टॉप-3 बैटर्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। पहले जोस बटलर ने 20 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उसके बाद यशस्वी जायसवाल ने फिफ्टी जमाई। इन दोनों के बाद कप्तान संजू सैमसन ने 28 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया।

ऐसे गिरे राजस्थान के विकेट...

पहलाः छठे ओवर की 5वीं बॉल पर फरूकी ने जोस बटलर को बोल्ड कर दिया। दूसरा : 13वें ओवर की तीसरी बॉल पर फरूकी ने यशस्वी जायसवाल को मयंक अग्रवाल के हाथों कैच कराया।तीसरा : 15वें ओवर की पहली बॉल पर उमरान मलिक ने देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड कर दिया। चौथा : रियान पराज को टी नटराजन ने फरूकी के हाथों कैच कराया। पांचवां : टी नटराजन ने संजू सैमसन को अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया।बटलर-जायसवाल ने दिलाई विस्फोटक शुरुआत इंग्लिश बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान की टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 35 बॉल पर 85 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

पीवी सिंधु स्पेन मास्टर्स के फाइनल में

सिंगापुर की मिन को हराया; साल के पहले खिताबी मुकाबले में पहुंची

मिन को 24-22, 22-20 से हराया

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने सिंगापुर की येओ जिया मिन को हरा कर स्पेन मास्टर्स के विमेंस सिंगल्स की फाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु ने 48 मिनट तक चले मुकाबले में मिन को 24-22, 22-20 से हराया। दोनों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में भारत की खिलाड़ी को जीत मिली।

बैडमिंटन रैंकिंग में हाल ही में शीर्ष-10 में अपनी जगह गंवाने वाली सिंधु ने सेमीफाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया। अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका दिए बिना सिंधु ने लगातार दो गेम में मैच का अंत किया।

सिंधु का पलड़ा था भारी

इस मैच से पहले सिंधु का पलड़ा भारी माना जा रहा था। इस मुकाबले से पहले सिंधु और येओ जिया मिन 3 बार एक-दूसरे का सामना किया था, जिसमें सिंधु ने तीनों बार बाजी मारी थी। दोनों खिलाड़ियों की आखिरी मुलाकात बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में हुई थी जिसमें सिंधु ने 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की थी। अब दोनों खिलाड़ियों का रिकॉर्ड 4-0 का हो गया है।

इस साल पहली बार फाइनल में पहुंची

सिंधु के लिए इस साल किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने का यह पहला मौका है। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी करते हुए लय हासिल करने के लिए जूझ रही थी और इस साल के पिछले कुछ टूर्नामेंटों में दूसरे राउंड की बाधा को भी पार नहीं कर पा रही थी।

इससे पहले सिंधु इस साल लगातार तीसरे टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर हुई थी। वह इस साल जनवरी में खेले गए इंग्लैंड ओपन, मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के पहले दौर से बाहर हो गई थीं।

भिवानी में गोल्डन गर्ल का जोरदार स्वागत

नीतू घनघस ने बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड; शहर में विजय जुलूस निकाला

भिवानी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अपने दमदार मुक्कों की बदौलत देश को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाने वाली गोल्डन गर्ल नीतू घनघस का भिवानी पहुंचे पर जोरदार स्वागत किया गया। शहर में विजय जुलूस निकाला गया। हर किसी ने अपनी लाड़ली को सिर आंखों पर बैठाया और जगह-जगह नीतू को नोटों की मालाओं से लाद दिया।

भिवानी को यहां के बॉक्सरों की बदौलत मिनी क्यूबा कहा जाता है। इसमें अब एक नाम बॉक्सर नीतू घनघस का भी है। नीतू साल 2017 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक गोल्ड मेडल लाकर देश का गौरव व बेटियों का मान बढ़ा रही है। बीते साल

कॉमनवेल्थ में और अब हाल में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में नीतू ने अपने दमदार मुक्कों की बदौलत देश की झोली में गोल्ड मेडल डाला है। नीतू ने इस कहावत को पूरा किया है, जिसके तहत कहा जाता है कि म्हारी बेटी, बेटों से कम नहीं।

शहर में नीतू का जुलूस किसी नेता से कहीं बड़ा और शानदार रहा। रंग गुलाल उठा कर खिलाड़ी नाचते गाते खुशी मना रहे थे। भिवानी बॉक्सर क्लब में खुद सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह नीतू को सम्मानित करने पहुंचे और बीबीसी को 11 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने नीतू, उनके कोच व परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों की बदौलत भिवानी का नाम दुनिया में चमका है। देश में हरियाणा और हरियाणा में भिवानी के खिलाड़ी बहुत आगे हैं। खिलाड़ी किसी परिवार या स्टेट का नहीं होता।

खिलाड़ी राष्ट्र की धरोहर होता है। देश में ऐसी खेल नीति की ज़रूरत है, जिससे खिलाड़ी की पहचान कर उसे शुरुआती दौर से ही मदद दी जाए। तभी जाकर देश ओलंपिक की तालिका के टारगेट को प्राप्त कर पाएगा।

विराट कोहली के नए टैटू का मतलब आर्टिस्ट ने बताया

कहा - विराट चाहते थे कि आध्यात्मिकता से जुड़ा हो टैटू, 18 घंटे में पूरा किया डिजाइन

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग 2023 से पहले अपने हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। टैटू के साथ विराट के फोरो को RCB ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया था। टैटू को लेकर फैंस उत्सुक थे और जानना चाहते थे कि इसका मतलब क्या है।

विराट के टैटू बनाने वाले आर्टिस्ट सनी भानुशाली ने इसका मतलब बताया। उन्होंने कहा कि, कोहली ने मुझसे पिछले महीने संपर्क किया। वह अपने पुराने टैटू को नए से ढंकना चाहता था। वह चाहते थे कि नया टैटू अध्यात्म, और जीवन की संरचना को दर्शाता हो।

बिजी शेड्यूल की वजह से दो

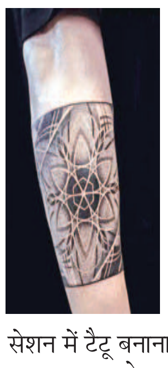

सेशन में टैटू बनाना पड़ा। पहला सेशन मुंबई स्टूडियो में हुआ। जहां इसे बनाने में 6 घंटे लगे। वहीं, दूसरा सेशन बेंगलुरु में हुआ जहा इसे बनाने में 12 घंटे लगे।

डिजाइन का हर एलिमेंट उसे आत्याधम से जोड़ता है। मेटाट्रॉन क्यूब एक पवित्र ज्योमेट्रिक सिंबल है। इसमें दुनिया की सभी आकर है। गोल, चौकोर, त्रिभुज इत्यादि।

सेप्टागोन यानी जिस शेप की सातों भुजाएं समान है, यह परफेक्शन, सद्भाव और जीवन के संतुलन को दर्शाता है।

ज्योमेट्रिक फूल जीवन के सभी चीजों के बीच के कनेक्शन को समझाता है। और क्यूबिक पैटर्न स्थिरता और संरचना का प्रतीक है।

यह सभी एलिमेंट साथ में ब्रह्मांड की एकता और जुड़ाव की भावना सो दर्शाते है। यह बुमे बताते है कि हम सब इस ब्रह्मांड में किसी न किसी रूप में जुड़े हुए है।

विराट के आने पर स्टूडियो बंद करना पड़ा

भानुशाली ने बताया कि टैटू बनवाने वाले दिन, स्टूडियो पूरी तरह से बंद था और बाहर सिक्योरिटी गार्ड तैनात थे। जैसे-जैसे घंटे बीतते गए, विराट अपने टैटू को बनवाने की प्रक्रिया में पूरी तरह से डूब गए। उन्हें डिजाइन बहुत पसंद आया।

सालों से एक ही टैटू आर्टिस्ट

टैटू आर्टिस्ट सनी भानुशाली ने बताया कि कुछ साल पहले कोहली हमारे स्टूडियो आए और फोन दिखा कर कहा कि मैं आपको बहुत समय से फॉलो कर रहा हूं। आप अच्छे टैटू बनाते है। इसके बाद से वह हमसे ही टैटू बनवाने लगे। इस बात से मैं बहुत खुश हूं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का निधन

88 की उम्र में ली आखिरी सांस, भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने वाले पहले अफगानी थे

जामनगर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सलीम दुरानी ने 88 साल की उम्र में रविवार सुबह अपने जामनगर स्थित घर में अंतिम सांस ली, उनके परिवार ने इस बात की पुष्टि की। भारतीय टीम के ऑलराउंडर दुर्रानी ने भारत के लिए 29 टेस्ट खेले और 1202 बनाए और 75 विकेट लिए है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दुर्रानी ने 170 मैच में 8545 रन और 484 विकेट है।

अफगानिस्तान में हुआ था जन्म

सलीम दुर्रानी का जन्म 11 दिसंबर 1934 को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुआ था। बाद में दुर्रानी का परिवार कराची

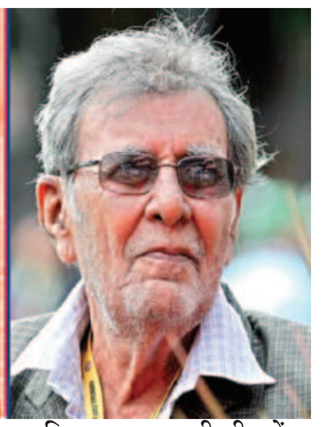

आकर बस गया था। भारत-पाकिस्तान बटवारे के समय दुर्रानी का परिवार भारत आ कर बस गया था।

1961-62 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत में दिया था अहम योगदान

दुर्रानी को शानदार ऑलराउंडर के रूप में जाना जाता था। 1961-62 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने अहम योगदान दिया था। आखिरी दो टेस्ट में सलीम ने भारत को जीत दिलाई थी। उन्होंने कोलकाता में आठ और चेन्नई टेस्ट में दस विकेट लिए थे। भारत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीता था। के खिलाफ पहली सीरीज जीत थी।

अर्जुन अवार्ड पाने वाले पहले क्रिकेटर

सलीम दुर्रानी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले पहले क्रिकेटर थे। साल 1961 में उन्हें यह सम्मान मिला था।

दुर्रानी के समर्थन में फैंस ने टीम का किया था विरोध

दुर्रानी को फैंस बहुत पसंद करते थे। 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में दुर्रानी को टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। इसके बाद फैंस ने स्टेडियम में टीम का विरोध किया। फैंस ने कार्ड और बैनर पर लिखा - दुर्रानी नहीं तो टेस्ट नहीं। इसके बाद दुर्रानी को मुंबई टेस्ट में मौका मिला।

फिल्मों में भी किया है काम

सलीम दुर्रानी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच फरवरी 1973 को इंग्लैंड के खिलाफ ब्रबोर्न स्टेडियम मुंबई में खेला था। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया। संन्यास के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में भी हाथ आजमाया था। दुर्रानी ने बॉलीवुड फिल्म 'चरित्र' में काम किया था।

आईटीएफ मैसूर ओपनः मुकुंद ससिकुमार और विष्णुवर्द्धन ने जीता युगल खिताब, रितविक-निक्की हारे

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। विष्णुवर्द्धन ने कहा कि वह मैसुरु टेनिस क्लब में 12 साल की उम्र में आया था। मैंने 2012 में यहां अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीता था।

भारत के मुकुंद ससिकुमार और

विष्णुवर्द्धन ने आईटीएफ मैसुरु ओपन का युगल खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में हमवतन शीर्ष वरीय रितविक चौधरी और निक्की पोंचा को एक घंटे 10 मिनट चले मुकाबले में 6-3, 6-4 से पराजित किया। मुकुंद और विष्णु ने मैच में सात ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। मुकुंद और विष्णु ने अपने 80 प्रतिशत अंक पहली और दूसरी सर्विस पर बटोरे। इससे पहले सेमीफाइनल में मुकुंद-विष्णुवर्द्धन ने दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के ब्लैक एलिस और यूक्रेन के व्लादिस्लेव ओरलोवा को 6-4-7-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

विष्णुवर्द्धन ने कहा कि वह मैसुरु टेनिस क्लब में 12 साल की उम्र में आया था। मैंने 2012 में यहां अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीता था। अब मैं युगल मुकाबला जीतकर बेहद खुश हूं। एकल में एस डी प्राजवाल सेमीफाइनल में ब्रिटेन के जॉर्ज लोफेगेन से 5-7, 4-6 से पराजित हो गए। जॉर्ज का सामना फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ब्लैक इलिस से होगा जिन्होंने अमेरिकी ओलिवर क्राफोर्ड को दूसरे सेमीफाइनल में 7-5, 6-3 से पराजित किया था।

कोहली और छेत्री बोले- खेल और फिटनेस पर जोर देना जरूरी, इसे अहम विषय का दर्जा मिले

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली और भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का मानना है कि खेल और फिटनेस को बड़े स्तर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही देश के विकास के लिए शैक्षिणिक संस्थानों में एक प्रमुख विषय के तौर पर शामिल किया जाना चाहिए।

कोहली और छेत्री ने एक स्पोर्ट्स ब्रांड के कार्यक्रम में यह बात कही। इस दौरान कोहली और छेत्री ने अपने पुराने दिनों को याद किया। दोनों दिग्गजों ने अपनी कहानी भी सुनाई, जो उन लोगों को फिटनेस के लिए प्रेरित करेगी। अपने अनुशासन और फिटनेस के जुनून के साथ लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा बनने वाले कोहली ने जीवन में सफल होने के लिए देश के बच्चों और बड़ों को एक मजबूत खेल संस्कृति अपनाने की जरूरत

बताई।

विराट कोहली ने कहा, "खेल और फिटनेस हमेशा मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और एक क्रिकेटर के रूप में मेरे करियर ने मेरे व्यक्तित्व को भावनात्मक सकारात्मक आकार दिया है। हमें विश्वास है कि आज इस मंच पर खेल पेशेवरों के रूप में साझा की गई हमारी यात्रा देश को फिटनेस को जीवन का एक तरीका बनाने के लिए प्रेरित करेगी। हमने लोगों के साथ जुड़ने के अवसरों को अधिक सक्रिय बनाने, एक संपन्न खेल संस्कृति के महत्व को रेखांकित करने और एक फिट भारत के विकास में योगदान करने के तरीके खोजने के लिए एक संकल्प लिया है।"

कोहली ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, "गणित को छोड़कर, मैं पढ़ाई में काफी अच्छा था। मैं सिर्फ गणित नहीं समझ सका। मुझे डर लग रहा है। मैं अपनी बेटी को कुछ कैसे सिखाऊंगा? उसने मुझसे कुछ सवाल पूछे और वह वास्तव में मुझे डराता है। मेरे पास गणित करने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। लेकिन जब मैंने इस पर ध्यान दिया तो मैं काफी अच्छा था। इसलिए, मुझे स्कूल में कभी परेशानी नहीं हुई, कभी क्लास बंक नहीं की।"

भारत के सबसे अनुभवी फुटबॉलर और भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा, भारत एक विशाल देश है और यह वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की असीम क्षमता रखता है। हालांकि, ऐसा होने के लिए हमें खेल और फिटनेस में जमीनी स्तर से भागीदारी को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसे एक शौक के रूप में सीमित करने के बजाय इसे दैनिक जीवन की एक आवश्यक आदत के रूप में लेना चाहिए। खेल दुनिया भर में लाखों लोगों को शक्तिशाली तरीके से प्रभावित करता है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे खेल और फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

हरियाणा पहुंची शेफाली वर्मा: मां ने आरती उतारी

वुमेन क्रिकेटर बोलीं- डब्ल्यूपीएल से नई प्रतिभाएं सामने आएंगी

रोहतक, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक स्थित अपने निवासी पर अंडर 19 टी20 जूनियर महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा पहुंची। रोहतक पहुंचने पर शेफाली वर्मा का उनके परिवार और रिश्तेदारों ने जोरदार स्वागत किया। भले वे महिला विश्व कप में अधिक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। मगर शेफाली की महिला आईपीएल में 2 करोड़ में बोली लगी थी और बेहतर प्रदर्शन किया।

शेफाली के घर पहुंचने पर मां प्रवीन ने आरती उतारी। वहीं शेफाली ने वुमेन प्रीमियर लीग की सराहना करते हुए कहा कि इससे नई प्रतिभाएं सामने आएंगी।

शेफाली वर्मा ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने परिवार और कोच को दिया। उन्होंने कहा कि वह आगे बेहतर खेलेंगी। माता पिता ने भी अपनी लाडली की कामयाबी पर खुशी जाहिर की।

शेफाली ने भी अपने अनुभव सांझा किए और कहा अब वे खूब मेहनत करेंगी।

कप्तानी को नहीं होने दिया हावी

अंडर 19 टी20 महिला क्रिकेट विश्वकप के दौरान उन्होंने कभी भी कप्तानी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। अपनी टीम के मनोबल को बढ़ाती रही और टीम ने बहुत बेहतर काम किया। जिसके चलते वे विश्वकप जीत पाए। सीनियर विश्वकप के दौरान जो खामियां रही उन खामियों को भी ठीक करके भविष्य में मेहनत करेंगे और उन्हें पूरी उम्मीद है कि अगला विश्व कप भारतीय टीम जीतकर अपना परचम लहराएगी।

जीत पर जताई खुशी

शेफाली वर्मा ने कहा कि टी20 जूनियर महिला वर्ल्ड कप जीतने पर बहुत खुशी हुई। यह महिला खिलाड़ियों के लिए पहला वर्ल्ड कप रहा। सभी के आशीर्वाद से यहां तक पहुंची हूं। बच्चों से कहा कि जो मन में ठानी है उसको लेकर पूरी मेहनत करें। उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो टीम में खिलाड़ी हैं ज्यादातर सामान्य परिवारों से हैं और अपनी मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया।

डब्ल्यूपीएल से नई प्रतिभाएं आएंगी सामने

उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने जो महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग की शुरुआत की है। उससे महिला क्रिकेट में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलने के साथ खिलाड़ियों को आर्थिक तौर पर भी मदद होगी। ऐसी ही प्रीमियर लीग की वजह से वे आज इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने आईपीएल में ऋतुराज गायकवाड़ की परफॉर्मेंस की सराहना करते हुए कहा यह हमारे देश की टीम का भविष्य है।

केएलआईएस ने किसानों के जीवन स्तर को बदल दिया : हरीश राव

सिद्दीपेट, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के किसानों ने राज्य सरकार द्वारा कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) पर धान की भारी उपज के रूप में खर्च किए गए निवेश को वापस पा लिया है।

यह कहते हुए कि विपक्षी दल मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना कर रहे थे, यह आरोप लगाते हुए कि केएलआईएस पर खर्च की गई बड़ी राशि व्यर्थ चली गई, मंत्री ने आंकड़ों का खुलासा किया कि कैसे केएलआईएस पूरा होने के बाद सिद्दीपेट में किसानों ने अपने मुनाफे में वृद्धि की।

सिद्दीपेट के किसानों को 2014-15 में धान की खेती से 30.28 करोड़ रुपये की आय हुई थी। यह 2021-22 में बढ़कर 344.16 करोड़ रुपये हो गया था।

उन्होंने कहा कि न केवल सिद्दीपेट के किसान, बल्कि सूर्यापेट, निजामाबाद, करीमनगर और अन्य जिलों के किसान केएलआईएस का लाभ उठा रहे हैं।

राव ने कहा कि जब टैंक, नाले और बड़ी परियोजनाएं केएलआईएस के पानी से लबालब भर रही थीं, तो सिद्दीपेट के किसानों ने देखा कि कैसे केएलआईएस ने उनके जीवन को बदल दिया। चूंकितेलंगानामें एक दशक से भी कम समय में बदलाव आया है, इसलिए मंत्री ने कहा कि पूरा देश तेलंगाना और इसके मुख्यमंत्री की ओर देख रहा है। कई अन्य राज्यों के किसान परिवर्तन देखने के लिए तेलंगाना आ रहे थे, जबकि पड़ोसी राज्य कर्नाटक और महाराष्ट्र में रहने वाले किसान रायतु बंधु, चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति और अन्य जैसे लाभ प्राप्त करने के लिए अपने गांवों को तेलंगाना के साथ विलय करने की मांग कर रहे थे।

तेलंगाना सरकार 5 महीने में पूरी करेगी भर्ती प्रक्रिया : मंत्री

सिद्दिपेट, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश रावने कहा कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) सरकार द्वारा अधिसूचित सभी रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया पांच से छह महीने के भीतर पूरी कर लेगा। रविवार को नारायणरावपेट मंडल मुख्यालय में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) आत्मीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार दिया। राज्य सरकार पर प्रश्नपत्र लीक होने के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए, राव ने लोगों से यह महसूस करने का आह्वान किया कि पेपर लीक की पहचान सरकार द्वारा की गई थी, न कि विपक्षी दलों द्वारा।

नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को विपक्षी दलों के झांसे में नहीं आने का आह्वान करते हुए, राव ने उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते रहने के लिए कहा क्योंकि बीआरएस सरकार पारदर्शी तरीके से पांच से छह महीने के भीतर भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए बहुत प्रतिबद्ध थी। वर्षों से खाली पड़े 16 लाख पदों को भरने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर बरसते हुए, मंत्री ने कहा कि यदि केंद्र रिक्तियों को भरता है तो तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं को भी उनके हिस्से की नौकरी मिलेगी।

वैजाग स्टील प्लांट के निजीकरण के लिए केंद्र पर बरसे केटीआर

कहा, बीआरएस जल्द एक आंदोलन शुरू करेगी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम स्टील प्लांट (वीएसपी) के निजीकरण की कोशिश के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी जल्द ही सभी वर्गों के लोगों के समर्थन के साथ एक आंदोलन शुरू करेगी।

मंत्री केटी रामाराव ने रविवार को केंद्र सरकार को एक खुला पत्र लिखकर विशाखापत्तनम स्टील प्लांट को 5,000 करोड़ रुपये जारी करने का अनुरोध किया और इसके विनिवेश के केंद्र के कदम का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पार्टी उन कर्मचारियों के संघों के प्रति एकजुटता दिखाएगी जो विनिवेश के कदम का विरोध कर रहे हैं और मांग करते हैं कि केंद्र को स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट पहचान आरआईएनएल का निजीकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र से वीएसपी को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ विलय की संभावनाओं की जांच करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने करोड़ों रुपये का कॉर्पोरेट कर्ज माफ कर दिया है। 12.5 लाख करोड़, केटीआर ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वीएसपी के प्रति दया क्यों नहीं है। केंद्र सरकार को कार्यशील पूंजी के लिए राजस्व पूलिंग में सहायता देनी चाहिए और वीएसपी के उत्पादों की खरीद करनी चाहिए। इसके अलावा, इसे वीएसपी को 5,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में, वीएसपी ने पीवी नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी सरकारों द्वारा दिए गए ऋणों को ब्याज सहित चुकाया था। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह वीएसपी, जिसकी कीमत 1.5 लाख करोड़ रुपये थी, को मामूली कीमत पर निजी कंपनियों को सौंपने की साजिशों को रोके।

उद्योग मंत्री ने आगे बताया कि वीएसपी प्रबंधन द्वारा जारी रुचि की अभिव्यक्ति और प्रस्तावित समझौते में विशिष्ट विनियमों का अभाव था। उन्होंने कहा कि यह कार्यशील पूंजी और कच्चे माल के लिए राजस्व पूलिंग की आड़ में वीएसपी को निजी कंपनियों को सौंपने की चाल के अलावा और कुछ नहीं है। यह कहते हुए कि वीएसपी के हितों की रक्षा करना दोनों तेलुगु राज्यों के लोगों की जिम्मेदारी है, केटीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी इस तरह के प्रयासों की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने बीआरएस एपी इकाई के प्रमुख थोटा चंद्रशेखर को वीएसपी श्रमिक संघों को बिना शर्त समर्थन देने का भी निर्देश दिया।

विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में सभी श्रमिक यूनियनों को एक स्पष्ट आह्वान में, मंत्री के टी रामाराव ने उनसे अपील की कि वे कुछ कॉरपोरेट दिग्गजों के लाभ के लिए सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने की मोदी सरकार की साजिशों के खिलाफ लड़ाई में बीआरएस के साथ हाथ मिलाएं।

कविता ने बेरोजगारी दर में वृद्धि को लेकर केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में बेरोजगारी दर में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए, बीआरएस एमएलसी के. कविता ने रोजगार पर केंद्र के रिकॉर्ड की आलोचना की और कहा कि भारत में वास्तविक डिग्री वाले लोगों को कोई नौकरी नहीं मिलती है। रविवार को ट्विटर पर कविता ने कहा कि बेरोजगारी दर 7.8 फीसदी है, जो तीन महीने का उच्चतम स्तर है, लेकिन क्या युवाओं की क्षमता का उपयोग करने की कोई चिंता या प्रयास है? आज के भारत में इस मामले की सच्चाई यह है कि-वास्तविक डिग्री वाले लोगों को कोई नौकरी नहीं मिलती है और बिना डिग्री वाले व्यक्ति के पास शीर्ष नौकरी होती है।

कविता ने ये टिप्पणी देश में व्याप्त उच्च बेरोजगारी दर पर प्रतिक्रिया करते हुए और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की शिक्षा योग्यता डिग्री का मजाक उड़ाते हुए की।

विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही मोदी सरकार : गुत्ता

मिर्यालगुडा, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने मोदी सरकार पर विपक्षी दलों की आवाज दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है और कहा है कि उसे इस तरह के अलोकतांत्रिक कार्यों में शामिल होना बंद करना चाहिए। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी पार्टी के नेताओं को परेशान करने के उद्देश्य से काम कर रही है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर जैसी जांच एजेंसियों को इनके खिलाफ कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर देश में राज्यपाल प्रणाली का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया और कहा कि केंद्र का कृत्य राज्य सरकारों की शक्तियों को हड़पने के अलावा और कुछ नहीं है।

गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना राज्य के गठन को नौ साल हो गए हैं, लेकिन केंद्र सरकार अभी तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच कृष्णा और गोदावरी नदियों में पानी के बंटवारे के मुद्दे को हल नहीं कर पाई है। पिछले नौ वर्षों में, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत एक भी वादा पूरा नहीं किया गया है। मानहानि के मामले में लोकसभा से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अयोग्यता की निंदा करते हुए, गुथा सुकेंदर रेड्डी ने कहा कि टिप्पणियों के आधार पर नेताओं को अयोग्य ठहराना एक अच्छा अभ्यास नहीं था।

सड़क हादसे में हैदराबाद के युवक की मौत, दो घायल

मेदक, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुलचरम मंडल के किस्तापुर गांव में रविवार को एक तेज रफ्तार कार ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 21 वर्षीय एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हैदराबाद कि मणिकोंडा के मोहम्मद अतीर खान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसी बाइक पर पीछे बैठी एक महिला और एक अन्य युवक घायल हो गए। उन्हें सरकारी अस्पताल नरसापुर ले जाया गया। घायल महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

बंडी ने सीएम केसीआर से उनकी उपलब्धियों पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज मांग की कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पिछले नौ वर्षों में आदिवासियों के लिए उनकी सरकार ने क्या किया है, इस पर एक श्वेत पत्र लेकर आएं। संजय ने मुलुगु में भाजपा बूथ समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले केसीआर ने अनुसूचित जनजातियों के लिए 12% आरक्षण लागू करने का वादा किया था, लेकिन इसे मुसलमानों के आरक्षण से जोड़कर नहीं किया। अगर मुख्यमंत्री ईमानदार हैं तो उन्हें एक विशेष अध्यादेश लाना चाहिए और अनुसूचित जनजातियों के लिए 12% कोटा लागू करना चाहिए।

संजय ने केसीआर पर पोडू भूमि के लिए टाइटल डीड उपलब्ध कराने का झांसा देकर आदिवासियों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुलुगु में आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भी मुख्यमंत्री वर्षों से भूमि आवंटित नहीं कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि केसीआर ने 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की उधारी का सहारा लेकर तेलंगाना को दिवालिया राज्य बना दिया है। भाजपा के सैकड़ों नेताओं को सलाखों के पीछे ठूंस दिया गया। फिर भी, हम जेलों से नहीं डरते। बहुत जल्द हम तेलंगाना में राम राज्य की स्थापना करने जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली शराब घोटाले में फंसी अपनी बेटी कविता को बचाने के लिए सीएम केसीआर ने अपनी पूरी कैबिनेट

छह अंतर्राज्यीय बाघ खाल तस्कर गिरफ्तार

आसिफाबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य चंदावन प्रमंडल के जिवती वन क्षेत्र में बाघ की खाल बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को पकड़ा गया। मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सहायक वन संरक्षक श्रीकांत पवार और वन परिक्षेत्र अधिकारी संदीप लंगड़े ने जिवती तालुका के पत्तागुड़ा गांव में जाल बिछाया और बाघ की खाल बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। कुल 6 लोगों को इस जाल में फंसाया गया और जब उनसे पूछताछ की गई तो आरोपियों ने तेलंगाना राज्य में आसिफाबाद के पास के इलाके में उक्त बाघ का शिकार किया और तस्करी के लिए बाघ की खाल को जिवती के पाटागुड़ा गांव में तस्करी के लिए लाया।तस्करी के मामले में पिछले 3-4 माह से इस गिरोह की निशानदेही पर बीती रात कड़ी मशक्कत के बाद जिवती वन क्षेत्र के अधिकारियों-कर्मचारियों ने अंतर्राज्यीय गिरोह को गिरफ्तार कर लिया।मुख्य वन संरक्षक डॉ. जितेंद्र रामगांवकर के मार्गदर्शन में उप वन संरक्षक केंद्रीय चंदा श्वेता बोड्डू, सहायक वन संरक्षक श्रीकांत पवार और वन परिक्षेत्र अधिकारी संदीप लंगड़े वन परिक्षेत्र अधिकारी जिवती उक्त अपराध की आगे की जांच कर रहे हैं।

कार्य में क्षेत्र सहायक एसवी सावसागड़े, अनंत रखुंडे, केबी करकले, डीए राउत, वन रक्षक संतोष आलम, संजय गरमाडे, प्रदीप मरापे और जीवटी वन परिक्षत्र के बालाजी बिंगवाड ने बहुमूल्य कार्य किया।

वाईएसआरसीपी शासन से लोगों का कोई वर्ग खुश नहीं : लोकेश

धर्मावरम, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी के नेता नारा लोकेशने आरोप लगाया है कि वाईएसआर कांग्रेस के शासन में आंध्र प्रदेश में लोगों का कोई भी वर्ग खुश नहीं है और सभी पीड़ित हैं।

तेदेपाके महासचिव नारा लोकेश ने ये टिप्पणी अपनी पदयात्रा (युवा गालम) में की, जो शनिवार को धर्मावरम विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश किया। लोकेश के अनुसार, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी सभी कल्याणकारी योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या कम कर रहे हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा कि टिडको घर टीडीपी शासन के दौरान बनाए गए थे और जगन अब इन घरों को अपनी सरकार का दावा करने के लिए फिर से पेंट कर रहे हैं। नमाला क्रॉस पर, सत्य साई वाटर वर्क्स के कार्यकर्ताओं ने विपक्षी नेता से मुलाकात की और शिकायत की कि उनके वेतन का भुगतान केवल तभी किया जा रहा है जब वे छह महीने में कम से कम एक बार आंदोलन शुरू करते हैं। उन्होंने मांग की कि सत्य साईं वाटर वर्क्स के साथ काम करने वाले 572 कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों के रूप में मान्यता दी जाए।

पूर्व मंत्री ने दावा किया कि बिजली बिलों और वेतन का भुगतान न किया जाना जगन सरकार के दिवालिएपन का संकेत देता है और श्रमिकों को आश्वासन दिया कि जैसे ही टीडीपी सत्ता में आएगी, उनके मुद्दों को हल कर दिया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने वादा किया कि तेदेपा सरकार सत्ता में लौटने पर कीमतों के साथ-साथ करों में भी कमी लाएगी। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडूने आरोप लगाया है कि राज्य गहरे कर्ज में डूब गया है और उनका कुल योग 10.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। नायडू ने कहा कि

मैं वास्तव में यह समझने में असमर्थ हूं कि राज्य किस ओर बढ़ रहा है।

वाईएसआरसीपी विधायक उंदावल्ली श्रीदेवी का मुद्दा उठाते हुए, जिन्हें हाल ही में निलंबित कर दिया गया था, उन्होंने कहा कि तेदेपा सत्ताधारी पार्टी के उन नाखुश नेताओं को स्वाभिमान के बारे में सोचने की सलाह देते हुए उनके साथ खड़ी रहेगी।

निर्मल में सड़कों व पुलों के लिए 23.52 करोड़ रुपये स्वीकृत : इंद्रकरन

निर्मल, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने शनिवार को जिले के दूरस्थ आदिवासी बस्तियों में काली सड़कें, पुल, आंतरिक सड़कें और जल निकासी के लिए 23.52 करोड़ रुपये मंजूर किए। रेड्डी ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार जिले की जनजातीय बस्तियों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो गांव कभी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे, वे अब अभूतपूर्व विकास के साक्षी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावने गांवों को ग्राम पंचायतों में बदल दिया था। नई सड़कों को बनाने और मौजूदा सड़कों की मरम्मत के लिए धन दिया जा रहा था, जिससे लोगों को विभिन्न जरूरतों के लिए आसानी से बाहरी दुनिया तक पहुंचने में मदद मिल रही है।

उन्होंने बताया कि आदिवासी कल्याण विभाग ने जिले के आदिवासी गांवों में सड़कें बनाने के लिए पहले ही 49 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं. सारंगपुर एवं ममदा मंडलों में नवीनतम धनराशि से ब्लैक टॉप सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार से इसके लिए अनुदान जारी करने का अनुरोध करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे।

कार में जिंदा जला तकनीकी विशेषज्ञ

तिरुपति, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कथित तौर पर उसकी कार में जिंदा जला दिया गया।

पुलिस ने बताया कि नायडूपेटा-पुथलपट्टू मार्ग पर गंगुडू पल्ले गांव के पास जली हुई कार में नागराजू (36) का जला हुआ शव मिला। रविवार की सुबह स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार के नंबर के आधार पर पीड़ित की शिनाख्त की। पुलिस को संदेह है कि बेंगलुरु की एक प्रमुख आईटी कंपनी में काम करने वाले नागराजू की आधी रात को हत्या कर दी गई थी और आरोपी ने कार को खाई में धकेल कर इसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। नागराजू उसी जिले के ब्राह्मणपल्ली गांव के रहने वाले थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। तकनीकी विशेषज्ञ को एक महिला के रिश्तेदारों द्वारा मार दिए जाने का संदेह है, जिसके साथ उसके छोटे भाई के कथित रूप से विवाहेतर संबंध हैं। पुरुषोत्तम और एक ही गांव की महिला के विवाहेत्तर संबंधों के कारण दोनों परिवारों में अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहते थे। शनिवार की रात महिला के परिजन नागराजू को अपने साथ मामले पर चर्चा करने ले गए। उन्होंने कथित तौर पर उसकी पिटाई की और उसके हाथ-पैर बांधकर उसे कार में बंद कर दिया और आग लगा दी। जली हुई कार के पास पीड़िता की चेन, जूते और अन्य सामान मिला। पुलिस ने मौके से सुराग जुटाए।

वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कार्ड दें सीएम : नारायण

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. के. नारायण, अध्यक्ष, चंद्र राजेश्वर राव फाउंडेशन फॉर सोशल प्रोग्रेस (सीआर फाउंडेशन) ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को वृद्धावस्था में रहने वाले बुजुर्गों को स्वास्थ्य कवरेज कार्ड प्रदान करने के लिए एक पत्र लिखा। राज्य में घरों। उन्होंने कहा कि उन्हें वृद्ध व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य कार्ड के बारे में कई वृद्ध कल्याण संगठनों और वृद्धाश्रमों से अभ्यावेदन और अपीलें प्राप्त हो रही हैं। डॉ. नारायण ने कहा कि बुढ़ापा किसी के जीवन का अंतिम चरण है, जो ऊर्जा और शरीर के संसाधनों में कमी के साथ है और किसी के शारीरिक अंगों के सड़ने और जागने के कारण होने वाली दुर्बलता के साथ, वृद्ध लोगों में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया की ऐसी दुर्बलता हमेशा मौजूद रही है। कई वृद्धाश्रम आवासीय सुविधाएं और अन्य जरूरतें जैसे मनोरंजन, शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रदान कर रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी सामाजिक समस्याओं में से एक यह है कि जब बुजुर्ग स्वतंत्र रूप से जीने में सक्षम नहीं हैं तो उनकी देखभाल कैसे की जाए। वरिष्ठ नागरिकों के बीच कई विकलांगताओं और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में वृद्धि के कारण, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों जैसे अंधापन, बहरापन, मानसिक बीमारी आदि के कारण बुजुर्गों को उनके रिश्तेदारों द्वारा छोड़ दिया जा रहा है।

यादाद्री में पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष वाई सतीश रेड्डी ने यादाद्री में पहले सार्वजनिक-निजी-साझेदारी (पीपीपी) मॉडल ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। सतीश रेड्डी ने कहा कि पीपीपी मॉडल को एक व्यवहार्य विकल्प माना गया है, जहां सरकार चार्जिंग बुनियादी ढांचे की आपूर्ति करने और ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए निजी खिलाड़ियों को शामिल करती है और प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना 'पीपीपी' मॉडल में आधिकारिक तौर पर ईवी चार्जिंग स्टेशन लॉन्च करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। राज्य सरकार अगस्त 2022 से पीपीपी मॉडल के तहत इन चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और निर्माताओं के साथ काम कर रही है।

नेशनल फ़र्टिलाइज़र लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
एन एफ एल
NFL
आंचलिक कार्यालय #3-6-666, बारवाले चेम्बर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायतनगर, हैदराबाद-500029, तेलंगाना, फोन: 040-29701389, मो: 9035506471
संदर्भ सं. एनएफएल/झेओएचवायडी/एबीडी/टीपीटीई ई-टेंडर/2023/02 दि. 03.04.2023
ई-निविदा सूचना
गडीचर्लापल्ली (वि.), सिरसिल्ला रोड, सिद्धीपेट (तेलंगाना) पर स्थित सीड प्रोसेसिंग यूनिट से तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश के विभिन्न गंतव्य स्थानों के लिए, धान बीज (प्रमाणित) के परिवहन करने ठेकेदार की नियुक्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जा रही है।
ई-निविदा प्रस्तुति की अंतिम तिथि दिनांक 17.04.2023 के 15.00 बजे तक है। अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारे वेबसाईट: www.nationalfertilizers.com तथा www.etender.gov.in/eprocure/app. देखे।
इस निविदा से जुड़े किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र (यदि कोई हुआ) तो उपरोक्त वेबसाईट पर ही जारी किया जायेगा।
आंचलिक प्रबंधक हैदराबाद

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.